MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 23 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-232

अचानक चीनी कम

उत्पादन घटा, एथेनॉल नीति भी कारण

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत में चीनी के दाम अचानक काफी बढ़ गए हैं। दशहरा और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहारों के आने से पहले चीनी की बढ़ती कीमतों ने कई घरों का बजट बिगाड़ दिया है। कीमतों में इस तेजी को लेकर लोगों में आक्रोश भी है। इसी बीच एक धारणा सामने आई है कि सरकार की एथेनॉल नीति के कारण देश में चीनी की कमी हुई और इसके चलते कीमतें बढ़ गईं। हालांकि, यह मामला जितना सरल दिखाई देता है, वास्तविक तस्वीर उससे कुछ अलग है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, चीनी की कीमतों में तेजी के पीछे कम उत्पादन, पिछले साल के कम बचे स्टॉक, मौसम का असर और बाजार में भविष्य की कमी को लेकर बनी आशंका जैसे कई कारण हैं।

एक महीने में 20 रुपये तक बढ़ी चीनी की कीमत

भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश में चीनी के दाम धीरे-धीरे बढ़ने के बाद अचानक तेज हो गए। इस साल 21 जुलाई को चीनी की औसत खुदरा कीमत करीब 45 रुपये प्रति किलोग्राम थी। इसके 10 दिन बाद, 31 जुलाई को यह कीमत बढ़कर 50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। यानी केवल 10 दिनों में चीनी 5 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो गई।

इसके बाद 21 अगस्त तक चीनी की कीमत करीब 65 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। दूसरे शब्दों में, केवल एक महीने में चीनी की कीमत में करीब 20 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई। इसे सामान्य वृद्धि नहीं माना जा सकता और यही वजह है कि बाजार में बढ़ी कीमतों को लेकर चिंता तथा घबराहट का माहौल दिखाई दे रहा है। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि एक महीने के भीतर चीनी की कीमतों में इतनी बड़ी तेजी आ गई? इसका एक बड़ा और स्पष्ट कारण चीनी का कम उत्पादन है। इसके साथ ही पिछले साल का बचा हुआ चीनी का स्टॉक भी बहुत अधिक नहीं था।

अनुमान से 30.5 लाख टन कम हुआ चीनी उत्पादन

इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन चीनी मिलों का एक संगठन है। इसमें चीनी बनाने वाली मिलों के साथ-साथ एथेनॉल और बिजली उत्पादन से जुड़े निजी मिल भी शामिल हैं।

इसी संगठन ने नवंबर 2025 में अनुमान लगाया था कि वर्ष 2025-26 में देश में करीब 343.5 लाख टन चीनी का उत्पादन होगा। लेकिन बाद में वास्तविक तस्वीर अलग रही और देश में चीनी उत्पादन केवल 309 लाख टन के आसपास रहा। इसमें करीब 30 लाख टन चीनी का इस्तेमाल एथेनॉल बनाने के लिए भी हुआ।इस तरह अनुमान की तुलना में करीब 30.5 लाख टन चीनी कम बनी। उत्पादन कम होने और मांग बनी रहने का सीधा असर कीमतों पर पड़ा।

अगर चीनी के उपलब्ध स्टॉक को भी समझा जाए तो स्थिति और स्पष्ट हो जाती है। इस सीजन की शुरुआत में देश के पास पिछले वर्ष की करीब 50 लाख टन चीनी का पुराना स्टॉक था। इसमें इस वर्ष के उत्पादन में से करीब 279 लाख टन चीनी और जुड़ी, जिससे कुल उपलब्ध मात्रा करीब 329 लाख टन हुई।इसमें से करीब 280 लाख टन चीनी की घरेलू खपत होने और करीब 8 लाख टन चीनी के निर्यात के बाद देश में लगभग 41 लाख टन चीनी बचने का अनुमान है।

41 लाख टन का बचा स्टॉक बना चिंता का कारण

यही करीब 41 लाख टन का बचा हुआ स्टॉक अब चिंता का कारण बना हुआ है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों के अनुसार, इससे पहले वर्ष 2016-17 में देश में करीब 39.4 लाख टन चीनी बची थी। इतने वर्षों बाद एक बार फिर स्टॉक इस स्तर के करीब पहुंचा है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष चीनी का उत्पादन कम रहने की एक प्रमुख वजह बारिश भी रही। महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात में पिछले साल सितंबर-अक्टूबर के दौरान भारी बारिश हुई थी। इससे गन्ने के खेतों में पानी भर गया और पर्याप्त धूप भी नहीं मिल सकी। ▶8पर

क्या एथेनॉल नीति ही चीनी महंगी होने की वजह है?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार की एथेनॉल नीति के कारण ही चीनी महंगी हुई है? लोगों के बीच यह धारणा बनी है कि सरकार ने एथेनॉल उत्पादन पर जोर दिया और इसके कारण चीनी का एक बड़ा हिस्सा एथेनॉल बनाने में इस्तेमाल हो गया, जिससे आम लोगों के लिए चीनी की उपलब्धता कम हो गई। लेकिन केवल आंकड़ों के आधार पर देखें तो तस्वीर इतनी सीधी नहीं है। इस वर्ष भारत में चीनी से करीब 30 लाख टन एथेनॉल बनाया गया। वहीं, यह भी तथ्य है कि इस वर्ष चीनी का कुल उत्पादन अनुमान से करीब 34.5 लाख टन कम रहा।

एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार नवंबर 2025 से जुलाई 2026 के बीच तेल कंपनियों को करीब 810.67 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति की गई। इसमें गन्ने से बने एथेनॉल की मात्रा केवल 259.24 करोड़ लीटर थी, यानी करीब 32 प्रतिशत।बाकी करीब 551.43 करोड़ लीटर एथेनॉल अनाज से बनाया गया, जो कुल आपूर्ति का करीब 68 प्रतिशत था।

'वंदे मातरम्' से समझौता नहीं

भाजपा ने पारित किया प्रस्ताव

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'वंदे मातरम्' के सिर्फ शुरुआती दो पद गाये जाने को लेकर कांग्रेस कार्य समिति के फैसले की निंदा की है और पार्टी की एक अहम बैठक में प्रस्ताव पारित कर कहा है कि राष्ट्रीय गीत सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जायेगा।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में शनिवार को पार्टी मुख्यालय में नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों की पहली बैठक हुई, जिसमें 'वंदे मातरम्' के सम्मान और गौरवशाली विरासत के संरक्षण को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रस्ताव में भाजपा ने कांग्रेस कार्य समिति के उस फैसले की कड़ी निंदा की है, जिसमें 1937 के प्रस्ताव को दोहराते हुए कांग्रेस के कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम्' के गायन को केवल शुरुआती दो पदों तक सीमित कर दिया गया था।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि श्री नवीन द्वारा टीम की घोषणा के बाद आज पार्टी मुख्यालय में पदाधिकारियों की पहली बैठक हुई और बैठकों का सिलसिला अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि पहली कार्यकारी बैठक में भारत के गौरव, भारत के सम्मान और वंदे मातरम् के सम्मान में पहला प्रस्ताव पारित किया गया। उन्होंने कहा कि इस साल को वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के तौर पर मनाया जा रहा है। हिंदुस्तान के हर कोने में 'वंदे मातरम्' के प्रति सम्मान, भावना और भावनात्मक जुड़ाव देखा जा सकता है।

श्री पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नेतृत्व में लाल किले परिसर में 'वंदे मातरम्' के सभी छह पद गाये गये। भारत के इतिहास में पहली बार, 15 अगस्त को 'वंदे मातरम्' का पूरा पाठ किया गया, जिसमें सभी छह पद शामिल थे। शाम होते-होते सोशल मीडिया पर कांग्रेस कार्यालय का एक वीडियो सामने आया, जिसमें श्रीमती सोनिया गांधी दो पदों के बाद 'वंदे मातरम्' को रुकवाने के लिए कहती हुई दिखाई दीं।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, उन्हें (श्रीमती गांधी) रुको, रुको कहते हुए सुना गया, मानो कोई अनुचित शब्द इस्तेमाल किए गये हों। उन्होंने कहा, सूरज उगने के साथ हमने पूरा 'वंदे मातरम्' सुना, उसकी तारीफ़ की और सम्मान जताया, वहीं सूरज डूबने के समय सोशल मीडिया और मीडिया के ज़रिए हमने 15 अगस्त को कांग्रेस दफ़्तर में हुई उस गलत हरकत को भी देखा। उन्होंने बताया कि 19 अगस्त,को सीडब्ल्यूसी की बैठक में एक प्रस्ताव पास किया गया, यह वही प्रस्ताव था जिसे कांग्रेस कार्य समिति ने अक्टूबर 1937 में कलकत्ता में पास किया था। ▶8पर

कॉकरोच दिपके पर एफ़आईआर

सरकारी काम में दखल का आरोप

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के लातूर जिले की पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके और अन्य लोगों के खिलाफ कथित तौर पर सरकारी स्कूल में बिना अनुमति प्रवेश करने, सरकारी काम में बाधा डालने और शिक्षकों को धमकाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। यह प्राथमिकी जिला परिषद उर्दू स्कूल की 53 वर्षीय शिक्षिका सैयद शमशादबानो खैरात अली की शिकायत पर औसा पुलिस थाने में दर्ज की गई है। अभिजीत दिपके कॉकरोच जनता पार्टी के चल रहे स्कूल ठीक करो अभियान के तहत मध्य महाराष्ट्र के लातूर जिले के विभिन्न स्कूलों का दौरा कर वहां की समस्याओं को सामने ला रहे हैं। शिकायत के अनुसार, कथित घटना मुंबई से 500 किलोमीटर से अधिक दूर औसा के पास जावली स्थित जिला परिषद उर्दू स्कूल में हुई। ▶8पर

राहुल मनुस्मृति!

बोले- वो कहती हैं महिलाएं कभी स्वतंत्र न हो

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का छात्रों की गूंज कार्यक्रम 22 अगस्त 2026 को पुणे के एआईएसएसएमएस कॉलेज मैदान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की सुरक्षा, स्वतंत्रता और समाज में उनकी पहचान को लेकर राहुल गांधी ने अपनी बात रखी। राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं को केवल मां, पत्नी या बेटी की भूमिका तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने मनुस्मृति का हवाला देते हुए कहा कि उसमें लिखा है कि बचपन में

महिला पिता के अधीन, युवावस्था में पति के अधीन और पति की मृत्यु के बाद बेटों के अधीन रहती है। राहुल गांधी ने कहा कि मनुस्मृति के अनुसार महिला को कभी स्वतंत्र नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी ताकत यह है कि महिलाएं स्वतंत्र हों, अपने लिए खड़ी हों और खुद पर विश्वास करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि महिलाएं स्वभाव से पुरुषों की तुलना में अधिक संवेदनशील, कोमल, दयालु और दूर की सोच रखने वाली होती हैं। ▶8पर

मालवाहक जहाज़ डूबा

22 लापता क्रू सदस्यों की तलाश

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

ओडिशा के तट के पास बंगाल की खाड़ी में पनामा के झंडे वाला मालवाहक जहाज एमवी ओशन विनर शनिवार को संपर्क टूटने के बाद डूब गया। जहाज में कुल 24 क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें 20 चीनी नागरिक, म्यांमार के तीन नागरिक और बांग्लादेश का एक नागरिक शामिल था। भारतीय तटरक्षक बल ने अब तक दो लोगों को बचा लिया है, जबकि शेष क्रू सदस्यों की तलाश जारी है।

भारतीय तटरक्षक बल के मुताबिक, जहाज डूबने से पहले एमवी ओशन विनर से संपर्क टूटने की सूचना मिली थी। अधिकारियों ने बताया कि जहाज ओडिशा के पारादीप तट से करीब 240 समुद्री मील दूर बंगाल की खाड़ी में डूबा। बताया गया है कि यह जहाज शुक्रवार को ओडिशा के तट से रवाना हुआ था और इसमें सिंगापुर के लिए लौह अयस्क ले जाया जा रहा था। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 24^0

भारत का हथियार पानी!

पाक मंत्री ने जताई आशंका

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने हाल ही में दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय रखी है। पहला, भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित रखने अर्थात स्थगित अवस्था में रखने के फैसले पर और दूसरा, दक्षिण एशिया में भारत की भौगोलिक एवं रणनीतिक स्थिति पर। उनके इन बयानों ने क्षेत्रीय राजनीति और पानी के मुद्दे को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अहसान इकबाल ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान अब इस आशंका का सामना कर रहा है कि भारत जरूरत के समय पानी रोककर उसे दबाव के एक साधन या हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। अहसान इकबाल ने कहा कि भारत ऊपरी तटवर्ती देश है, जहां से नदियां बहते हुए पाकिस्तान में प्रवेश करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाते हुए भारत पानी को पाकिस्तान के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। उनका कहना था कि पाकिस्तान के सामने अब यह खतरा स्पष्ट है कि भारत जरूरत पड़ने पर पानी की आपूर्ति रोककर उसे दबाव बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। भारत ने अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित अवस्था में रखने का फैसला किया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन बंद नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी। ▶8पर

मज़बूत चिकन नेक

शाह का त्रिकोणीय सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल और केंद्रीय सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान देश की पूर्वी सीमाओं की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप से सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे चिकन नेक के नाम से भी जाना जाता है, की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

अधिकारियों के मुताबिक, बैठक में सीमा पर निगरानी बढ़ाने, केंद्रीय सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों तथा राज्य पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही त्रिकोणीय सुरक्षा ग्रिड स्थापित करने के लिए एक रूपरेखा तैयार करने पर भी चर्चा हुई।

बीएसएफ और एसएसबी के वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद

सिलीगुड़ी दौरे के तीसरे और अंतिम दिन शहर के बाहरी इलाके सुकना में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल और सशस्त्र सीमा बल के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में पूर्वी सीमाओं से जुड़े सुरक्षा मुद्दों के साथ-साथ सिलीगुड़ी कॉरिडोर की रणनीतिक स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने सीमा क्षेत्रों में निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने तथा विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को लेकर हुई इस बैठक की अहमियत इसलिए भी अधिक है क्योंकि सिलीगुड़ी शहर नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के करीब स्थित है। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ध्यान में बैठे बौध्दों पर म्यांमार की सेना ने बरसाए बम, 14 की मौत

मांडले

म्यांमार के मध्य सागाइंग इलाके की एक मठ में ध्यान लगा रहे 14 बौध्दों पर सेना के लड़ाकू विमानों ने बम गिरा दिए। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि 20 अन्य घायल हो गए। सिविल डिफेंस एंड सिक्योरिटी आर्गनाइजेशन आफ म्यांग टाउनशिप के प्रवक्ता नवे ऊ ने बताया कि म्यांमार की सेना के लड़ाकू विमान ने मठ परिसर पर बम गिराया।

उनके मुताबिक, हमले में 14 लोगों की मौत हुई और 20 लोग घायल हुए हैं। एक स्थानीय निवासी ने भी मृतकों की संख्या की पुष्टि की। उसने बताया कि लड़ाकू विमान ने करीब 15 मिनट के अंतराल में दो बम गिराए। दूसरा बम मठ के पास स्थित एक मकान पर गिरा, जिससे वहां भी भारी नुकसान हुआ। जिस समय हमला हुआ, उस दौरान मठ परिसर में 100 से अधिक लोग एक सप्ताह के ध्यान कार्यक्रम में शामिल थे। यह कार्यक्रम बौद्ध धर्म के लेंट काल के दौरान आयोजित किया जा रहा था।

विपक्षी समूह और स्थानीय निवासी के अनुसार, यह हमला म्यांग टाउनशिप के स्वेल ले ओह गांव में सुबह करीब 9 बजे हुआ। यह गांव देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले से लगभग 75 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। हमले के समय मठ परिसर में बड़ी संख्या में लोग एक सप्ताह के ध्यान शिविर में शामिल थे।

मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस हमले से पूरे इलाके में दहशत फैल गई और लोगों को अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागना पड़ा।

स्थानीय निवासी ने बताया कि हमले में उसका एक रिश्तेदार भी मारा गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने घायलों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की कोशिश की। मृतकों के शवों को दफनाने के बाद कई लोग नजदीकी समुदाय में चले गए। हवाई हमले के बाद पूरे गांव में भय का माहौल है।

हालांकि, हमले को लेकर म्यांमार की सैन्य सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। विपक्षी समूहों का आरोप है कि सेना लगातार उन इलाकों में हवाई हमले कर रही है जहां लोकतंत्र समर्थक सशस्त्र संगठन और जातीय हथियारबंद समूह सक्रिय हैं। म्यांमार में यह हवाई हमला ऐसे समय हुआ है जब देश लंबे समय से राजनीतिक और सैन्य संघर्ष से जूझ रहा है। सेना की ओर से किए जाने वाले हवाई हमलों में अक्सर आम नागरिकों के मारे जाने की खबरें सामने आती रही हैं। सेना लोकतंत्र समर्थक बलों और जातीय सशस्त्र समूहों के खिलाफ कार्रवाई के तहत हवाई हमलों का इस्तेमाल करती रही है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में फिर मानसून हुआ सक्रिय, कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना

काठमांडू। नेपाल के मौसम पूर्वानुमान महाशाखा ने देश में एक बार फिर मानसून के सक्रिय होने की जानकारी देते हुए कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम महाशाखा की ओर से देशभर में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। देश के पहाड़ी क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी बारिश की संभावना है। कोशी, बागमती, गंडकी, लुंबिनी और सुदूरपश्चिम प्रदेश के तराई क्षेत्रों के कुछ स्थानों तथा मधेस प्रदेश के कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। आज देश के पहाड़ी क्षेत्रों तथा लुंबिनी और सुदूरपश्चिम प्रदेश के तराई क्षेत्रों के एक-दो स्थानों पर भी भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसी तरह, आज रात भी देशभर में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। कोशी, बागमती और गंडकी प्रदेश के हिमालयी क्षेत्रों के कुछ स्थानों तथा लुंबिनी, कर्णाली और सुदूरपश्चिम प्रदेश के हिमाली क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश और हिमपात की संभावना है। कोशी, बागमती, गंडकी और लुंबिनी प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के कुछ स्थानों तथा कर्णाली और सुदूरपश्चिम प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। काठमांडू में बीती रात से बारिश हो रही है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा की मौसमविद् बिनु महर्जन के अनुसार, काठमांडू में रात से ही बारिश रुक-रुककर जारी है। उन्होंने बताया कि फिलहाल कुछ देर के लिए बारिश रुकी है, लेकिन दोपहर बाद फिर से बारिश होने की संभावना है।

विदेश में रह रहे मतदाताओं को मतदान अधिकार के लिए कानून बनाने का नेपाल के गृहमंत्री का आग्रह

काठमांडू। नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने विदेश में रह रहे तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर रहने वाले मतदाताओं को मतदान का अधिकार देने के लिए आवश्यक कानूनी प्रावधान प्रस्तावित विधेयक में शामिल करने का आग्रह किया है।

निर्वाचन आयोग के साथ निर्वाचन प्रबंधन विधेयक के मसौदे और चुनाव सुधार को लेकर हुई चर्चा के दौरान उन्होंने यह आग्रह किया। गृहमंत्री गुरुंग ने इसी के अनुरूप तकनीकी तैयारियां शुरू करने के लिए भी निर्वाचन आयोग से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार विदेश में रह रहे नेपाली नागरिकों को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गुरुंग ने कहा कि पिछले चुनावों में ही सरकार का पूरा प्रयास था कि विदेशों में रह रहे नेपाली नागरिकों को मतदान का अधिकार मिले लेकिन उस समय कुछ तकनीकी कारणों से यह संभव नहीं हो पाया। उन्होंने पिछली बार के चुनाव में सामने आई समस्याओं के समाधान के लिए निर्वाचन आयोग से आवश्यक कदम उठाने को कहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त मानबहादुर कार्की ने बताया कि इस व्यवस्था के लिए कानूनी, संस्थागत और तकनीकी तैयारियां शुरू की जा चुकी हैं। उन्होंने इसके लिए आवश्यक संसाधन और जनशक्ति सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद जताई। कार्की ने कहा कि चुनाव की स्वच्छता, स्वतंत्रता और निष्पक्षता को और मजबूत करने तथा आम मतदाताओं की इच्छा के अनुरूप चुनाव की प्रक्रिया और प्रणाली में सुधार करने के लिए आयोग सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

वैज्ञानिकों ने स्टेम सेल की सहायता से विकसित किया हृदय वाल्व जैसा ऊतक

सिडनी। शोधकर्ताओं ने पहली बार स्टेम सेल की सहायता से ऐसा ऊतक विकसित किया है, जो मानव

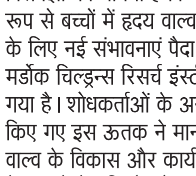

हृदय के वाल्व की तरह विकसित होता है और उसी प्रकार व्यवहार करता है। यह महत्वपूर्ण शोध किया आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में विशेष रूप से बच्चों में हृदय वाल्व संबंधी बीमारियों के उपचार के लिए नई संभावनाएं पैदा कर सकती है। यह अध्ययन मर्डोक चिल्ड्रन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के नेतृत्व में किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, प्रयोगशाला में तैयार किए गए इस ऊतक ने मानव शरीर में मौजूद हृदय वाल्व के विकास और कार्यप्रणाली की सफल नकल की है। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि जन्म से लेकर वयस्क अवस्था तक हृदय वाल्व किस प्रकार विकसित होते हैं तथा बीमारी या संक्रमण के दौरान उनमें क्या परिवर्तन आते हैं। संस्थान के हार्ट रीजेनरेशन ग्रुप की टीम प्रमुख हाली वोगेस ने कहा कि यह उपलब्धि ऐसे उपचार विकसित करने की दिशा में एक अहम कदम है, जिनमें क्षतिग्रस्त हृदय वाल्व की मरम्मत के लिए मरीज के शरीर की अपनी कोशिकाओं का उपयोग किया जा सके। उनका मानना है कि इससे भविष्य में अधिक सुरक्षित और प्रभावी उपचार विकसित करने की संभावना बढ़ेगी।

श्रीलंका में खुदाई में मिले 582 कंकाल, इसमें दुधमुंहे बच्चे और खिलौने भी मिले

ये अवशेष निर्दोष तमिलों के माने जा रहे हैं, जो गृहयुद्ध में हुए थे गायब

कोलंबो

श्रीलंका के जाफना इलाके में चेम्मानी नाम की जगह से एक भयावह खबर सामने आई है, जिसने पूरे दक्षिण एशिया को झकझोर दिया है। यहां श्मशान घाट के पास कंस्ट्रक्शन का काम करते हुए मजदूरों को खुदाई में 582 इंसानी कंकाल मिले। इन कंकालों में सिर्फ वयस्कों के अवशेष ही नहीं हैं, बल्कि दुधमुंहे बच्चों और छोटे स्कूली बच्चों की हड्डियां भी शामिल हैं।f

रपोर्ट के मुताबिक चेम्मानी की जमीन से निकले ये अवशेष उन निर्दोष तमिल नागरिकों के माने जा रहे हैं, जो श्रीलंका में दशकों तक चले खूनी गृहयुद्ध के दौरान रातों-रात गायब कर दिए गए थे। इस खौफनाक मंजर की खबर मिलते ही सरकार जांच को आगे बढ़ाने के लिए तुरंत 62 लाख रुपए का फंड आवंटित कर दिया। इस घटना ने श्रीलंका के उस काले इतिहास के पन्नों को दोबारा खोल दिया है, जिसे बरसों से दबाने की कोशिश की जा रही थी।

दरअसल, ये पूरा मामला तब शुरू हुआ जब चेम्मानी में श्मशान घाट के पास मजदूर बिल्डिंग बनाने के लिए नींव खोद रहे थे। अचानक मिट्टी हटाते ही उन्हें नीचे इंसानी खोपड़ियां और हड्डियां दिखीं। मजदूरों ने तुरंत काम रोक दिया और इसकी जानकारी प्रशासन को दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कोर्ट के आदेश पर तुरंत खुदाई शुरू करवाई गई।

जैसे-जैसे बुलडोजर और जांच दलों ने जमीन की परतें हटानी शुरू कीं,

वैसे-वैसे एक के बाद एक सामूहिक कब्रों का राज खुलता चला गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जाफना के पास चेम्मानी में चल रही इस खुदाई का नजारा इतना दर्दनाक है कि वहां मौजूद जांचकर्ताओं की आंखें नम हो गईं। मिट्टी की परतों के नीचे से सिर्फ इंसानी हड्डियां ही नहीं निकलीं, बल्कि उनके साथ छोटे बच्चों के खिलौने, दूध की बोतलें, स्कूल बैग, छोटे जूते और महिलाओं की चूड़ियां तक मिली हैं।

इस भयानक मंजर के बीच एक ऐसा कंकाल भी मिला है जिसके दोनों हाथ छाती के सामने बेरहमी से रस्सियों से बंधे हुए थे। यह सीधा सबूत है कि मरने वाले को किसी मुठभेड़ में नहीं मारा गया, बल्कि कस्टडी में रखकर बंधक बनाया गया और फिर उसकी बेरहमी से हत्या करके जमीन में दफना दिया।

बता दें श्रीलंका में साल 1983 में तमिलों के अधिकारों और अलग देश की मांग को लेकर वेलुपिल्लई प्रभाकरन की अगुवाई वाले संगठन एलटीटीई और श्रीलंका की सेना के बीच खूनी जंग शुरू हुई थी। यह गृहयुद्ध साल 2009 में एलटीटीई के खात्मे के साथ खत्म हुआ था, लेकिन इस दौरान 1,00,000 से भी ज्यादा लोग मारे गए थे।

जाफना का चेम्मानी इलाका 1995 से लेकर युद्ध खत्म होने तक पूरी तरह से श्रीलंकाई सेना के नियंत्रण में था। सेना पर हमेशा आरोप लगते रहे हैं कि कस्टडी में लिए गए हजारों तमिल नागरिकों को यहां लाकर मार दिया गया और उनकी लाशों को सामूहिक कब्रों में दफना दिया गया। बता दें पिछले साल भी इसी जगह से 240 कंकाल मिले थे, लेकिन इस बार मिली 582 लाशों ने पुराने सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। चेम्मानी में सामूहिक कब्र होने का शक आज का नहीं है। साल 1998 में एक श्रीलंकाई सैनिक पर स्कूली छात्रा के साथ बलात्कार और हत्या का मुकदमा चल रहा था, उसी दौरान उस सैनिक ने जांच एजेंसियों के सामने एक सनसनीखेज खुलासा किया था कि सेना की कस्टडी में मौजूद करीब 300 से 400 तमिल नागरिकों को मारकर चेम्मानी की जमीन में दफनाया है। उस सैनिक के बयान के बाद 1999 में यहां पहली बार खुदाई कराई गई थी, तब जमीन से 15 कंकाल निकले थे। सरकारी जांच में खुलासा हुआ था कि उन 15 में से 10 कंकालों पर गंभीर हमले और यातनाओं के निशान थे, लेकिन उस समय इस जांच को रहस्यमयी तरीके से रोक दिया गया और दशकों तक ये मामला ठंडे बस्ते में पड़ा रहा।

मजबूत स्थिति में युद्ध खत्म करना चाहता है ईरान : पेजेश्कियन

तेहरान

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि अमेरिका के साथ जारी युद्ध का अंत आखिरकार होना ही चाहिए, लेकिन इसे ऐसे समय खत्म करना बेहतर होगा, जब ईरान मजबूत और सम्मानजनक स्थिति में हो। उन्होंने कहा कि युद्ध को आज ही समाप्त करना बेहतर होगा, बशर्ते देश की स्थिति मजबूत बनी रहे। पेजेश्कियन ने यह बात इस्लामिक एसोसिएशन आफ ईरान्स मेडिकल कम्युनिटी की 31वीं आम सभा को संबोधित करते हुए कही।

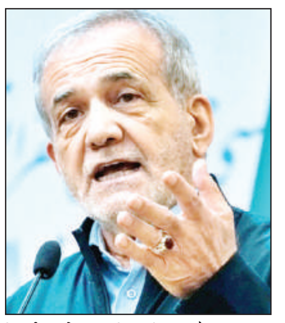

राष्ट्रपति ने दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने ईरान की जीत को स्वीकार किया है। उनके अनुसार, विद्यालयों, अस्पतालों और बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों को लेकर अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना का सामना करना पड़ा है। हालांकि, युद्ध के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था पर बढ़ते दबाव और आम लोगों में पैदा हो रहे असंतोष को लेकर पेजेश्कियन ने चिंता भी जताई। उन्होंने कहा कि यदि समाज में असंतोष और शिकायतें सामने आ रही हैं, तो इसका अर्थ है कि सरकार ने उस तरह काम नहीं किया, जैसा उसे करना चाहिए था। राष्ट्रपति ने अमेरिकी प्रतिबंधों और ईरानी बंदरगाहों तथा जहाजों की नौसैनिक नाकेबंदी को आर्थिक संकट की बड़ी वजह बताया। उनका कहना है कि इन परिस्थितियों ने देश के आयात और निर्यात को प्रभावित किया है।

पेजेश्कियन ने ईंधन पर दी जा रही सरकारी सब्सिडी की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार जिस कीमत पर पेट्रोल खरीदती है और जिस कीमत पर उसे घरेलू बाजार में बेचती है, उसमें बड़ा अंतर है। उनके मुताबिक, लंबे समय तक इस तरह की सब्सिडी जारी रखने से सरकार के पास खाद्य सहायता, बीमा और अन्य जरूरी योजनाओं के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं बचेंगे। इससे श्रमिकों, पेंशनभोगियों और सरकारी कर्मचारियों की आजीविका प्रभावित हो सकती है।

अमेरिका और इजरायल के साथ लगभग छह महीने से चल रहे युद्ध तथा लगातार प्रतिबंधों ने ईरान की आर्थिक स्थिति को कमजोर किया है। विशेष रूप से बंदरगाहों की नाकेबंदी से तेल निर्यात प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है, जो ईरान की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ईरान लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना करता रहा है और उसने प्रतिबंधों से निपटने के तरीके विकसित किए हैं। इसके बावजूद वह प्रतिबंधों में राहत चाहता है। साथ ही, वह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, ताकि ऊर्जा और अन्य सामान ले जाने वाले जहाजों से शुल्क वसूली के जरिए आर्थिक दबाव को कम किया जा सके।

हूती विद्रोही सऊदी पर कर रहे ताबड़तोड़ हमले

रियाद। सऊदी अरब ने पाकिस्तान और तुर्की के साथ मक्का समझौता तो कर लिया, लेकिन यह पूरी तरह से फुस्स साबित हो रहा है। एक तरफ सऊदी अरब पर यमन के हूती विद्रोही ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ उसके दोस्त मूकदर्शक बने देख रहे हैं। हाल ही में हूतियों ने सऊदी की आर्थिक रीढ़ मानी जाने वाली तेल कंपनी अरामको को निशाना बनाया और नज्रान एयरपोर्ट पर भी हमला किया। ऐसे में सवाल उठता है कि कुछ ही दिन पहले गहरी दोस्ती का दावा करने वाले ये तीनों देश इस संकट में एक साथ एक्शन क्यों नहीं ले रहे हैं सच तो ये है कि हूती विद्रोहियों के इन हमलों ने सऊदी, पाकिस्तान और तुर्की के इस डिफेंस पैक्ट की बखिया उधेड़कर रख दी हैं। हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के दक्षिणी इलाके पर दो बड़े ड्रोन हमलों की जिम्मेदारी ली है। हूतियों का दावा है कि उन्होंने सऊदी अरब के नज्रान एयरपोर्ट स्थित संवेदनशील सैन्य ठिकाने और वहां मौजूद दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको की एक फैसिलिटी को निशाना बनाया है। इस हमले की खबर आते ही पूरे गल्फ में हड़कंप मच गया। हालांकि, अभी तक सऊदी अरब की तरफ से इन हमलों में हुए नुकसान या किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन जिस तरह से हूती विद्रोहियों ने फिर से सऊदी अरब के एयरपोर्ट्स और आयल इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट करना शुरू किया है, उससे साफ है कि यमन की जंग अब फिर से भड़क चुकी है और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

प्रवासन नीति और स्पेन-मोरक्को के बीच संबंधों पर अब तक उठ रहे सवाल

सोशल मीडिया पर फैली अफवाह से मची अफरातफरी का मामला

मैड्रिड

उत्तरी अफ्रीका में स्थित स्पेन का छोटा-सा शहर स्यूटा अचानक यूरोप में प्रवासन और सीमा सुरक्षा को लेकर चर्चा का नया केंद्र बन गया। हाल ही में हजारों प्रवासियों की अचानक आमद ने न केवल स्थानीय प्रशासन को मुश्किल में डाल दिया, बल्कि यूरोप की सख्त प्रवासन नीति और स्पेन-मोरक्को के रिश्तों पर भी सवाल खड़े कर दिए। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे बड़ी वजह सोशल मीडिया पर फैली एक ऐसी अफवाह रही, जिसने कुछ ही घंटों में हजारों लोगों को स्यूटा की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित कर दिया।

घटना को लेकर अब बताया जा रहा है, कि करीब 72 हजार लोगों ने अफवाह के चलते मोरक्को से स्यूटा की सीमा में प्रवेश करने की कोशिश की थी। इनमें कुछ लोग समुद्र के रास्ते तैरकर पहुंचे तो कई मीलों पैदल चलकर सीमा तक आए थे। अचानक इतनी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से वहां अफरातफरी की स्थिति बन गई। इस दौरान कम से कम 88 लोगों की मौत होने की खबरें भी सामने आईं। हालांकि, बड़ी संख्या में प्रवासी बाद में मोरक्को लौट भी गए, लेकिन अपने पीछे कई सवाल भी छोड़ गए।

कोर्ट के फैसले की गलत व्याख्या – इस पूरे घटनाक्रम की जड़ सोशल मीडिया पर फैली एक अफवाह को माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेन की एक अदालत के फैसले की सोशल मीडिया पर गलत व्याख्या की गई। तस्करों ने कथित तौर पर टिकटाक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस फैसले को इस तरह प्रचारित किया कि स्यूटा पहुंचने वाले प्रवासियों को स्पेन में रहने की अनुमति मिल जाएगी। देखते ही देखते यह संदेश हजारों लोगों तक पहुंच गया। मोरक्को में बेरोजगारी और आर्थिक मुश्किलों से जूझ रहे लोगों को बेहतर भविष्य की उम्मीद दिखाई दी और उन्होंने जोखिम उठाकर स्यूटा पहुंचने की कोशिश शुरू कर दी।

यूरोप की सख्त प्रवासन नीति पर उठ रहे सवाल – 2015 के शरणार्थी

संकट के बाद यूरोपीय देशों ने अपनी सीमाओं को लगातार मजबूत किया है। इसके बावजूद प्रवासन का दबाव खत्म नहीं हुआ है। आलोचकों का कहना है कि सख्त सीमा नीतियों ने प्रवासियों को रोकने के बजाय उन्हें समुद्र और दूसरे खतरनाक रास्तों से यूरोप पहुंचने के लिए मजबूर किया। स्यूटा की घटना ने एक बार फिर इसी बहस को तेज कर दिया है। एक बार फिर अलग-अलग मंचों से सख्त प्रवासन नीति पर चर्चा तेज हो गई और सवाल पर सवाल उठाए जाने लगे हैं।

स्पेन-मोरक्को रिश्तों में तनाव की पृष्ठभूमि – घटना के पीछे सिर्फ अफवाह को ही कारण नहीं माना जा रहा। स्पेन और मोरक्को के बीच उस समय कूटनीतिक तनाव भी चर्चा में था। घटना से ठीक पहले स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने दीर्घकालिक गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अल्जीरिया का दौरा किया था। अल्जीरिया स्पेन की प्राकृतिक गैस जरूरतों का करीब एक तिहाई हिस्सा पूरा करता है। मोरक्को को स्पेन का अल्जीरिया के करीब जाना पसंद नहीं आया।

इमरान खान ने मुनीर को ही दे दी मात, बड़े प्लान पर फिरा पानी

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को सरकारी पाकिस्तान इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) में चिकित्सा जांच के बाद रावलपिंडी की अडियाला जेल वापस भेज दिया गया है। इमरान खान के एक करीबी सहयोगी डा. सलमान अहमद ने कहा कि खान पाक सेना प्रमुख के जाल में फंसने वालों में नहीं हैं और उन्होंने खुद ही अपनी जांच कराने के बाद फौरन अस्पताल वापस जाना चुना है।

डा. सलमान अहमद ने दावा किया है कि इमरान खान ने मेडिकल जांच के बाद तुरंत वापस अदियाला जेल जाकर सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को राजनीतिक रूप से चेकमेट यानी मात दे दी है। उन्होंने इस बारे में बताया कि दरअसल, खान नहीं चाहते थे कि अस्पताल जाने की घटना को सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तरफ से दी गई कोई रियायत या सेना के साथ

किसी गुप्त समझौते के सबूत के तौर पर दिखाया जाए। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि इमरान खान ने शिफा इंटरनेशनल जाकर वहां एक महीने तक रहने से इनकार कर दिया, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, क्योंकि उन्हें लगता है कि एक कैदी के तौर पर मेडिकल जांच करवाना और अपने परिवार व बेटों से मिलना उनका अधिकार है।अहमद ने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का मानना था कि अस्पताल जाने की घटना का सेना राजनीतिक इस्तेमाल कर सकती है। अहमद ने कहा, एक तरह से, मुझे लगता है कि खान साहब ने आसिम मुनीर को चेकमेट कर दिया। मुनीर दुनिया को यह दिखाना चाहते थे कि वह बहुत अच्छे इंसान हैं और खान साहब की परवाह करते हैं, और खान नहीं चाहते थे कि ऐसा प्रचार हो कि उन्होंने कोई समझौता किया है। उन्होंने कहा कि आसिम मुनीर इमरान खान को नवाज शरीफ समझने की भूल कर बैठे लेकिन इमरान खान ने उनके प्लान पर ही पानी फेर दिया। सलमान अहमद ने पाकिस्तान के अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों, विशेष रूप से नवाज शरीफ की तुलना करते हुए कहा कि अतीत में नेताओं ने बाहर निकलने या निर्वासन के लिए समझौते किए हैं, लेकिन इमरान खान देश छोड़कर नहीं जाएंगे। खान का मानना है कि उनके खिलाफ दर्ज सभी मामले राजनीति से प्रेरित और झूठे हैं और वे अदालत में कानूनी लड़ाई लड़कर खुद को निर्दोष साबित करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि खान की यह लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं बल्कि संस्थागत सुधारों, कानून के शासन और लोकतांत्रिक नागरिक सर्वोच्चता की स्थापना के लिए है। उनका मानना है कि भारत की तरह ही यहाँ भी कानून का शासन, लोकतंत्र और नागरिक सर्वोच्चता होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, मुझे तो कभी भारतीय सेना प्रमुख का नाम भी पता नहीं चला। इमरान खान कह रहे हैं कि हमें आगे बढ़ना होगा; यह व्यक्तियों के बारे में नहीं, बल्कि संस्थाओं के बारे में है। वह लोकतांत्रिक शासन चाहते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप का दिन अपेक्षा से अधिक अच्छा हैं व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे। छोटे बच्चे अपने दोस्तों के साथ पार्क में खेलने जायेंगे। साथ ही वो छुट्टी का आनंद उठायेंगे। घर-परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा। इस राशि के जिन लोगों का रेस्टुरेंट है, उनके धन में वृद्धि होने की संभावना है। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न होंगे। करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा। भोजन हल्का ही लेवें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन मे परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा मन हर्षित रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर रहेगा। सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरूस्त बने रहेंगे। केमिस्ट्री स्टूडेंट्स के लिए दिन फायदेमंद रहने वाला है। आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही आई. टी से जुड़े स्टूडेंट्स को भी लाभ की प्राप्ति होगी। कुछ लोग आपसे प्रभावित होंगे। साथ ही वो आपसे जुड़ने की कोशिश भी करेंगे। बिजनेसमैन को बेहतर मौके मिलेंगे। शनिदेव को तिल्ली चढाए तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप कर्ज मुक्त होने की दिशा मे आगे बढेंगे करियर में आप को अपने सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको सुबह-शाम टहलना चाहिए। इससे आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। आप नकारात्मक सोच रखकर स्वयं को थोड़ा उदास रख सकते हैं। परिवार वालों के साथ किसी टूर का प्लान बनायेंगे। लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरुरत है। दिनभर की थकान के बाद शरीर मे सुस्ती रहेगी आलसीपन छाया रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह माता-पिता के बातो को नजरअंदाज करना आप को भारी पडेगा। मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिलेगी। आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। आप जरूरतमंद लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ायेंगे। जो छात्र फैशन डिजायनिंग का कोर्स कर रहे हैं, उन्हें कुछ नया डिजाईन करने को मिल सकता है। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सुबह ही सूर्यनमस्कार करे मनोबल बढेगा आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता रहेगी। साथ ही आपको तरक्की के कई अवसर भी मिलेंगे। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बनायेंगे। आपको व्यापार में मुनाफा होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। कोई नया काम करने के लिए सोचेंगे। दाम्पत्य जीवन में सलाह-मशविरा से आगे बढ़ने मे मदद मिलेगी। जीवन में आपकी तरक्की सुनिश्चित होगी। शरीर स्वास्थ्य चुस्त दुरुस्त रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को मनोबल बढाकर रखना होगा आप का खुशनुमा व्यवहार घर में बहुत ही अच्छा माहौल बना देगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन फेवरेबल रहने वाला है। उन्हें काम से जुड़ी कोई खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। राजनीति से जुडे हुए लोगों को नये अवसर मिलेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने कारोबार को बढाने के लिए तुलसी के पौधे को जल सींचे कन्या का सम्मान करें। ऑफिस के काम की गति अच्छी रहेगी, आप अपने सारे पेंडिंग वर्क निपटा लेंगे। जीवनसाथी को उनकी पसंद का कोई गिफ्ट देंगे। किसी वजह से दोस्तों के साथ घूमने का प्रोग्राम टल जायेगा। कोई जरूरी चीज आप कहीं रखकर भूल सकते हैं। आपको अपने सामान का खास ध्यान रखना चाहिए। आपको तली-भुनी चीजों को खाने से बचना चाहिए। सीनियर्स को कुछ उपहार देने से नजदीकी बढेगी पदोन्नति के अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप जीवनसाथी और बच्चों के साथ तीर्थ यात्रा का अवसर बनाए बच्चों को सुसंस्कार मिलेंगे जीवनसाथी। परिवार का माहौल भी खुशनुमा बन रहेगा। आपको कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होगा। आप कामकाज में बहुत बिजी हो सकते हैं। किसी खास काम के लिए परिवार के लोगों को आपसे उम्मीद होगा व्यर्थ खर्च से आपको बचना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप के सभी जरूरी काम पूरे होंगे दोपहर के बाद का समय सुकून भरा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने फिरने जाने से आपको ख़ुशी मिलेगी। धन से जुड़ी चिंताएं दूर हो जाएगी, साथ ही रुके हुए धन की प्राप्ति भी होगी। कार्यक्षमता के बल पर आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। नींद पूरी होने के कारण आप बेहतर महसूस करेंगे। आप को इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र मे रोजगार के अवसर तलाशने चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बच्चें परिवार मे कोई अच्छी खबर सुनाएंगे। जीवन में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। ऐग्रिकल्चर का कामकाज अगर आप देख रहे है तो आय की आय मे बढ़ोतरी होने की संभावना है। आपको अपनी मेहनत के हिसाब से ही काम बढाना चाहिए। नए व्यापार के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से आपका मन उत्साह से भरा रहेगा। पेट रोग से पीडा आप को रात्रि मे परेशान कर सकती हैं

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी,छात्रों को टीचर्स का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। कुछ दिनों से किसी विषय में आ रही समस्या आसानी से दूर हो जायेगी। सुबह के समय योग से ही दिन की शुरूआत करें। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज में लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर आपका कामकाज बहुत शानदार रहेगा। पीपल के वृक्ष मे जल-दूध सींचे कार्य सिद्ध होंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने गुरु द्वारा मंत्र जप आप को जीवन मे तरक्की के रास्ते खोलेगा। साथ ही बडो की बेहतर सलाह मिलने से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो सकती है। शिक्षकों के लिए दिन बेहतर रहेगा। किसी काम में सफलता मिलेगी। आप खुद को ऊर्जा से भरा हुआ महसूस करेंगे। आपको जल्दबाजी में कोई फैसला करने से बचना चाहिए। आपकी सेहत दिनभर आप का साथ देंगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 अगस्त 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 04:20 तक
नक्षत्र : मूल सायं 05:45 तक
योग : विष्कुंभ प्रातः 06:14 तक
करण : वणिज सायं 03:13 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:00 ,सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा))

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पवित्रा एकादशी व्रत , चातुर्मास चालू है , भद्रा सायं 03:16 से रात्रि 04:24 तक , गण्डमूल सायं 05:45 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सेवा और मानवता का संदेश दे रहा राधे-राधे ग्रुप, केबीआर पार्क पर हुआ नियमित अन्नदान

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क के वॉटर टैंक के समीप नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को श्रद्धा, प्रेम और सेवाभाव के साथ भोजन वितरित किया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा लंबे समय से नियमित रूप से अन्नदान एवं विभिन्न सेवा कार्य किए जा रहे हैं। ग्रुप का मुख्य उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाना और मानवता की सेवा के साथ समाज में आपसी सहयोग, करुणा तथा भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। ग्रुप के सदस्यों का मानना है कि भूखे व्यक्ति को भोजन करवाना केवल सेवा ही नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

केबीआर पार्क में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में सदस्यों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ अन्न वितरण कार्य में सहयोग किया। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, कमल अग्रवाल, कमल मुंदड़ा, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, मनीषा, भावरीलाल गुप्ता, ऋषभ, सिद्धार्थ, कृष्व और विहान सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के अंत में राधे-राधे ग्रुप की ओर से अन्नदान कार्यक्रम में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सदस्यों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। सदस्यों ने कहा कि निस्वार्थ सेवा, जरूरतमंद की सहायता और मानवता के प्रति समर्पण ही राधे-राधे ग्रुप की पहचान है, और भविष्य में भी इसी भावना के साथ सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।

'नारी शक्ति नवरस प्रतियोगिता' में राधे-राधे ग्रुप ने जीता प्रथम स्थान

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना-आंध्र प्रादेशिक मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा आयोजित 'नारी शक्ति नवरस प्रतियोगिता' का कार्यक्रम सरोजिनी नायडू सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न महिला मंडलों एवं समूहों ने नवरसों पर आधारित प्रभावशाली प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

प्रतियोगिता में मलकपेट के 'राधे-राधे ग्रुप' ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। समूह की सुनीता वर्मा, पूजा जाजू, अंकित जैन, मीनाक्षी राठी, शिवानी मर्दा, प्रभा राठी, नेहा कोठारी एवं खुशबू झंवर ने महाभारत के द्रौपदी चीरहरण प्रसंग को आधार बनाकर रौद्र रस की प्रभावशाली प्रस्तुति दी और द्रौपदी के आक्रोश एवं नारी शक्ति को मंच पर जीवंत कर दिया।

द्वितीय स्थान शादनगर मारवाड़ी महिला मंडल को मिला। शोभा मालानी, मंजू लाहोटी, सुरेखा लाहोटी, कोमल काकानी, सीमा अग्रवाल, सीता भाटी, मनीषा स्वामी एवं पायल झंवर ने भयानक रस पर आधारित प्रस्तुति दी।

इसमें तांत्रिक प्रभाव से भूत-प्रेत के साधारण मनुष्यों एवं पूजा-पाठ करने वालों पर हावी होने तथा भगवान शंकर के महाकाल एवं काल भैरव स्वरूप में प्रकट होकर मनुष्य का उद्धार करने का दृश्य प्रस्तुत किया गया।

तृतीय स्थान दोमलगुड़ा माहेश्वरी महिला मंडल ने प्राप्त किया। डॉ. राजश्री सोनी, ज्योति भूतड़ा, माधुरी बजाज, पूजा बंग, सुनंदा लाहोटी, मंजू तापड़िया, ज्योति सारड़ा, प्रीति सारड़ा एवं करुण रस पर प्रस्तुति दी। कलाकारों ने नदियों, पृथ्वी, वैश्विक पर्यावरण, वायु प्रदूषण के साथ सतयुग से आज तक नारी की करुण पुकार को प्राकृतिक एवं प्रभावशाली तरीके से मंच पर प्रस्तुत किया।

चतुर्थ स्थान राजस्थानी महिला मंडल, इस्लामिया बाजार को मिला। मंडल की सुमित्रा राठी, सुमन लोया, पूजा मालानी, शोभा डालिया, ममता राठी, राखी भांगड़िया, कल्पना धूत, प्रियंका उपाध्याय, हेमा राठी एवं पूजा मालानी ने वीर रस पर प्रस्तुति दी। इसमें झांसी की रानी, अहिल्याबाई होलकर तथा आज के ऑपरेशन सिंदूर में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका एवं उनके सशक्त कार्यों को दर्शाया गया।

संगठन की ओर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लीला बजाज, प्रदेश अध्यक्ष शोभा डागा एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाली आयोजक टीम, मंचासीन अतिथियों, कलाकारों, निर्णायक मंडल की नीरज सुराना, सुधाजी किमती एवं विद्याजी डागा, सभागार में उपस्थित सभी महिलाओं एवं दर्शकों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में तंबोला संचालक अरुण राठी एवं मीना नावंदर सहित प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी लोगों का भी धन्यवाद किया गया। आयोजकों ने कार्यक्रम के दौरान हुई किसी भी त्रुटि के लिए क्षमा याचना करते हुए सभी के सहयोग के प्रति पुनः आभार व्यक्त किया। प्रस्तुत जानकारी प्रेस में लीला बजाज एवं शोभा डागा ने दी।

कावेती इंटरनेशनल लॉ फर्म देगी एआई आधारित अंतरराष्ट्रीय कानूनी सेवाएं

हैदराबाद, 23 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कावेती इंटरनेशनल लॉ फर्म हैदराबाद के बंजारा हिल्स में अपना नया कार्यालय शुरू करने जा रही है। कार्यालय का उद्घाटन 24 अगस्त को सुबह 11:30 बजे प्रेसिडेंट बंजारा हिल्स, फ्लैट नंबर सी-3, रोड नंबर-2, मुग्धा सिल्क्स के पास किया जाएगा। तेलंगाना के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री तथा हुजूरनगर के विधायक एन. उत्तम कुमार रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगे।

प्रमुख अंतरराष्ट्रीय अधिवक्ता कावेती श्रीनिवास ने बताया कि फर्म का उद्देश्य भारत और अंतरराष्ट्रीय कानूनी समुदाय के बीच मजबूत सेतु बनाना तथा व्यक्तियों और व्यवसायों को सीमा-पार कानूनी मामलों में विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

नया कार्यालय अंतरराष्ट्रीय कानूनी सेवाओं, सीमा-पार कानूनी परामर्श, अप्रवासन एवं वीजा कानून, एनआरआई मामलों, कॉरपोरेट एवं वाणिज्यिक कानून, अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं निवेश, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, मध्यस्थता, बौद्धिक संपदा, तकनीक एवं साइबर कानून, अनुबंध, अचल संपत्ति, विरासत और उत्तराधिकार सहित विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है।

फर्म के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञ समय-समय पर हैदराबाद कार्यालय में दो से तीन दिनों के लिए उपलब्ध रहेंगे और व्यक्तियों, व्यवसायों, एनआरआई, निवेशकों तथा अन्य जरूरतमंदों को उनके अंतरराष्ट्रीय कानूनी मामलों में प्रारंभिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

फर्म की प्रमुख पहल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कानूनी जागरूकता भी शामिल है। आधुनिक कानूनी तकनीक के माध्यम से कानूनी शोध, जानकारी तक आसान पहुंच और जटिल कानूनी विषयों को समझने में सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा।

फर्म ने स्पष्ट किया कि पेशेवर कानूनी सलाह और कानूनी प्रतिनिधित्व लागू कानूनों एवं पेशेवर मानकों के अनुरूप केवल योग्य कानूनी विशेषज्ञों द्वारा ही प्रदान किया जाएगा।

इस पहल को भारत सहित कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञों तथा विभिन्न उच्च न्यायालयों के अधिवक्ताओं के नेटवर्क का सहयोग प्राप्त है। फर्म का कहना है कि नया कार्यालय भारत में ग्राहकों के लिए अंतरराष्ट्रीय कानूनी विशेषज्ञता को अधिक सुलभ बनाने और कानूनी क्षेत्र में एआई तथा आधुनिक तकनीक के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मंच के रूप में विकसित किया जाएगा।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, बड़ी संख्या में लोगों ने उठाया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मार्गदर्शनी सोसाइटी, रसूलपुरा, सिकंदराबाद स्थित कम्युनिटी हॉल में शनिवार को जनहित सेवा ट्रस्ट, रेनबो होम्स, असृथा फाउंडेशन एवं के.आई.एम.एस. फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया।

मार्गदर्शनी सोसाइटी के अध्यक्ष अविनाश भंडारी तथा सोसाइटी के मार्गदर्शक जैन रत्न रमेश पी. तातेड की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श के साथ रक्तचाप, रक्त शर्करा आदि की जांच की गई। जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं।

शिविर में आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ दूर-दराज के इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। आयोजन के दौरान मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने की सलाह भी दी गई।

इस अवसर पर सिकंदराबाद कैंटोनमेंट के विधायक गणेश नारायणन, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष एस. केशव रेड्डी, एस. एन. मूर्ति सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। विधायक गणेश नारायणन ने चिकित्सा शिविर का जायजा लिया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने समीप स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन भी किए।

शिविर में सोसायटी के अध्यक्ष अविनाश भंडारी, सचिव राजकुमार अग्रवाल, राजेंद्र साहब, ट्रस्टी प्रकाशजी भंडारी, हींकार के ट्रस्टी रमेश पी. तातेड, रोहिणीबेन भंडारी, पुष्पाबेन तातेड, उषाबेन संघवी, पूजाबेन, गीताबेन कामदार सहित अन्य समाजसेवी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाइयां पहुंचाना है। शिविर में लोगों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

गायत्री विद्या संस्थान के छात्रों ने दिखाई मानवता

सड़क हादसे में घायल परिवार को 32 हजार की आर्थिक मदद

पेद्दापल्ली, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली शहर में गायत्री विद्या संस्थान के छात्रों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल परिवार की आर्थिक सहायता की। गायत्री विद्या संस्थान के अध्यक्ष अल्लेंकी श्रीनिवास ने पेद्दापल्ली जिले के चीकुराई निवासी पिंकशी सतीश के परिवार से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।बताया गया कि पिंकशी सतीश हाल ही में बसंत नगर के पास हुई एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनका करीमनगर के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। अल्लेंकी श्रीनिवास ने उनके परिवार से मुलाकात कर सतीश, उनकी पत्नी और बेटे के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

सतीश की पत्नी और बेटे की हालत भी बेहद गंभीर बताई गई। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए गायत्री विद्या संस्थान के विद्यार्थियों ने सहायता के लिए आगे आने का निर्णय लिया।

गायत्री विद्यानिकेतन, गायत्री जूनियर कॉलेज तथा गायत्री डिग्री एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्रों से दान के रूप में एकत्र किए गए 32 हजार रुपये की सहायता राशि गायत्री विद्या संस्थान के अध्यक्ष अल्लेंकी श्रीनिवास ने पिंकशी सतीश को सौंप दी।

कार्यक्रम के माध्यम से गायत्री शैक्षणिक संस्थान के विद्यार्थियों ने जरूरतमंद परिवार की मदद कर मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। इस अवसर पर गायत्री शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष एवं संवाददाता अल्लेंकी श्रीनिवास सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र उपस्थित रहे।

म्युनिसिपल कमिश्नर गोपू गंगाधर ने किया अल्पसंख्यक छात्रावास का औचक निरीक्षण

बांसवाड़ा, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट के आदेश पर नगर आयुक्त श्री गोपू गंगाधर ने बोरलाम अल्पसंख्यक आवासीय कल्याण छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में उपलब्ध व्यवस्थाओं, शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने शिकायत पेटी में प्राप्त शिकायतों का विवरण देखा और उनके संबंध में आवश्यक जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया।

उन्होंने छात्रों से विद्यालय में शिक्षकों द्वारा पढ़ाने के तरीके, शैक्षणिक स्तर तथा उन्हें दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त की। नगर आयुक्त ने छात्रों से उनकी पढ़ाई और छात्रावास से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर भी बातचीत की।

नगर आयुक्त ने छात्रावास की रसोई में उपलब्ध सामग्री का भी निरीक्षण किया। उन्होंने खाना पकाने के उपकरणों के स्टॉक रजिस्टर की जांच की तथा मौके पर उपलब्ध खाद्य सामग्री और अन्य रसोई आपूर्ति का जायजा लिया।

उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई जा रही खाद्य सामग्री ताजा और अच्छी गुणवत्ता की हो तथा भोजन तैयार करने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त गोपू गंगाधर ने छात्रों के साथ बैठकर दोपहर का भोजन भी किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी समस्याओं, जरूरतों और राय के बारे में जानकारी ली।

मंडामाड़ी में नए न्यायालय भवन का उद्घाटन, शीघ्र न्याय दिलाने पर जोर

पेद्दापल्ली, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडामाड़ी कस्बे में प्रथम श्रेणी न्यायालय के कनिष्ठ सिविल न्यायाधीश-सह-न्यायिक मजिस्ट्रेट के नए भवन का शनिवार को उद्घाटन किया गया। राज्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं मंचरियाल जिले के प्रशासनिक न्यायाधीश नागेश भीमापका ने नए न्यायालय भवन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए न्यायाधीश नागेश भीमापका ने कहा कि सभी लोगों को आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अहंकार और छोटी-छोटी बातें कई बार बड़े संघर्षों का कारण बन जाती हैं। ऐसे विवादों से बचने के लिए लोगों को संयम और आपसी समझ के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने न्यायालयों में लंबित मामलों के निपटारे में लगने वाले स्थगनों की संख्या कम करने की दिशा में प्रयास करने का सुझाव दिया, ताकि लोगों को जल्द से जल्द न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि मामलों का समयबद्ध निपटारा न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि मंडामाड़ी और बेल्लमपल्ली कस्बों में नए न्यायालय भवनों के उद्घाटन से न्यायिक कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने में सुविधा होगी।

कार्यक्रम में रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा, न्यायाधीश, न्यायिक अधिकारी, बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हैप्पी कपल्स की किटी धूमधाम से संपन्न

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैप्पी कपल्स की किटी का आयोजन पिंड दा चस्का होटल में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य मेजबान प्रमोद मर्दा एवं अंजू मर्दा रहे। इस अवसर पर सभी कपल्स ने मिलकर मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया और आपसी मेल-मिलाप के साथ कार्यक्रम को यादगार बनाया।

कार्यक्रम में पवन-दीपा बियाणी, शैलेश-श्रद्धा सोनी, दीपक-अरुणा डागा, महावीर-कोमल मर्दा, निलेश-बरखा कोठारी, राजगोपाल-ममता झंवर तथा पंकज-दिव्या परमार सहित अन्य कपल्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान सभी सदस्यों ने हंसी-मजाक, मनोरंजन और आपसी संवाद के साथ खुशनुमा समय बिताया। आयोजन ने सभी कपल्स के बीच सौहार्द और आपसी जुड़ाव को और मजबूत किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने शानदार मेजबानी के लिए प्रमोद मर्दा एवं अंजू मर्दा का आभार व्यक्त किया।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में कई ऐसे मंत्र दिए गए हैं जिनकी सहायता से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है। इन मंत्रों के प्रयोग से किसी भी कठिनाई को चुटकी बजाते ही दूर करना तो मामूली चीज है ही, साथ में जन्म-जन्मान्तर के भी बंधन कट जाते हैं।

इस गुप्त मंत्र को सुनने और बोलने से ही दूर हो जाती है सारी समस्याएं

यह मंत्र निम्न प्रकार है-
नमो स्तवन अनंताय सहस्त्र मूर्तये, सहस्त्रपादाक्षि शिरोरु बाहवे
सहस्त्र नाम्ने पुरुषाय शाश्वते, सहस्त्रकोटि युग धारिणे नम:

जानिए एक ऐसे ही शक्तिशाली मंत्र के बारे में, जिसे सुनने और बोलने से ही समस्याएं भाग जाती हैं, लेकिन इसे किसी को बताना नहीं चाहिए।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में कई ऐसे मंत्र दिए गए हैं जिनकी सहायता से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है।

इन मंत्रों के प्रयोग से किसी भी कठिनाई को चुटकी बजाते ही दूर करना तो मामूली चीज है ही, साथ में जन्म-जन्मान्तर के भी बंधन कट जाते हैं। आज की इस पोस्ट में हम एक ऐसे ही शक्तिशाली मंत्र के बारे में बताएंगे जिसे सुनने मात्र से ही पाप कट जाते हैं। इस मंत्र के जाप से जीवन की बडी से बडी बाधा भी आसानी से कट जाती है।

जीवन में आने वाली समस्त बाधाओं से मुक्ति पाने के लिए रोज सुबह इस मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र को भगवान शिव तथा विष्णु की पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। यह मंत्र अत्यन्त गुप्त है तथा आमतौर पर इसका उल्लेख नहीं किया जाता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

इस मंत्र के बारे में महाभारत के अनुशासन पर्व तथा तंत्र के प्राचीन ग्रंथों में लिखा गया है। इसके इस्तेमाल की विधि भी अत्यन्त सरल है। आपको केवल इतना सा करना है कि रोज सुबह नहा-धोकर, साफ धुले हुए कपडे पहने तथा भगवान विष्णु की पूजा करें। उन्हें पीले पुष्प, प्रसाद, चंदन आदि समर्पित करें और यथायोग्य उनकी पूजा कर उनसे इस मंत्र के जाप को आरंभ करने का आशीर्वाद लें।

इसके पश्चात एक स्वच्छ व शुद्ध आसन पर एकांत में बैठकर भगवान शिव अथवा विष्णु का ध्यान करते हुए इस मंत्र का जाप आरंभ कर दें। एक माला रोजाना कर लें। आपके लिए इतना ही पर्याप्त रहेगा। साथ ही समस्या हल होने तक इसका जाप लगातार जारी रखें।

पूजा के दौरान रोजाना किसी जीव (भिखारी, बच्चे, पशु या पक्षी) को भोजन दान दें। इसके अलावा घर पर आए साधु को भी अन्नदान दें। इसके बाद सच्चे मन से प्रार्थना कर अपने काम में जुट जाएं। अवश्य ही आपकी इच्छा पूरी होगी।

शुक्रवार को देवी लक्ष्मी के इन मंत्रों के जाप से आर्थिक कष्ट दूर हो जाते हैं

शुक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। श्री महालक्ष्मी पूजन के कुछ सरल मंत्र हैं ।

शुक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। श्री महालक्ष्मी पूजन के कुछ सरल मंत्र हैं जिससे सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। वैभव लाता है। महालक्ष्मी के पूजन में निम्न में से किसी भी एक मंत्र का जप 108 बार करना चाहिए।

श्री महालक्ष्मी के पूजन के सरल मंत्र

महालक्ष्मी पूजन के दो सरल मंत्र हैं। जिनका उच्चारण भी सरल है। महालक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए रोज इन मंत्रों का जप किया जा सकता है।

श्री महालक्ष्म्यै नम:। ऊँ महालक्ष्म्यै नम:। श्री महालक्ष्मी के अन्य मंत्र-

शास्त्रों में देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के कई मंत्र हैं। जिनमें से तीन मंत्र इस प्रकारहैं। इन मंत्रों को तीव्र असरकारी कहा गया है। लेकिन उच्चारण में कठिन है। इसलिए प्रशिक्षित होने पर ही इन मंत्रों का जाप करें।

ऊँ श्रीं श्रियै नम:।
श्रीं हीं क्लीं ऐं कमलवासिन्यै स्वाहा ।
ऊँ श्रीं हीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं हीं श्रीं ऊँ महालक्ष्म्यै नम:।

रावण ने मंदोदरी को बताए थे 'स्त्रियों के 8 अवगुण'

लंकापति रावण का नाम सुनते ही लोग उसके बारे में बुरा सोचने लगते हैं क्योंकि उसने मां सीता का हरण किया था। हम में से बहुत कम ही लोग जानते हैं कि वह एक महापंडित था, जिसने कठोर तपस्या कर के ढेर सारा ज्ञान अर्जित किया था।

रावण की एक पत्नी थी, जिसका नाम मंदोदरी था और वह उससे अति प्रेम करता था।

लेकिन रामचरित मानस के अनुसार जब रावण ने सीता का हरण कर लिया तब उसके बाद श्रीराम वानर सेना सहित समुद्र पार करके लंका पहुंच गए थे, तब मंदोदरी डर गई और उसने रावण के पास जा कर बोला कि आप युद्ध ना करें और सीता को वापस उनके पति श्रीराम के हवाले कर दें और उनसे क्षमा मांग लें।

यह सुनने के बाद रावण अपी पत्नी पर हंसा और महिलाओं के आठ अवगुणों को सुनाने लगा। आइये जानते हैं कि रावण ने स्त्रियों के कौन से 8 अवगुण बताए थे।

पहला अवगुण

पहला अवगुण है, महिला में बहुत ज्यादा साहस होना। इसके चलते वो कई बार उस जगह पर साहस का प्रदर्शन कर देती हैं, जहां उन्हें नहीं करना चाहिये। इससे उन्हें और उनके परिवार वालों को बाद में पछताना पडता है। साहस को दु:साहस नहीं बनाना चाहिये।

दूसरा अवगुण

दूसरा अवगुण है, उनकी निरंतर झूठ बोलने की आदत। रावण ने कहा था कि महिलाएं बात बात पर झूंठ बोलती हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि झूंठ ज्यादा दिनों तक छुप नहीं पाता।

तीसरा अवगुण

वे काफी चंचल होती हैं। उनका मन बार बार बदलता रहता है और उनके मन की बात को समझना काफी मुश्किल होता है।

चौथा अवगुण

वे कई बार दूसरों के खिलाफ साजिश भी रचती हैं ताकि परिस्थिति उनके अनुकूल हो। अपना काम सिद्ध कराने के लिए महिलाएं क्या-क्या करती हैं, इसकी भी चर्चा की है रावण ने।

पांचवां अवगुण

हांलाकि वो एक ओर तो साहसी होती हैं मगर वे उतनी ही जल्दी घबरा भी जाती हैं। अगर उन्हें लगता है कि काम उनके मुताबिक नहीं हो रहा है तो, वह बदलाव देख डर जाती हैं।

छठा अवगुण

महिलाएं थोडी मूर्ख भी होती हैं। वे बिना सोचे समझे फैसला कर लेती हैं और बडी समस्या में पड जाती हैं और इसका एहसास उन्हें बडी देर से होता है।

सातवां अवगुण

उनका निर्दयी होना। स्त्रियों को पुरुषों के मुकाबले दयालु माना जाता है, लेकिन रावण के अनुसार स्त्रियां निर्दयी होती है। वे अगर कभी दया का भाव छोड दे यानि निर्दयी हो जाए तो कभी भी दया नहीं दिखाती।

आठवां अवगुण

महिलाएं देखने में चाहे कितनी भी सुंदर हों, खूबसूरत गहने और साडी पहने, लेकिन वह साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखती। इस कारण से रावण ने महिलाओं को अपवित्र कहा था।

भाग्यशाली बनने के ये हैं 5 उपाय

हर व्यक्ति भाग्यशाली बनने की तमन्ना रखता है। इसके लिए वह कई जतन करता है। वह कठिन परिश्रम करता है। ताकि वो अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निभा सके। लेकिन फेंगशुई में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं। जिन्हें आजमाकर आप भाग्यशाली बन सकते हैं।

1. मुख्य द्वार के दोनों ओर खिडकियां न हों: ध्यान रखें कि घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर खिडकियों का होना दोषपूर्ण माना जाता है। इससे घर के मालिक की आर्थिक समस्याएं बढती हैं। इन खिडकियों के माध्यम से व्यक्ति का भाग्य हवा के साथ बह कर बाहर चला जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए खिडकियों की चौखट पर गोल पत्तियां वाले पौधे का गमला रख दें या ऊपर खिडकी में टांग दें।

2. प्रवेश द्वार के अगल-बगल पौधे रखें : घर व ऑफिस के प्रवेश द्वार के अगल-बगल में फूलों के गमले रखने चाहिए। ये घर में या ऑफिस में प्रवेश करने वाली ऊर्जा को और अधिक सकारात्मक व शक्तिशाली बना देते हैं। ध्यान रहे कि ये पौधे कांटेदार व नुकीली पत्तियां वाले नहीं हों।

3. हिंसा दर्शाते चित्र न लगाएं : घर में कभी भी हिंसा वाले चित्र न लगाएं। विशेष रूप से दक्षिण-पश्चिम कोने में तो बिल्कुल भी नहीं। क्योंकि यह कोना रिश्तों से संबंधित होता है। महाभारत के दृश्य, पुस्तक रखना घर परिवार में कलह का कारण बनता है। इससे मन भी अशांत रहता है।

4. सीधे चढाव के दोष को दूर कीजिए : घर में तिरछा या घुमावदार चढाव अच्छा माना जाता है। सीधे चढाव पर ची का प्रवाह एकदम तेज होता है। इसे कम करने के लिए नीचे छह खोखली रॉड वाली एक पवन घंटी (विंड चाइम) लटका देनी चाहिए। यह आगंतुकों के प्रवेश की सूचना देती है तथा गृह स्वामी को उनके प्रति सचेत करती है।

5. संदूक में दोहरा आइना लगाएं : अपने घर व दुकान के संदूक में नीचे व ऊपर की ओर आइना(मिरर) लगा होना चाहिए। इस प्रकार संदूक आपके पैसे को कई गुना बढा देगा। आमदनी भी अधिक होगी। संदूक में लाल फीते से तीन चीनी सिक्के बांध कर रखने से लक्ष्मी जी की प्राप्ति होती है।

मुस्कुराहट ऐसे बनाएगी सफल व्यक्ति

डिक्शनरी की परिभाषा अनुसार मुस्कराहट, चेहरे का एक ऐसा भाव है जिसमें होठों के किनारे हल्के से ऊपर की तरफ उठ जाते हैं, और इससे एक व्यक्ति का उत्साह, उसकी रजामंदी या खुशी जाहिर होती है।

मुस्कान तथा प्रसन्नता हमारे शरीर एवं मन पर आश्चर्यजनक प्रभाव डालते हैं और शोक, भय, क्लेश जैसी प्राणघातक वृत्तियों का उन्मूलन क्षण भर में कर डालते हैं और इसी वजह से आनंद को ईश्वरीय गुण कहा गया है, क्योंकि वह हमारे शरीर में मधुर रस उत्पन्न करता है और किसी अव्यक्त मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से शरीर और मन पर तत्काल शान्ति का अलौकिक प्रभाव डालता है।

भौतिकता की अंधी दौड में भागते हुए इंसानों को संयोग से यदि कोई मुस्कुराता हुआ व्यक्ति दिख जाता है, तो उसे देखकर वे बडे प्रसन्न हो जाते हैं और उसकी ओर आकर्षित होते हैं। इसके पीछे का मूल कारण है 'सकारात्मक प्रभाव' जो केवल एक मुस्कान मात्र से व्यक्ति को अपने सर्व दु:ख दर्द भुला देता है और सुख व संतोष की अनुभूति कराता है और इसीलिए ही मनुष्य को जब भी हंसने का अवसर मिले, तब जी भरके खूब हंसना चाहिए। याद रहे जो व्यक्ति हंसना नहीं जानता, वह जीना नहीं जानता।

हंसने वाले की ओर सारा संसार आकर्षित होता है और रोने वाले से सबको विकर्षण रहता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य जितनी देर हंसता है, उतनी ही अवधि की वृद्धि वह अपने जीवन में कर लेता है।

हंसने वाले की ओर सारा संसार आकर्षित होता है और रोने वाले से सबको विकर्षण रहता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य जितनी देर हंसता है, उतनी ही अवधि की वृद्धि वह अपने जीवन में कर लेता है। तभी तो कहते हैं कि जो सदा हंसता-मुस्कुराता है, वह अस्सी वर्ष की अवस्था में भी नौजवान लगता है, वहीं इसके बिल्कुल विपरीत जो मन-मलीन और उदास रहता है, वह बीस वर्ष की आयु में भी बूढा लगने लगता है। हंसने से फेफडों को भी नवीन शक्ति मिलती है, जिससे शरीर का रक्त शुद्ध और सशक्त बनता है। आज एक तरफ अनेक प्रकार के टीवी सीरियल्स मनुष्यों को जबरदस्ती हंसाने का प्रयास कर रहे हैं तो दूसरी तरफ महानगरों में बने विविध लाफिंग क्लस मानव के चेहरे पर जबरदस्ती हंसी लाने का अल्प प्रयास कर रहे हैं। परन्तु यह कृत्रिम हास्य में क्या मजा असली मजा और आनंद तो वास्तविक मुस्कान में है, जो बदकिस्मती से हमें किसी के भी चेहरे पर दिखती नहीं है, क्यों।

इसका कारण है हमारे मन का मैल। जी हां जैसे दीपक की बाती में चाहे कितनी भी रोशनी हो पर उस पर लगे कांच के आवरण पर यदि मिट्टी या कालिमा लगी हो तो वह प्रकाश मैले कांच से अवरुद्ध हो जाता है एवं पूर्णरूपेण बाहर नहीं फैल सकता, ठीक इसी प्रकार से जब तक हमारे मन पर छल, कपट, ईर्ष्या, द्वेष, काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार की कालिमा है, तब तक हमारी आत्मा की खुशी अवरुद्ध होती रहेगी और हमारे चेहरे पर मुस्कराहट आयेगी नहीं, इसलिए सर्वप्रथम हमें इस कालिमा को दिव्य गुणों की धारणा द्वारा दूर करना होगा, अन्यथा हमारा जीवन इन्हीं अवगुणों के वशीभूत सदा दुखी व असंतुष्ट रहेगा। क्या हमने मनुष्य जन्म ऐसे ही रोते-बिलखते काटने के लिए लिया हैं या हंसते-खेलते और गाते-मुस्कराते हुए महोत्सव की भांति आनन्द लेने के लिए लिया है। तय आपको करना है, क्योंकि यह जीवन आपका है। हंसने से खत्म हो जाता है मनोविकारों का विष : हंसने से अनेक द्रव्य मस्तिष्क में प्रवाहित होते हैं जो हमें अनेक बीमारियों से बचाते हैं और तंदुरुस्त रखते हैं, इसीलिए ही हास्य को स्वास्थ्य का मूल-मंत्र माना गया है। ईर्ष्या, द्वेष, क्रोध आदि उत्तेजनाओं से जो शारीरिक अस्त व्यस्तता उत्पन्न हो जाती है, मनोविकारों का जो विष अवयवों में संचित हो जाता है, वह हंसने से दूर हो जाता है।

मन जीतें जग जीत

जीवन भावयुद्ध की तरह है। अक्सर हम पाते हैं कि हम संग्राम में खडे हैं। कभी मन को राहत मिलती है तो कभी संवेदनाएं भी आहत भी होती हैं। मर्म पर लगी इस चोट की वजह कभी हमारा अहंकार होता है तो कभी दूसरों का। जीवन में कभी हम दूसरों से प्रभावित होते हैं और कभी अपनों से। समृद्ध जीवन के लिए जरूरी है कि भावनाओं के युद्ध में, विचारों और संबंधों के युद्ध में हम पराभूत न हों। लेकिन हो सकता है जिसने मनोविकार जीत लिए। जो मानसिक विकारों से मुक्त नहीं हो पाता वह विजेता नहीं हो सकता है। जो चित्त की वृत्तियों को स्थिर नहीं कर पाता वह जीत नहीं सकता। इसलिए गुरु नानक ने कहा है,'मन जीते जग जीत'। शास्त्र कहते हैं कि मन ही मनुष्य के बंधन और मुक्ति का कारण है। मन से बंधे हैं हम और मन की मुक्ति से ही मनुष्य मुक्त होगा। मुक्ति से अर्थ जडता, आलस्य, प्रमाद, संकीर्णता, भ्रम और भय से मुक्ति से है। इसलिए कभी अगर हम मुक्त हुए तो उसमें मन ही सहायक बनेगा। जब हम अपने मन पर नियंत्रण कर लेंगे तो हम चीजों से पार जा सकेंगे। संसार में जीत उसी की वही है जिसके पास विवेक है। मुश्किल परिस्थितियों में अपने विवेक के जरिए मनुष्य राह निकाल सकता है। विवेकवान मनुष्य बहुत तुच्छ चीजों पर ध्यान नहीं देता और चीजों को समग्रता में देखता है। इसलिए कितनी ही कठिन परिस्थिति क्यों न हो कुछ पल के लिए बिना तनाव के विचार करें। विचारें कि आप जो करने जा रहे हैं क्या वह बेहतर है, क्या वह हितकारी है और आप अच्छा रास्ता चुनने में हमेशा सफल रहेंगे।

ये हैं भगवान श्रीकृष्ण को प्रसन्न करने के 7 मंत्र

1-कृं कृष्णाय नम:

यह स्वयं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा बताया गया मूलमंत्र है। इसके प्रयोग से रुका हुआ धन प्राप्त होता है। इसके अलावा इस मूलमंत्र का जाप करने से घर-परिवार में सुख की वर्षा होती है।

2- ऊं श्रीं नम: श्रीकृष्णाय परिपूर्णतमाय स्वाहा

यह श्रीकृष्ण का सप्तदशाक्षर महामंत्र है। अन्य मंत्र शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार 108 बार जाप करने से ही सिद्ध हो जाते हैं लेकिन इस महामंत्र का पांच लाख जाप करने से ही सिद्ध होता है। इससे अटके काम पूरे होते हैं।

3- गोवल्लभाय स्वाहा

ये केवल दो शब्द दिखाई देते हैं लेकिन धार्मिक संदर्भ से देखें तो इन शब्दों को बनाने के लिए प्रयोग में आए सात अक्षर बेहद महत्वपूर्ण हैं। यदि उच्चारण के समय एक भी अक्षर सही से नहीं पढा जाए, तो इस मंत्र का असर खत्म हो जाता है।

4- गोकुल नाथाय नम:

इस आठ अक्षरों वाले श्रीकृष्ण मंत्र का जो भी साधक जाप करता है उसकी सभी इच्छाएं व अभिलाषाएं पूर्ण होती हैं। आर्थिक, आत्मिक और भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है।

5- क्लीं ग्लौं क्लीं श्यामलांगाय नम:

ज्इस मंत्र का प्रयोग साधक आर्थिक स्थिति में सुधार की कामना से करते हैं। यह संपूर्ण सिद्धि देना वाला मंत्र है। यह मंत्र आर्थिक स्थिति में सुधार ही नहीं करता बल्कि उसे दृढ भी बनाता है।

6- ऊं नमो भगवते श्रीगोविन्दाय

ज्यह ऐसा मंत्र है जो विवाह से जुडा है। जो जातक प्रेम विवाह करना चाहते हैं लेकिन किन्हीं कारणों से हो नहीं रहा तो वे प्रात: काल में स्नान के बाद ध्यानपूर्वक इस मंत्र का 108 बार जाप करें।

7- ऐं क्लीं कृष्णाय ह्रीं गोविंदाय श्रीं गोपीजनवल्लभाय स्वाहा हर्सो

ज्यह मंत्र उच्चारण में थोडा कठिन जरूर है लेकिन इसका प्रभाव अचूक है। यह मंत्र वाणी का वरदान देता है।

क्या बताता है

देखने का अंदाज...?

आंख मिलाना

जो व्यक्ति बातचीत के क्रम में आंखों में आंख मिलाकर यानी आंख के सामने दृष्टि डालकर स्थिर स्वभाव से बोलता या बातचीत करता है वह प्रबल आत्मविश्वासी,दृढ़,धैर्य व स्थिर स्वभाव वाला होता है। ऐसा व्यक्ति साहसी,सत्यनिष्ठ, निष्कपट व दृढ़ चरित्र वाला होता है। इसी कारण वह आंख से आंख मिलाकर निडर होकर बातचीत करता है। प्राय: ऐसे व्यक्तियों की गणना उत्तम व्यक्तियों में होती है।

मनुष्य के शरीर का यूं तो प्रत्येक अंग ही उसके व्यक्तित्व की पहचान कराने वाला होता है

लेकिन इनमें आखों का भी एक अलग स्थान है। सच कहा जाय तो हमारे देखने का अंदाज भी हमारे बारे में बहुत कुछ कह देता है। विशेषकर स्वभाव,चरित्र और व्यक्तित्व की कसौटी हैं हमारी आंखें। हम किसी के बारे में यदि कुछ जानना चाहें तो बहुत कुछ सामने वाले की दृष्टि देखकर जान सकते हैं।

चेहरे पर निगाहें

जिस व्यक्ति की दृष्टि बातचीत करते वक्त सामने वाले व्यक्ति के मुख मंडल पर विचरण करती रहती है वह व्यक्ति सामने वाले की मन स्थिति को चेहरा पढ़कर समझने की कोशिश करता है। इस श्रेणी के व्यक्ति सज्जन,स्नेही,उदार,दयावान तथा विनम्र स्वभाव के निष्कपट होते हैं।

सिर पर निगाहें

जो व्यक्ति अपने सामने वाले व्यक्ति से बातचीत के क्रम में अपनी निगाहें उसके सिर पर करते हुए ऊपर देखते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से ऐसे व्यक्ति अपनी निगाहें नीची करके बातचीत करने में अपना अपमान समझते हैं इस प्रकार की दृष्टि वाले व्यक्ति अभिमानी,दम्भी,पाखंडी तथा मध्यम श्रेणी के होते हैं।

सीने पर निगाहें

जो व्यक्ति अपने सामने वाले व्यक्ति के वक्ष स्थल पर,सीने पर निगाहें केंद्रित करके बातचीत करते हैं ऐसे व्यक्ति संकोचशील व शर्मीले स्वभाव के होते हैं। ऐसे व्यक्ति कभी आंख से आंख मिलाकर बातचीत नहीं कर सकते। ये प्रायः अच्छे चरित्र व स्वभाव वाले होते हैं।

नीचे निगाहें

जो बातचीत करते समय अपनी दृष्टि नीचे की ओर रखते हैं वे पापात्मा,अपराधी,गुनाहगार,नीच चरित्र वाले होते हैं। अगर इनकी बातचीत करते समय दृष्टि पैर पर केंद्रित है तो समझना चाहिए कि वे अपनी गलती के लिए मन ही मन क्षमा मांग रहे हैं। जिनकी दृष्टि देखते समय या बातचीत के समय अपने सामने वाले व्यक्ति के कटिप्रदेश पर केंद्रित होती है। वे व्यक्ति कलुषित भावना, पाशविक,यौन जिज्ञासु तथा भ्रष्ट चरित्र वाले होते हैं जिनकी गणना अधम व्यक्तियों में की जाती है।

कैसे मिलेगा मोक्ष...?

जीवन, मरण, लोक, परलोक, स्वर्ग और नरक आदि गूढ़ विषय यदि सद्साहित्य और विज्ञान में तलाशें तो इनके लिए कोई समान सार्वत्रिक नियम नहीं है, लेकिन प्रत्येक जीव की स्व कर्मानुसार विभिन्न गति होती है, यही कर्मविपाक का सर्वतंत्र सिद्धांत है। सार यह निकलता है कि जीव कर्मानुसार स्वर्ग और नरक आदि लोकों को भोगकर पुनरपि मृत्युलोक में जन्म धारण करे और प्राणी जीवत्व भाव से छूटकर जन्म मरण के प्रपंच से सदा के लिए उन्मुक्त हो जाए।

आत्मा के बारे में साधारणतया माना जाता है कि वह शरीर के हर हिस्से और रेशे रेशे में रहती है। यानी जहां भी संवेदना होता है, वहीं उसकी उपस्थिति महसूस की जाती है। इस मान्यता को यथार्थ और तथ्य की कसौटी पर कसें तो बाल और नाखून जैसे हिस्सों में उसका वास नहीं होना चाहिए। लेकिन शास्त्रों की मानें तो आत्मा मूलतः मस्तिष्क में निवास करती है। योग की भाषा में उस केंद्र को सहस्रार चक्र या ब्रह्मरंध्र कहते हैं। अब विज्ञान भी इस बात की पुष्टि करने लगा है। विज्ञान के अनुसार मृत्यु के बाद आत्मा या चेतना शरीर के उस भाग से निकल कर बाहरी जगत में फैल जाती है। शास्त्र की भाषा में दूसरे लोकों की यात्रा पर निकल जाती है। मृत्यु का करीब से अनुभव करने वाले या मृत करार दिए गए किंतु फिर जी उठे लोगों के अनुभवों के आधार पर यह सिद्धांत काफी चर्चा में है। विज्ञान के अनुसार शरीर की तंत्रिका प्रणाली से व्याप्त क्वांटम जब अपनी जगह छोड़ने लगता है तो मृत्यु जैसा अनुभव होता है। इस सिद्धांत या निष्कर्ष का आधार यह है मस्तिष्क में क्वांटम कंप्यूटर के लिए चेतना एक प्रोग्राम की तरह काम करती है। यह चेतना मृत्यु के बाद भी ब्रह्मांड में परिव्याप्त रहती है। एरिजोना विश्वविद्यालय में एनेस्थिसियोलॉजी एवं मनोविज्ञान विभाग ने इस सिद्धांत को आगे बढ़ाया है। प्रयोग और शोध अध्ययनों के अनुसार आत्मा का मूल स्थान मस्तिष्क की कोशिकाओं के अंदर बने ढांचों में होता है जिसे माइक्रोट्यूबुल्स कहते हैं। वैज्ञानिकों ने इस सिद्धांत को आर्वेक्स्ट्रेड ऑब्जेक्टिव रिडक्शन (आर्च-ओर) का नाम दिया है। इस सिद्धांत के अनुसार हमारी आत्मा मस्तिष्क में न्यूरॉन के बीच होने वाले संबंध से कहीं व्यापक है।

इस तरह रहती है आत्मा

दरअसल, आत्मा निर्माण उन्हीं तंतुओं से हुआ जिससे ब्रह्मांड बना था। यह आत्मा काल के जन्म से ही व्याप्त थी। इस निष्कर्ष के बाद भारतीय दर्शन या योग अध्यात्म की इस मान्यता को काफी बल मिला है कि चेतना या आत्मा विश्व ब्रह्मांड का ही एक अभिन्न अंग है। शरीर में उसकी एक किरण या स्फुल्लिंग मात्र रहता है। मृत्यु जैसे पट परिवर्तन में माइक्रोट्यूबुल्स अपनी क्वांटम अवस्था गंवा देते हैं, लेकिन इसके अंदर के अनुभव नष्ट नहीं होते। आत्मा केवल शरीर छोड़ती है और ब्रह्मांड में विलीन हो जाती है। हृदय काम करना बंद हो जाता है, रक्त का प्रवाह रुक जाता है, माइक्रोट्यूबुल्स अपनी क्वांटम अवस्था गंवा देते हैं, लेकिन वहां मौजूद क्वांटम सूचनाएं नष्ट नहीं होतीं।वे व्यापक ब्रह्मांड में वितरित एवं विलीन हो जाती हैं। यदि रोगी ठीक नहीं हो पाता और उसकी मृत्यु हो जाती है तो क्वांटम सूचना शरीर के बाहर व्याप्त है। धर्म परंपरा इस अनुभव को स्मृति और संस्कार के साथ शरीर के बाहर रहने और उपयुक्त स्थितियों का इंतजार करना बताते हैं। दूसरे शब्दों में आत्मा पुनर्जन्म की तैयारी करने लगती है।

स्व कर्मानुसार गति

जीवन, मरण, लोक, परलोक, स्वर्ग और नरक आदि गूढ़ विषय यदि सद्साहित्य में तलाशें तो इनके लिए कोई समान सार्वत्रिक नियम नहीं है, लेकिन प्रत्येक जीव की स्व कर्मानुसार विभिन्न गति होती है, यही कर्मविपाक का सर्वतंत्र सिद्धांत है। सार यह निकलता है जीव कि कर्मानुसार स्वर्ग और नरक आदि लोकों को भोगकर पुनरपि मृत्युलोक में जन्म धारण करे और दूसरे जिसमें प्राणी जीवत्व भाव से छूटकर जन्म मरण के प्रपंच से सदा के लिए उन्मुक्त हो जाए। वेदादि शास्त्रों में उक्त दोनों गतियों को कई नामों से जाना गया है। श्रीमद् भगवद् गीता के अनुसार देव, मनुष्य आदि प्राणियों की मृत्यु के अनन्तर दो गतियां होती है। इस जंगम जगत के प्राणियों की अग्नि, ज्योति, दिन, शुक्ल पक्ष और उत्तरायण से उपलक्षित अपुनरावृत्ति-फलक प्रथम गति तथा धूम, रात्रि, कृष्णपक्ष और दक्षिणायन से उपलक्षित पुनरावृत्ति-फलक दूसरी गति अनादि काल से चली आ रही है। इसमें दूसरे मार्ग से प्रयाण करने वाला प्राणी कर्मानुसार पुनः पुनः जन्म मरण के वक्र चक्र में पड़कर आ-ब्रह्मलोक परिभ्रमण करता रहता है, लेकिन प्रथम मार्ग से प्रयाण करने वाला जीव सूर्यमंडल भेदन करके सर्वदा के लिए जन्म और मरण के बंधन से छूट जाता है, अर्थात् मोक्ष को प्राप्त हो जाता है।

मोक्ष को लेकर मतभेद

मोक्ष के अर्थ के लिए साधारण सी भाषा में प्राय: कह दिया जाता है कि छुट्टी मिल गई, मुक्ति हो गई, पीछा छूटा, झंझटो से दूर हुए, ब्रह्म में लीन हो गए, सांसारिक बंधनों से छुटकारा मिल गया, जन्म-जन्मान्तर के चक्कर से मुक्ति मिल गई आदि। दार्शनिक विचारकों में मोक्ष के विषय में मतभेद है, चार्वाक् के अनुसार देहनाश अर्थात् शरीर का अन्त ही मोक्ष है। शून्यवाद बौद्ध आत्मा के उच्छेद को मोक्ष मानते हैं। अन्य बौद्ध निर्मल ज्ञान की उत्पत्ति को मोक्ष कहते हैं। जैन दर्शन के अनुसार कर्म से उत्पन्न आवरण के नाश से जीव का निरन्तर ऊपर उठना ही मोक्ष है। वैशिषिक का मत है कि आत्मा के समस्त विशेष गुणों का अभाव होना ही मोक्ष है। नैर्यायिक कहते हैं कि 21 प्रकार के दु:खों यानी 6 ज्ञानेन्द्रिय, उनसे उत्पन्न 6 ज्ञान, उनमें 6 विषय, सुख-दुख और शरीर की आत्यन्तिक निवृत्ति मोक्ष है। मीमासंको के अनुसार विहित वैदिक कर्म के द्वारा स्वर्ग को प्राप्त करना ही मोक्ष है। सांख्य दर्शन का मत है कि प्रकृति जब पूर्णतया उपरत हो जाए तब पुरुष का अपने स्वरूप में स्थित होना मोक्ष है, योग दर्शनकार के अनुसार चित्शक्ति का निरूपाधिक रूप से अपने आप में स्थित होना मोक्ष है रामानुज सम्प्रदाय में ईश्वर के गुणों की प्राप्ति के साथ ईश्वर के स्वरूप का अनुभव होना मोक्ष है। माहवमत में दु:ख से मिले पूर्ण सुख की प्राप्ति ही मोक्ष है। मोक्ष अवस्था में जीव को ईश्वर के तीन गुण यानी सृष्टि कर्तव्य, लक्ष्मीपतित्व और श्रीवत्स की प्राप्ति को छोड़कर सब कुछ प्राप्त होता है। पाशुमत दर्शन में परमेश्वर बन जाना, शैव, दर्शन में शिव हो जाना और प्रत्यमिज्ञा दर्शन में पूर्ण आत्मा की प्राप्ति को मोक्ष कहा गया है। रसेश्वर दर्शन में रस के सेवन से देह का स्थिर हो जाना और जीते जी मुक्त होना मोक्ष है। वैयाकरणों का कहना है कि मूलाधार चक्र में स्थित परा नामक ब्रह्मरूपणी वाक् का दर्शन कर लेना ही मोक्ष है। अद्वैत वेदान्तों में मूल दर्शन कर लेना ही मोक्ष है। अद्वैत वेदान्त में मूल ज्ञान के नष्ट हो जाने पर अपने स्वरूप की अनुभूति अर्थात् आत्म साक्षात्कार ही मोक्ष है।

मोक्ष प्राप्ति के साधन

वाणी का संयम: मौन अर्थात् इन्द्रियजीत होकर वाणी का संयम कर ले। वाणी का प्रयोग कभी सांसारिक कार्यों में न करें। ब्रह्मचर्य व्रत अर्थात् ब्रह्मचर्य का विधिवत् पालन करें। श्रुति कहती है कि केवल ब्रह्मचर्य व्रत से ही जीव की मुक्ति हो जाती है। शास्त्र श्रवण निरंतर करते रहें और श्रवण के बाद उसका सतत् मनन और निदिध्यासन चलता रहे तो भी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

अहं को मिटा दें: तप अर्थात् तपस्या से अहं मिटता है, तपस्या की उत्तरोत्तर वृद्धि से ब्राह्मी स्थिति को जीव प्राप्त होता है अर्थात् बह्म में लीन हो जाता है। अध्ययन अर्थात् बुद्धि का व्यायाम। निरन्तर शास्त्र अध्ययन और तद्नुसार उसका चिन्तन-मनन जीव को ब्रह्मावगामिनी बनाता है। भगवद् गीता के अनुसार भी बुद्धि के समीप ही तो ब्रह्म है।

स्वधर्म पालन: स्वधर्म पालन अर्थात् जिस वर्ण के हों, जिस मत के हों, जिस आश्रम आदि के हों, धर्म का पालन करते रहें- यह भी मोक्ष का मार्ग है। शास्त्रों की व्याख्या अर्थात् शास्त्रों की प्रबल युक्तियों द्वारा युक्तियुक्त व्याख्या करें। यह भी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। व्याख्या करते समय बुद्धि अत्यन्त सूक्ष्म हो जाती है और ब्रह्म तो सूक्ष्माति सूक्ष्म है। स्थूल बुद्धि वाले तो स्थूल शरीर ही पा सकते हैं।

एकांतवास: एकांतवास अर्थात् संसारी कोलाहल और चकाचौंध से दूर। एकान्तवास का अर्थ अपने दायित्वों से भागकर पर्वत, जंगल, आश्रम आदि में भाग जाना कदापि नहीं है। जप अर्थात् निरंतर नाम मंत्र जप वाला भी मोक्ष को प्राप्त होता है। मंत्र जाप की महिमा का इससे बड़ा कोई उदाहरण हो ही नहीं सकता, जो शिव जी ने पार्वती जी से कहा- हे वराननें पार्वती मैं तीन बार प्रतिज्ञा करके कहता हूं कि केवल जप मात्र से ही इष्ट कार्य की सिद्धि हो जाती है। अब यह बात निर्भर करती है अपने-अपने बुद्धि और विवेक पर कि व्यक्ति को भौतिक सुखों की चाह है या इससे विमुख होकर पारलौकिक सुखों की।

समाधि से भी मुक्ति: समाधि भी मुक्ति का एक निमित्त बताया है। शास्त्रकारों के अनुसार आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और अन्तत: समाधि यह छह योग हैं। इनमें प्रथम तीन तो बाह्य साधना और अन्तिम तीन-धारणा, ध्यान और समाधि आंतरिक साधन कहलाते हैं। समाधि से मन एकाग्र होता है परंतु साथ में मन निर्मल होना परम आवश्यक है, नहीं तो पुन: जीव भौतिक वाद में पहुंच जाएगा। जब शरीर में मल न रहकर निर्मल बन जाए, मन में विक्षेप न होकर बिना विक्षेप के बन जाए और बुद्धि का आवरण हटकर निरावरण बन जाए तो समाधि से मोक्ष की अवस्था प्राप्त हो जाती है।

कई मर्ज की दवा है देसी गुलाब

भारत में गुलाब की बहुत सी प्रजातियां पाई जाती हैं। जिनमें से देसी गुलाब बहुत ही लाभदायक फूल है। यह केवल गुलाबी और लाल रंग की मनमोहिनी खुशबु में पाया जाता है। सर्दी का मौसम आते ही गुलाब का पौधा प्रत्येक घर की शोभा बढ़ाता है क्योंकि गर्मी की अपेक्षा यह सर्दी के मौसम में जल्दी बढ़ता है। इनकी जितनी देखभाल की जाए उतना ही यह महकेंगे। देसी गुलाब की कलमें सितम्बर के अंत में लगाई जाती है जो अक्टूबर माह में तैयार हो जाती है। मौसम ठंडा होते ही इनकी कलमों को लगाया जा सकता है। इनको लगाने के लिए मिट्टी में गोबर की खाद का प्रयोग सबसे बेहतर विकल्प है। गुलाब सौंदर्य प्रसाधन के रूप में तो लाभदायक होता ही है, साथ ही सेहत का भी खजाना है।

गुलाब के अन्य फायदे

- आंखों में जलन हो रही हो तो गुलाब जल से आंखों में छिट्टे मारें।
- सिर दर्द में गुलाब का तेल लगाने से राहत मिलती है।
- गुलाब का इत्र लगाने से बदन महक उठता है।
- गुलाब के फूलों में भरपूर मात्रा में रेशे पाए जाते हैं इसलिए यह कब्ज नाशक होता है। पुराने से पुराना कब्ज जड़ से खत्म करने के लिए 4 मुनक्के, आधा चम्मच सौंफ और 250 ग्राम गुलाब की पत्तियां 1 गिलास पानी डालकर उबाल लें। जब पानी आधा रह जाए तो इसे सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडा करके पीएं।
- 2 चम्मच गुलकंद रात को सोते समय गर्म दूध के साथ खाने से कब्ज में आराम मिलता है।
- मुंह में छाले हो गए हो तो गुलकंद वाला पान खाने से राहत मिलती है।
- गुलाब की पंखुड़ियों से उबटन बना कर चेहरे पर लगाने से निखार आता है।
- मुंह की बदबू को दूर करने के लिए कुछ भी खाने के उपरांत थोड़ा सा गुलकंद खाएं।
- सर्दी के मौसम में होंठ सुखने लगते हैं अथवा फट जाते हैं। गुलाब की पत्तियों को पीसकर उसके रस को ग्लिसरीन में मिला कर लगाने से होंठ लाल, नरम और चमकदार हो जाते हैं।
- चेचक के रोगी के बिस्तर पर गुलाब की पंखुड़ियां का सूखा चूर्ण डालने से दानों के जख्म ठंडक पा कर सूख जाते हैं।
- टीवी के रोगी को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियों का सेवन करना चाहिए।
- पायरिया के रोगियों को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियां चबानी चाहिए। इससे रोग में लाभ के साथ-साथ दांत मजबूत होते हैं।

सरकारी शिक्षिका बीना केदावत

दो स्कूलों की जिम्मेदारी, वंचित बच्चों के सपनों को दे रहीं उड़ान

भीख मांगने और कचरा बीनने वाले बच्चों को छुट्टी के दिन पढ़ाती हैं, 400 से अधिक शैक्षणिक वीडियो बनाकर शिक्षा को बनाया रोचक

सरकारी विद्यालय की शिक्षिका होने के बावजूद बीना केदावत की संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकार उन्हें आम शिक्षकों से अलग पहचान दिलाते हैं। अपने नियमित विद्यालय की जिम्मेदारियों के साथ-साथ वह अपने आसपास भीख मांगने और कचरा बीनने वाले बच्चों को भी छुट्टी के दिन समय मिलते ही पढ़ाना नहीं भूलतीं। वहीं, वह रचनात्मकता के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। बच्चों को पढ़ाने के लिए वह केवल बने-बनाए ढर्रे का प्रयोग नहीं करतीं, बल्कि स्वयं ज्ञानवर्धक एवं शैक्षणिक वीडियो तैयार कर खेल-खेल में बच्चों को शिक्षा से जोड़ती हैं।

ये हैं बीना केदावत, जो राजस्थान के कोटा जिले की अरंडखेड़ा पंचायत स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका हैं। सरकारी विद्यालय में अपनी जिम्मेदारियां निभाने के साथ ही वह अपने जीवन के एक-एक पल का सदुपयोग करते हुए होनहार एवं वंचित बच्चों के भविष्य को सुरक्षित और संवारने में जुटी हुई हैं।

तंबोला से पढ़ाती हैं संख्या और शब्द

बच्चों की पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए बीना केदावत निरंतर नए-नए और नवाचारी तरीके अपनाती हैं। तंबोला के माध्यम से संख्या और शब्दों को पढ़ाने का उनका तरीका बच्चों को इतना आकर्षित करता है कि कोई बच्चा विद्यालय आने में आनाकानी न करे। वहीं, लौकी, आलू जैसी सब्जियों पर मजेदार लघु वीडियो और रील बनाकर बच्चों को दिखाती हैं, ताकि हर बच्चा रुचि और शौक से सब्जियां खाने के लिए प्रेरित हो।

यही कारण है कि उनके बनाए नवाचारी शैक्षणिक विचार आज राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग को भी प्रेरित कर रहे हैं। बीना अब तक शिक्षा, जल संरक्षण, बाल अधिकार, बाल सुरक्षा, प्लास्टिक मुक्त समाज और बेटी बचाओ जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर 400 से अधिक शैक्षणिक वीडियो बना चुकी हैं।

12 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय

पिछले 12 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी बीना केदावत अपने वंचित बच्चों के विद्यालय में भी इन्हीं नवाचारी विचारों के माध्यम से शिक्षा प्रदान करती हैं। वह विभिन्न बस्तियों में रहने वाले बच्चों को आगे की पढ़ाई से जोड़ने के लिए कोटा के सरकारी विद्यालयों में उनका प्रवेश भी करवाती हैं।

बीना बताती हैं कि अपने इन दो स्कूलों की जिम्मेदारी निभाने के अलावा उन्होंने अंत्योदय फाउंडेशन के सहयोग से अब तक कोटा जिले के 92 सरकारी विद्यालयों में खिलौना बैंक स्थापित करवाए हैं। इसके साथ ही ग्रीन सोल फाउंडेशन के सहयोग से सरकारी विद्यालयों के लगभग 14 हजार बच्चों के बीच 29 हजार 222 पुनर्चक्रित विद्यालय बैग, मैट और चप्पलों का वितरण करवाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बाल संरक्षण से लेकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तक सेवा

बीना केदावत बाल संरक्षण कार्यकर्ता के रूप में भी सक्रिय हैं और बच्चों को गुड टच और बैड टच अर्थात अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में प्रशिक्षण देकर जागरूक करती हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अनेक जिम्मेदारियों को निभाने के साथ ही वह समाज की विधवा और बेसहारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें सिलाई मशीनें उपलब्ध कराने का कार्य भी कर रही हैं।

80 लाख रुपये से अधिक का सामाजिक सहयोग पहुंचाया

बीना के प्रयासों और विभिन्न फाउंडेशनों के सहयोग से अब तक 80 लाख रुपये से अधिक का सामाजिक सहयोग बच्चों और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाया जा चुका है। शिक्षा, बाल कल्याण, महिला सशक्तीकरण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान ने अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है।

उनके इन उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अनेक सम्मान भी प्राप्त हो चुके हैं। इनमें राजस्थान सरकार द्वारा दिया गया शिक्षक सितारे सम्मान, प्रधानमंत्री संग्रहालय का कमला पावर वूमन अवॉर्ड, नारी शक्ति सम्मान और अहिल्याबाई होलकर सम्मान प्रमुख हैं।

हालांकि, बीना केदावत का मानना है कि किसी भी पुरस्कार या सम्मान से बड़ा वास्तविक सम्मान वह होता है, जब किसी बच्चे की जिंदगी शिक्षा से बदलती है, कोई वंचित बच्चा स्कूल की दहलीज तक पहुंचता है या किसी जरूरतमंद परिवार के जीवन में उनके प्रयासों से सकारात्मक परिवर्तन आता है।

अपने दो विद्यालयों, हजारों बच्चों और समाज के जरूरतमंद वर्गों के प्रति जिम्मेदारी निभा रहीं बीना केदावत आज शिक्षा के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सेवा की भी एक प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई हैं।

-स्वाती जैन
हैदराबाद

क्या आप जानते हो

...36 साल चलेगा सैमसंग का बल्ब

घर के कुछ काम सिर्फ पुरुषों के जिम्मे माने जाते हैं। इनमें से एक है फ्यूज बल्ब को हटाकर नया बल्ब लगाना। लेकिन सैमसंग की नई टेक्नोलॉजी से फ्यूज बल्ब बदलने की प्रक्रिया जिंदगी में सिर्फ एक बार ही करनी पड़ेगी! सैमसंग ने एलईडी बल्बों की नई श्रृंखला जारी की है, जो 40,000 घंटे तक जलेंगे। यानी परंपरागत बल्ब की तुलना में इनका जीवन 40 गुना ज्यादा होगा। यह अवधि लगभग 36 साल बैठती है।

क्या है खास

सैमसंग ने अपनी डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर बल्ब तैयार किए हैं। इसीलिए इसे सामान्य बल्ब नहीं कह सकते हैं। इसे एलईडी, चिप्स और ड्राइवर्स से तैयार किया है। इस बल्ब की रोशनी आंखों को सुकून देने वाली है। इससे पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता और कम बिजली की खपत के कारण यह पैसा भी बचाएंगे।

कीमत है ज्यादा

इन तमाम खूबियों के बावजूद एक बड़ी खामी इनकी ज्यादा कीमत के रूप में सामने है। इस श्रृंखला का बेसिक बल्ब 19 डॉलर यानी लगभग 994 रुपए का है, जबकि आकार में बड़े और ज्यादा रोशनी देने वाले बल्ब 70 डॉलर (3,665 रुपए) तक मिलेंगे।

कहां हैं उपलब्ध

सैमसंग ने फिलहाल अपने एलईडी बल्ब अमेरिकी बाजार में पेश किए हैं। कंपनी का इरादा इन्हें दुनिया के अन्य बाजार में प्रस्तुत करने का है।

यह इंसान है या फ्लाइंग मशीन!

आपने विमान को हवा में कलाबाजियां दिखाते तो कई बार देखा होगा लेकिन एक इंसान है जो खुद जेटसूट पहनकर हवा में उड़ता है। जी हां, स्विस एअरफोर्स में 17 साल तक फाइटर जेट उड़ाने का अनुभव रखने वाले स्विस पायलट वायवेस रोसी 'जेटमैन' के नाम से मशहूर हैं।

हाल ही में रोसी ने एक खतरनाक स्टंट किया है, जिसमें उन्होंने जेट इंजन से बने पंखों वाला सूट पहनकर आल्पस पर्वत के ऊपर उड़ने का कारनामा दिखाया। इसमें उनके साथ ही दो जेट विमान भी उड़ रहे थे। 52 वर्षीय रोसी ऐसे पहले इंसान हैं जो जेट इंजन से बने सूट पहनकर हवा में स्टंट करते हैं। रोसी के मुताबिक उनका सपना है कि वे इसी तरह उड़कर सारी दुनिया देखें और सारी दुनिया उन्हें।

क्या खास है इस जेट सूट में: करीब 55 किलो वजनी रोसी के जेट सूट की खासियत यह है कि इसे उन्होंने खुद बनाया है। इसके पंखों की चौड़ाई 2.4 मीटर है और इसमें 4 इंजन लगाए गए हैं, जो इसे 200 किमी. प्रतिघंटा से भी ज्यादा की गति देने में मदद करते हैं। इस सूट को बनाने में उन्हें 10 साल से ज्यादा का समय लगा और इसके लिए उन्होंने करीब 15 से ज्यादा नमूने तैयार किए।

ऐसे बनाया सूट: रोसी ने कार्बन-फाइबर के पंखों वाले सूट का खाका तैयार किया। इसमें उन्होंने जर्मन कंपनी जेट-केट के चार जेट-केटपी200 इंजन लगाए हैं। यह इंजन ऑटोमैटिक स्टार्ट होता है। इसमें ईंधन के लिए वे केरोसिन में ल्यूब्रिकेशन के तौर पर 5 प्रतिशत टर्बाइन ऑइल का उपयोग करते हैं। इसकी ईंधन क्षमता 30 लीटर है।

क्या है खास

- 1993 से जेट सूट बनाना शुरू किया
- 2005 में मिली सफलता
- 5 मिनट 40 सेकंड तक पहली बार उड़े हवा में

पहले भी कर चुके हैं स्टंट

रोसी इससे पहले भी हवा में कलाबाजियां दिखा चुके हैं। पहली बार वे नवंबर 2006 में करीब 5 मिनट 4क् सेकंड तक हवा में उड़े थे। 2008 में इंग्लिश चैनल पार किया । इसके अलावा वे ग्रैंड कैनयन के ऊपर 8 मिनट तक जबकि इंग्लिश चैनल के ऊपर 13 मिनट तक उड़ने का करतब भी दिखा चुके हैं।

मंगोलियाई लोककथा: गिलहरी की दोस्ती

मंगोलिया के जंगल में भालू और गिलहरी में गहरी दोस्ती थी। दोनों सभी काम, यहां तक कि शिकार भी एक साथ करते थे। भालू अपने साथ-साथ गिलहरी के लिए भी खाना लाता था। गिलहरी को खाने के लिए जो मिलता, उसमें से वह आधा भालू को दे देती थी।

जंगल में रहने वाले लोमड़ को दोनों की दोस्ती फूटी आंख नहीं भाती थी। उसने मन ही मन दोनों की दोस्ती में फूट डालने की ठान ली। एक दिन मौका पाकर लोमड़ ने गिलहरी से कहा, 'क्यों बहन, तुम्हारे दोस्त भालू के क्या हालचाल हैं?' गिलहरी खुश होकर अपनी और भालू की बातें करने लगी। भालू की तारीफ सुनकर लोमड़ गुस्से से तिलमिलाने लगा। वह सब के साथ चालाकी करता था, सबको धोखा देता था, इसलिए कोई उसका दोस्त बनना पसंद ही नहीं करता था। लोमड़ बोला, 'बहन, तुम बहुत भोली हो। तुम नहीं जानती कि भालू तुम्हें बेवकूफ बनाता रहता है?'

'मुझे बेवकूफबनाता है..'

गिलहरी ने पूछा- 'वह कैसे?'

लोमड़- 'भालू जब शिकार लाता है तब खाने से पहले उसे साफ कौन करता है?'

'सफाई तो भालू करता है', गिलहरी ने जवाब दिया।

'क्या तुम जानती हो कि वह ऐसा क्यों करता है। वह सारा बढ़िया माल पहले अपने आप खा लेता है, बचा-खुचा तुम्हें दे देता है। बढ़िया खाना खा-खा कर वह मोटा होता जा रहा है, तुम छोटी की छोटी हो', लोमड़ ने लम्बी सांस ली- 'वैसे मुझे इस बात से क्या लेना देना? जानता हूं कि यह बात बताने का कोई फायदा नहीं..'

लोमड़ गिलहरी के मन में शक का बीज बोकर चलता बना। गिलहरी सोचने लगी- 'लोमड़ कहीं ठीक ही तो नहीं कह रहा था। मैं तो भालू को अपना दोस्त समझती हूं और हो सकता है कि वह मुझे बुद्धू बना रहा हो।' अगले दिन भालू ने गिलहरी के साथ जंगल में फल इकट्ठे किए, उन्हें साफ किया और खाने लगा। गिलहरी से भी खाने के लिए कहा, लेकिन गिलहरी ने बेर नहीं खाए। भालू हैरान था। गिलहरी सोच रही थी- 'शायद लोमड़ सच कह रहा था।'

थोड़ी दूर जाने पर भालू को मधुमक्खियों का छत्ता दिखाई दिया। भालू ने उसे खोला, मुंह डालकर भरपेट शहद खाया। शहद खाने के बाद मूछें साफ करते हुए उसने गिलहरी को शहद खाने के लिए बुलाया। गिलहरी देख रही थी कि भालू ने पहले ही सब खा लिया था। उसको लोमड़ की बात पर पूरी तरह विश्वास हो गया था। 'कोई बात नहीं, भालू को अब मैं सबक सिखाऊंगी।' दूसरे दिन भालू और गिलहरी दोनों शिकार करने गए। भालू के हाथ में एक बकरी की टांग आ गई, वह उसे पकड़कर खींचने लगा। तभी उसको महसूस हुआ कि उसके सिर पर कोई चीज रेंग रही थी। वास्तव में वह गिलहरी थी। गिलहरी ने भालू के सिर पर चढ़कर शिकार को पहले खाने का फैसला कर लिया था। भालू यह सब नही जानता था। बकरी उसके हाथ से निकलकर भाग गई। बेचारा भालू।

आगे भालू को खरगोश दिखा। उसे पकड़ने के लिए वह दबे पांव उसकी तरफबढ़ा। इस बार तो गिलहरी ने हद ही कर दी। वह भालू की आंखों के सामने फुर्ती से उसके सिर पर चढ़कर बैठ गई। भालू भूत समझकर डर से थर-थर कांपने लगा। खरगोश भी झाड़ियों में जा छिपा। गिलहरी ने भालू से बात भी करनी बंद कर दी। उसका पेट ही कितना था? कुछ भी खाकर पेट भर लेती। भालू शिकार पर अकेला जाने लगा था, लेकिन गिलहरी पीछे से जाकर उसको परेशान करना नहीं भूलती। एक दिन भालू को नन्हा सूअर दिखाई दिया। कई दिनों से भालू कोई शिकार नहीं कर पाया था। फल-फूल से उसका पेट कहां भरता। उसे जोर से भूख लगी थी। सूअर को पकड़ने के लिए छलांग लगाई। गिलहरी भी देख रही थी। वह भी उछलकर भालू के सिर पर चढ़कर बैठ गई। भालू सूअर को हाथ से निकल जाने देना नहीं चाहता था। वह गुर्राया- 'तुम मुझसे बचकर भाग नहीं सकते।' वह सूअर को पकड़ने के लिए तेजी से भागा।

भालू को अपनी पीठ पर फिर से कोई चीज चलती हुई महसूस हुई। गिलहरी तो उसको दिखाई नहीं दे रही थी। उसने गुस्से में अपना एक पंजा ज़ोर से पीठ पर दे मारा। पांचों नाखून गिलहरी के सिर से पूंछ तक चुभ गए थे। गिलहरी दर्द से तड़प उठी। भालू कहीं पहचान न ले इसलिए मुश्किल से कराहने की आवाज रोकी। जल्दी ही भालू ने अपना पंजा पीठ पर से हटा लिया। नाखून बाहर निकलते ही गिलहरी भाग खड़ी हुई। दर्द से बेचैन होकर एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर कूदने लगी। भालू ने दौड़कर सूअर पकड़ लिया।

सूअर ने शिकार से भालू खुश था। कई दिनों के बाद भर-पेट खाना मिला था। हमेशा की तरह भालू ने गिलहरी को आवाज लगाई। गिलहरी नहीं आई। वह तो भालू को अपना दुश्मन समझने लगी थी। बहुत देर तक इंतजार करने के बाद भालू अकेला वापिस लौट गया। गिलहरी पेड़ों के बीच छिपी बैठी थी। उसकी पीठ पर भालू के नाखूनों से बने जख्म ठीक हो गए थे, लेकिन वे काली धारियों में बदल गए थे। आज भी ये काली धारियां गिलहरी को दोस्त को धोखा देने की याद दिलाती हैं। लोमड़ की तरह अब उसका भी कोई दोस्त नहीं था। पेड़ों पर अकेली घूमती रहती। उसने मांस खाना भी छोड़ दिया। भालू को देखकर वह पेड़ों के बीच छिप जाती है।

भालू और और गिलहरी की दोस्ती को दुश्मनी में बदलवाने के कारण लोमड़ आज भी अपनी चालाकियों के लिए बदनाम है।

सोने सी नगरी और रेत का समंदर

स्वर्ण नगरी के नाम से मशहूर जैसलमेर के राजा-महाराजाओं की कहानी इतिहास की किताबों में अब तक पढ रखी थी। राजस्थान के दूसरे सबसे बडे शहर की यात्रा का जब कार्यक्रम बना तो मन कितना रोमांचित था इसे शब्दों में नहीं बयान किया जा सकता। नई दिल्ली से चली ट्रेन जोधपुर सुबह साढे पांच बजे पहुंची। जैसे ही हम उतरने के लिए डिब्बे के दरवाजे पर पहुंचे तो देखा एक स्वामी जी भी हमारे साथ उतर रहे हैं। उनका स्वागत गुलाब के फूलों से किया जा रहा था। साथ में ढोलक और मंजीरे के साथ भक्ति गीत गाए जा रहे थे। उसी दौरान उनके भक्तगणों को लगा कि मैं और मेरे दो साथी भी उनके साथ है तो उन्होंने हम पर भी फूल बरसाने शुरू कर दिए। बाबा थोडी देर के लिए विस्मित हो गए। उन्होंने आंखों ही आंखों में अपने चेले को इशारा किया कि हम उनके साथ नहीं हैं। बस फिर क्या था बाबा के भक्तों ने फूलों का रुख मोड दिया। उनके आंखों के इशारों को देखकर हम अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे थे। खैर बाबा की आवभगत ने हमारा मूड काफी अच्छा कर दिया। हमने कल्पना भी नहीं कि थी कि अनजाने में ही सही हमारा स्वागत इतनी गर्मजोशी से होगा। स्टेशन से निकलते ही आभास हो गया था कि हम कला, संस्कृति और सभ्यता में रमे शहर में पहुंच गए हैं। आपको बताते चले कि जैसलमेर घूमने के लिए अक्टूबर से मार्च तक का समय सबसे बेहतर है।

जोधपुर से जैसलमेर का रास्ता करीब चार घंटे का था। कार का सफर था सो रास्ते के नजारे लेते जा रहे थे। रास्ते में पोखरण में रुक कर नाश्ता किया, जहां देश का पहला और दूसरा परमाणु परीक्षण किया गया था। वहां से आगे चलने पर मीलों तक छावनी थी। गोलियां चलने की आवाज दूर से आ रही थी, लेकिन गाडी न रोकने के सख्त निर्देश थे। पाकिस्तान की सीमा जुडी होने के कारण वहां पर सेना की आवाजाही काफी है। फिर हम शहर से करीब 15 किमी दूर सूर्या रिजॉर्ट पहुंचे। कहने को यह रिजॉर्ट है, लेकिन उसकी बनावट और नक्काशी देखकर एक बार भ्रम हुआ कि महल को ही रिजॉर्ट में बदल दिया गया है। वहां एक घंटे आराम करने के बाद हम सबने तय किया कि यहां का पारंपरिक भोजन ही खाएंगे। पापड की सब्जी, दाल बाटी चूरमा, कैर-सांगरी और धुएं का कबाब खाकर आनंद आ गया। इसके बाद हमने रेगिस्तान में ऊंट की सवारी की योजना बनाई। हम सम सैंड ड्यूंस यानी रेत के टीले देखने पहुंचे।

रेत के टीलों का यह अथाह सागर राजस्थान का असल अहसास कराता है। सूर्यास्त के समय यहां काफी खूबसूरत नजारा होता है। वहां बबलू, शाहरुख, अक्षय, माइकल जैक्सन पर सवारी करने के लिए लोग आतुर नजर आ रहे थे। दरअसल, यह ऊंटों के नाम थे, जो उन्हें उनके मालिकों ने दिए थे। ऊंट की सवारी यादगार अनुभव थी। ऊंट की सवारी के बाद हमने रेत पर चलने का भी आनंद लिया। वहां पर कई विदेशी सैलानी भी आए थे। उन्होंने वहां रहने और खाने की व्यवस्था कर रखी थी। उनके साथ थोडा नाचने-गाने के बाद हम होटल लौट आए। अगले दिन सुबह आठ बजे हम गडीसर तालाब पहुंचे। इसे राजा रावल गडसी सिंह ने 1340 में बनवाया था। 1965 से पहले यह जैसलमेरवासियों का प्रमुख पेयजल स्रोत भी था। यहां पर फिल्म सरफरोश, हम दिल दे चुके सनम, ढाई आखर प्रेम का जैसे कई मशहूर फिल्मों की शूटिंग की गई थी। झील केकिनारे कुछ मंदिर और एक गेट बना है। फिर पुराने शहर में बनी ऐतिहासिक हवेलियों को देखने के लिए हम भूल-भुलैया जैसी गलियों में पहुंचे। गाइड के मार्गदर्शन में बढते हुए हमने भी पटवों की हवेली, सलीम सिंह की हवेली और नाथमल की हवेली देखी। ये हवेलियां करीब 300 साल पुरानी हैं। इन हवेलियां में सबसे भव्य पटवों की हवेली है। 1805 में बनी यह हवेली 7 छोटी हवेलियों का समूह है। इन हवेलियों का अद्भुत वास्तुशिल्प वास्तव में दर्शनीय है। इन हवेलियों की खासियत यह है कि गर्मियों में ठंडी और जाडे में गर्म रहती हैं। इन्हें बनाने में सीमेंट-गारा का इस्तेमाल बिल्कुल भी नहीं किया गया है। गलियों में घूमते हुए दुकानों पर सजे हस्तशिल्प, मूर्तियां और परिधान भी आकर्षित कर लेते हैं। जैसलमेर की अर्थव्यवस्था काफी हद तक पर्यटन पर निर्भर है। कुछ देर बाद हम यहां के प्रसिद्ध सोनार किले में पहुंचे। त्रिकूट पहाडी पर बना यह किला लगभग 800 वर्ष पुराना है। इसकी खासियत यह है कि इसकेअंदर एक नगर सा बसा है। राजाओं ने यह किला केवल अपने लिए नहीं बल्कि पूरी प्रजा की सुरक्षा को ध्यान में रख कर बनाया था। किले के भीतरी भाग में बने रंग महल, बादल महल, गज महल, मोती महल, सर्वोत्तम विलास और जवाहर विलास देखने लायक हैं। इनकेअतिरिक्त किले के परिसर में आठ जैन मंदिर और चार वैष्णव मंदिर भी हैं। यहां घूमते हुए लगता है जैसे मध्य युग के किसी शहर में आ गए हों।

यहां से निकलने के बाद हमने फिर राजस्थानी खाने का लुत्फ उठाया। फिर हम बडा बाग पहुंचे। बाग में यहां के शासकों ने अपने पूर्वजों की याद में स्मारक बनवाए थे। ये स्मारक छतरी कहलाते हैं। इनमें सबसे पुरानी महाराजा जैत सिंह की छतरी है। यहां पर फिल्म हम दिल दे चुके सनम का वह दृश्य फिल्माया गया था जिसमें सलमान खान ऐश्वर्या राय के साथ फेरे लेते हैं। रुदाली और कच्चे धागे की शूटिंग भी यहां की गई थी। यहां की यादें समेटे हम होटल लौट आए।

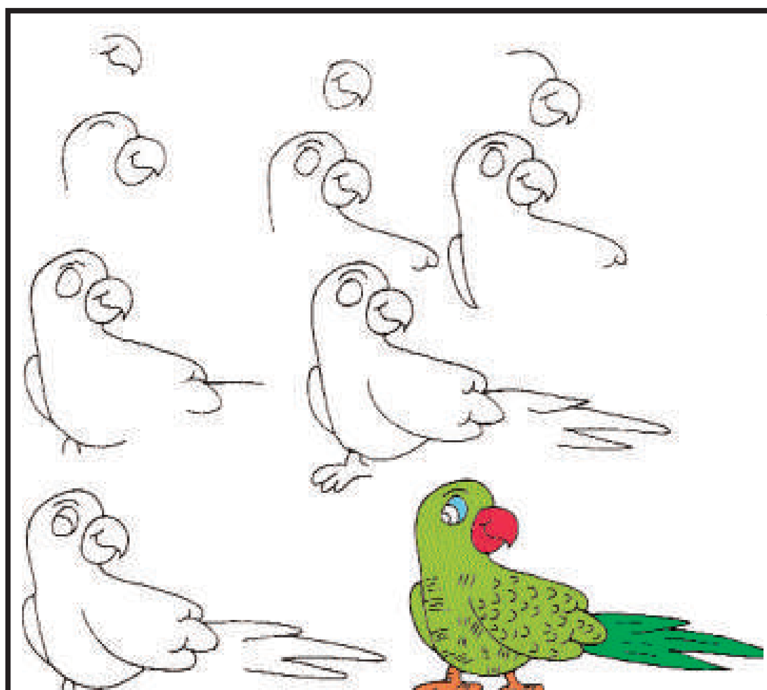

अगर आप कुशल और बुद्धिमान हैं तो यहां दिए गए तोते को बनाए

हाथियों के लिए बजाया पियानो

ताज्जुब भले लगे, लेकिन कुछ लोग आज भी जानवरों की सेवा के प्रति समर्पित हैं। ब्रिटेन के एक आदमी ने अंधे हाथियों की सेवा करने का बीड़ा उठाया है। यह पियानो वादक अंधे हाथियों के सामने काफी देर तक पियानो बजाकर उनका मनोरंजन करता है।

उसका कहना है कि वह लोगों के बीच अंधे हाथियों के विषय में जागरूकता फैलाना चाहता है। इसीलिए वह इन हाथियों के सामने पियानो बजाता है। यह आदमी पिछले 15 वर्षों से अपनी पत्नी के साथ थाइलैंड में रहकर अंधे हाथियों के प्रति लोगों के बीच जागरूकता फैलाने का काम कर रहा है।

जिज्ञासा

सौर व विंड एनर्जी से पावर लेगी बैट्री

स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक ऐसी बैट्री का निर्माण कर रहे हैं जो सोलर तथा विंड एनर्जी द्वारा पैदा की गई अतिरिक्त पावर को स्टोर करेगी। नेचर जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक यह सब संभव हो पाया है एक खास इलेक्ट्रोड से।

एक टेस्ट में पाया गया कि इस इलेक्ट्रोड से 40 हजार बार चार्ज और डिस्चार्ज होने के बाद भी इसमें सामान्य ऊर्जा से 80 प्रतिशत ज्यादा ऊर्जा शेष बची थी। जबकि बहुत बेहतर मानी जाने वाली लीथियम आयन बैट्री चार्ज और डिस्चार्ज की प्रक्रिया सिर्फ400 बार ही पूरी कर पाती है।

शोध में शामिल कोलिन वेसल्स के मुताबिक विद्युत ग्रिड के उपयोग से इस इलेक्ट्रोड का जीवन 30 साल का हो जाएगा। यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर यी सुई के मुताबिक किसी बैट्री का हजार से भी ज्यादा बार चार्ज हो जाना और कभी फेल ना होना एक बहुत महत्वपूर्ण खोज है ।

बगुले जैसे स्टॉर्क

इस बार हम आपको पानी तथा पानी के आस पास पाए जाने वाले पक्षियों में स्टॉर्क परिवार के पक्षियों से मिलवाते हैं। ये ऊपरी तौर पर बड़े अंजन से मिलते-जुलते होते हैं। इनकी टांगे लम्बी और टांगो का निचला भाग कुछ बाल रहित खुला होता है। गर्दन लम्बी और भारी और आगे को पतली पड़ती नुकीली चोंच होती हैं। उड़ते हुए ये अंजनो से बिल्कुल अलग पहचाने जा सकते हैं। इनकी गर्दन आगे को खिची रहती है, जबकि बगुलो की गर्दन अंग्रेजी अक्षर 'एस' के आकार में चपटी और मुड़ी होती है। सारसो के स्वर पेशियां नहीं होतीं, इसलिए ये आमतौर पर चुप ही रहते है। ये सिर्फ कभी किसी मौके पर गले से हल्की घुरघुराहट की सी आवाज निकालते हैं।

भारत मे इस स्टॉर्क परिवार की जो सबसे अधिक आम और आकर्षक प्रजाति पाई जाती है, वह है जंगहिल दांख कंकारी- ये लगभग गिद्ध के आकार का और सिर तक लगभग साढे तीन फुट ऊंचा होता है। इसके पर सफेद होते हैं, जिनपर ऊपर की तरफ चमकदार हरापन लिए काले रंग के निशान और पट्टियां पड़ी होती हैं और छाती पर काली पेटी-सी बनी होती है। अंगेजी मे इसे पेंटेड स्टॉर्क कहते है। इसका कारण यह है कि इसकी पूंछ के पास मुलायम हल्के गुलाबी रंग के पर (असली नहीं ऊपरी) होते है। मुंह कुछ चिकना पीला होता है और उसपर बाल नहीं होते तथा चोंच पीली तथा भारी नोंक पर कुछ मुड़ी होती है। ये झीलों और दलदलों के पास छोटे-मोटे दलों या बडे झुंडों मे पाए जाते हैं। ये और स्टॉर्क के साथ सारा दिन या तो कूबड़ निकाले चुपचाप खड़े रहते है या दलदली भूमि या उथले पानी में मछलियां और मेंढक ढूंढ़ते बड़े धैर्य के साथ घूमते रहते है।

मछलियां और मेंढक उसका खास भोजन है। खाने को ये पानी के कीड़े, केकड़े और घोंघे भी खाते हैं। जंगहिल खाना ढूंढ़ने के लिए उथले पानी में घुस जाता है, फिर गर्दन झुकाए चोंच खोले और कुछ भाग पानी में डुबाए धीरे-धीरे चलता रहता है। चोंच को या तो कुछ पाने की आशा में बिल्कुल निश्चल रखता है या एक टांग उठाए हुए इधर-उधर बाजुओं की ओट घुमाता रहता है। टांग को इस तरह घुमाकर वह पानी को चलाता है और शिकार को हांक कर खुले जबड़ों की ओर ले आता है। कभी-कभी टांग चलाने के साथ ही वह उसी ओर का पंख भी फड़फड़ाता है, इस प्रकार उसकी छाया भी पानी में पड़ती है इससे शिकार और जल्दी उधर की ओर आ जाता है। जंगहिल पानी में या उसके पास स्थित पेड़ों पर निस्संकोच होकर बैठते और बसेरा करते हैं।

सुमेरपुर में खुली स्पार्टन क्रिकेट एकेडमी, रवि बिश्नोई ने युवाओं को दिए सफलता के टिप्स

पाली

सुमेरपुर-शिवगंज क्षेत्र के युवा क्रिकेटरों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अब उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक सुविधाओं के लिए जोधपुर या जयपुर का रुख नहीं करना पड़ेगा। भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रवि बिश्नोई ने सुमेरपुर में स्पार्टन क्रिकेट एकेडमी का शुभारंभ किया है। एकेडमी में अंतरराष्ट्रीय स्तर के टर्फ विकेट और आधुनिक कोचिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इससे क्षेत्र की प्रतिभाओं को अपने घर के पास ही बेहतर प्रशिक्षण मिलने के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर मिल सकेगा। सुमेरपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिकेट को लेकर युवाओं में लंबे समय से खासा उत्साह रहा है, लेकिन बेहतर बुनियादी ढांचे की कमी उनके सामने बड़ी चुनौती थी। क्षेत्र में न तो बड़ी निजी क्रिकेट एकेडमी थी और न ही ऐसा सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम, जहां खिलाड़ी नियमित रूप से पेशेवर प्रशिक्षण ले सकें।

इसके चलते प्रतिभावान खिलाड़ियों को पाली, जोधपुर और जयपुर जाना पड़ता था। इससे समय और पैसे का खर्च बढ़ता था और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के कई खिलाड़ी दूरी के कारण अपना क्रिकेट करियर भी छोड़ देते थे।

सुमेरपुर की गायत्री कालोनी में स्थित स्पार्टन क्रिकेट एकेडमी की नई शाखा का विधिवत शुभारंभ मार्च 2026 में किया गया था। इसके बाद यहां सुविधाओं का विस्तार किया गया है। खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए उच्च गुणवत्ता वाले टर्फ विकेट तैयार किए गए हैं। अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

इसके अलावा खिलाड़ियों की फिटनेस और शारीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। एक विशेष कार्यक्रम के दौरान रवि बिश्नोई ने एकेडमी पहुंचकर युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने नेट अभ्यास के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखा और उन्हें खेल की बारीकियों से जुड़े सुझाव दिए। खिलाड़ियों ने बिश्नोई के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और आटोग्राफ भी लिए। रवि बिश्नोई ने कहा कि राजस्थान के छोटे शहरों और कस्बों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत सिर्फ सही मार्गदर्शन और अवसर देने की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एकेडमी के जरिए युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

नीरज चोपड़ा का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर

लुसाने। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने लुसाने डायमंड लीग में सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया, लेकिन वह खिताब जीतने से महज नौ सेंटीमीटर से चूक गए। श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 88.14 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर उतरे नीरज ने पहले प्रयास में 83.54 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद दूसरे प्रयास में उन्होंने 88.05 मीटर की दूरी तय कर सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरे दौर के बाद नीरज शीर्ष पर चल रहे थे। नीरज का यह पिछले साल जून में पेरिस डायमंड लीग के बाद पहला 88 मीटर से अधिक का थ्रो भी रहा। हालांकि, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पथिरागे ने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर का थ्रो कर नीरज को पीछे छोड़ दिया। दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन में महज नौ सेंटीमीटर का अंतर रहा, लेकिन यह अंतर पथिरागे के लिए खिताब जीतने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। यह इस साल डायमंड लीग में पथिरागे की तीसरी जीत है।

आर्यवीर सहवाग: जब पिता की आक्रामकता बेटे के बल्ले से गूँजी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग के मंच पर एक युवा बल्लेबाज ने जिस निडरता और आक्रामकता के

साथ बैकफुट पर गेंद को बाउंड्री के पार भेजा, उसने क्रिकेट प्रेमियों को लगभग दो दशक पहले के उस स्वर्णिम युग की याद दिला दी, जब वीरेंद्र सहवाग दुनिया के सबसे खूंखार गेंदबाजों के लिए एक दु:स्वप्न बनकर उभरे थे। अरुण जेटली स्टेडियम का नजारा बिल्कुल वैसा ही था, जहां गेंद को उसकी दिशा दिखाने और गेंदबाजों के पसीने छुड़ाने का वह साहसिक अंदाज फिर से जीवंत हो उठा। यह मौका था टूर्नामेंट के 35वें मुकाबले का, जहां वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने अपनी नई टीम वेस्ट दिल्ली लायंस की तरफ से मैदान पर कदम रखा। न्यू दिल्ली टाइगर्स के खिलाफ खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में, आर्यवीर सहवाग ने अपनी पहली ही पारी से यह स्पष्ट कर दिया कि क्रिकेट की आक्रामकता उनके खून में दौड़ रही है। उन्होंने महज 14 गेंदों का सामना करते हुए चार करारे चौकों की मदद से 22 रन बनाए। भले ही यह पारी लंबी न रही हो, लेकिन क्रीज पर बिताए चंद मिनटों में ही उन्होंने अपनी निर्भीक शैली और शानदार टाइमिंग से दर्शकों और क्रिकेट विशेषज्ञों का दिल जीत लिया। उनकी बाडी लैंग्वेज और बल्लेबाजी में पिता वीरेंद्र सहवाग की स्पष्ट छाप झलक रही थी, जो हर क्रिकेट प्रेमी के लिए एक सुखद अनुभव था।

हाकी वर्ल्ड कप:भारत के सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम, अब आस्ट्रेलिया के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन नीदरलैंड्स के खिलाफ महिला हाकी विश्व कप के दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय टीम को 0–2 से हार का सामना करना पड़ा। इस नतीजे से भारतीय खेमे को झटका जरूर लगा है, लेकिन कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई वाली टीम के लिए सेमीफाइनल के दरवाजे अभी पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। पूल–ई के समीकरण ऐसे हैं कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत और अनुकूल परिणाम भारत को अंतिम चार में पहुंचा सकते हैं। दूसरे दौर के पूल–ई में चार टीमें शामिल हैं और शीर्ष दो टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। नीदरलैंड्स अपने दोनों मुकाबले जीतकर छह अंकों के साथ शीर्ष पर है। उसका गोल अंतर भी प्लस चार है। चीन ने दोनों मैच ड्रा खेले हैं और दो अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत और आस्ट्रेलिया के खाते में एक–एक अंक है। दोनों टीमों का गोल अंतर माइनस दो है, लेकिन आस्ट्रेलिया ने तीन गोल किए हैं, जबकि भारत के नाम दो गोल हैं। इसी बेहतर स्कोरिंग रिकार्ड के कारण आस्ट्रेलिया तीसरे और भारत चौथे स्थान पर है। अब भारत को अपने अंतिम मुकाबले में आस्ट्रेलिया को हराना ही होगा। जीत के साथ भारतीय टीम के चार अंक हो जाएंगे और सेमीफाइनल की उम्मीद मजबूत हो जाएगी। ड्रा की स्थिति में भारत के केवल दो अंक होंगे।

कोलंबो में भी बारिश का खतरा, भारत-श्रीलंका दूसरे टेस्ट के पांचों दिन खेल में पड़ सकता है खलल

कोलंबो। गाले के बाद अब कोलंबो में भी भारत और श्रीलंका के बीच होने वाले दूसरे टेस्ट मैच पर बारिश का साया मंडरा रहा है। दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट शृंखला का दूसरा और अंतिम मुकाबला रविवार, 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहली क्रिकेट क्लब मैदान पर खेला जाएगा। हालांकि, मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस मुकाबले के पांचों दिन बारिश खेल में बाधा डाल सकती है।

पहले दिन 64, दूसरे दिन 96 प्रतिशत बारिश की आशंका

गाले टेस्ट में भी बारिश ने खेल को काफी प्रभावित किया था। पहले दो दिनों में केवल 116 ओवर का ही खेल हो सका था और इसके बाद भी बीच–बीच में बारिश का सिलसिला जारी रहा। हालांकि, बारिश के व्यवधान के बावजूद भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच के अंतिम दिन दूसरे सत्र में मुकाबला अपने नाम कर लिया था। एक्यूवेदर की रिपोर्ट के अनुसार, कोलंबो में दूसरे टेस्ट मैच के पांचों दिन बारिश होने की संभावना जताई गई है। टेस्ट के पहले दिन बारिश होने की संभावना 64 प्रतिशत है और सुबह व दिन के समय बारिश की आशंका अधिक है। मुकाबले के दूसरे दिन बारिश की संभावना सबसे अधिक 96 प्रतिशत बताई गई है, जबकि तीसरे दिन 91 प्रतिशत बारिश की आशंका है। चौथे दिन भी बारिश खेल का मजा किरकिरा कर सकती है, वहीं टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन भी 91 प्रतिशत बारिश की संभावना जताई गई है।

गाले में भारत ने 165 रन से दर्ज की थी शानदार जीत

भारतीय टीम दो मैचों की टेस्ट शृंखला में 1–0 से आगे चल रही है। गाले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 165 रनों से शिकस्त दी थी। भारत की ओर से बल्लेबाजी में देवदत्त पडिक्कल ने 167 रनों की दमदार पारी खेली थी, जबकि केएल राहुल ने 82 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया था। ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारियां खेलकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

मानव सुथार की घातक गेंदबाजी, श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने टेके घुटने

गेंदबाजी में मानव सुथार का जादू खूब चला था। उन्होंने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट चटकाकर श्रीलंकाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी थी। भारतीय स्पिनरों के सामने श्रीलंका के बल्लेबाज आसानी से घुटने टेकते नजर आए। चौथी पारी में 372 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम 202 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी।

भारत का पलड़ा भारी, लेकिन कोलंबो में रिकॉर्ड मिला–जुला

भारत और श्रीलंका के बीच अब तक 47 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। इनमें भारतीय टीम ने 23 मुकाबलों में जीत दर्ज की है, जबकि श्रीलंका ने 7 टेस्ट मैचों में बाजी मारी है। दोनों टीमों के बीच 17 टेस्ट मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।

वहीं, कोलंबो के सिंहली क्रिकेट क्लब मैदान पर भारतीय टीम का रिकॉर्ड मिला–जुला रहा है। इस मैदान पर भारत ने अब तक 9 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें 3 में जीत हासिल की, 2 में हार का सामना करना पड़ा, जबकि 4 मुकाबले ड्रॉ रहे।

अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या भारतीय टीम कोलंबो टेस्ट जीतकर शृंखला पर 2–0 से कब्जा करेगी या फिर बारिश एक बार फिर खेल का रुख बदलते हुए मुकाबले का मजा किरकिरा कर देगी।

फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी से भिड़ने पर मेसी पर लगा जुर्माना

मियामी

इंटर मियामी के स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी पर मेजर लीग साकर (एमएलएस) ने फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी क्विन सुलिवन के साथ मैदान पर हुई झड़प के मामले में अज्ञात राशि का जुर्माना लगाया है। मेसी के इंटर मियामी साथी इयान फ्रे पर भी जुर्माना लगाया गया है।

यह घटना मैच के अतिरिक्त समय के 11वें मिनट में हुई, जब मेसी गेंद के खेल में होने के दौरान क्विन सुलिवन का सामना करने के लिए सेंटर सर्किल की ओर पहुंचे। दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई, जिसके बाद मेसी ने सुलिवन की गर्दन के पीछे हाथ मारा।

एमएलएस की अनुशासन समिति ने कहा कि मेसी और फ्रे पर विपक्षी खिलाड़ी के चेहरे, सिर या गर्दन पर हाथ लगाने संबंधी लीग की नीति का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

सुलिवन के भाई का लाल कार्ड हुआ रद्द

घटना के दौरान मेसी और सुलिवन को रेफरी ने कोई कार्ड नहीं दिखाया। हालांकि, मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प में फिलाडेल्फिया के क्विन के छोटे भाई और टीम साथी कैवन सुलिवन तथा इंटर मियामी के मिडफील्डर यानिक ब्राइट को लाल कार्ड दिखाया गया।

बाद में स्वतंत्र समीक्षा पैनल ने सर्वसम्मति से कैवन सुलिवन के पक्ष में फैसला दिया और उनका लाल कार्ड रद्द कर दिया गया। इसके बाद वह फिलाडेल्फिया यूनियन के अगले मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे।

2-2 से ड्रा रहा मुकाबला

चेस्टर के सुबारू पार्क में खेला गया यह मुकाबला 2–2 से ड्रा रहा। मेसी ने 26वें मिनट में गोल कर इंटर मियामी के लिए अहम योगदान दिया।

सचिन तेंदुलकर के 4 बड़े वर्ल्ड रिकार्ड पर जो रूट की नजर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट लगातार रिकार्डों के मामले में सचिन तेंदुलकर के करीब पहुंचते जा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में रूट ने 66 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर की 68वीं फिफ्टी पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है। हालांकि, सचिन के नाम 119 फिफ्टी प्लस स्कोर का विश्व रिकार्ड भी दर्ज है, जिस पर अब रूट की नजर है। सचिन तेंदुलकर ने अपने 200 टेस्ट मैचों के करियर में 51 शतक और 68 अर्धशतक की मदद से कुल 119 बार 50 से अधिक रन बनाए। वहीं जो रूट 167 टेस्ट में 41 शतक और 68 अर्धशतक के साथ 109 फिफ्टी प्लस स्कोर बना चुके हैं। दोनों के बीच अब सिर्फ 10 ऐसे स्कोर का अंतर रह गया है। रूट जिस निरंतरता के साथ टेस्ट क्रिकेट में रन बना रहे हैं, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि वह आने वाले समय में सचिन का यह रिकार्ड भी चुनौती दे सकते हैं। रूट की नजर केवल 50 से अधिक रन बनाने के रिकार्ड पर ही नहीं है। वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने, सबसे ज्यादा शतक लगाने और सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने के मामले में भी सचिन के करीब पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शानदार जीत, आउटर दिल्ली वारियर्स को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली

गेंदबाजों और मध्यक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में आउटर दिल्ली वारियर्स को सात विकेट से हरा दिया। राइडर्स ने 135 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी आउटर दिल्ली वारियर्स की टीम 19.1 ओवर में 134 रन पर आलआउट हो गई। ईस्ट दिल्ली के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए। एक समय आउटर दिल्ली की टीम 68 रन पर सात विकेट गंवा चुकी थी।

हर्ष त्यागी ने 33 गेंदों पर 36 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला और पूरी टीम 134 रन पर सिमट गई।

ईस्ट दिल्ली की ओर से मयंक यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लिए। आशीष मीणा ने भी तीन विकेट हासिल किए और 25 रन दिए। सिमरजीत सिंह ने चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट झटके।

काव्या और वैभव ने दिलाई आसान जीत

135 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और टीम ने कुछ विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद काव्या गुप्ता और वैभव बैसला ने मोर्चा संभालते हुए पारी को मजबूती दी।

दोनों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 71 रन की साझेदारी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। काव्या गुप्ता 32 गेंदों पर 48 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि वैभव बैसला ने 23 गेंदों पर नाबाद 32 रन की पारी खेली।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से जीत दर्ज की। गेंदबाजों ने टीम की जीत की नींव रखी, जिसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाया।

स्टार्क का कहर, मैकाय टेस्ट के पहले दिन गिरे 18 विकेट; आस्ट्रेलिया को 101 रनों की बढ़त

मैकाय

आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच मैकाय में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और कुल 18 विकेट गिरे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क और शोरिफुल इस्लाम के शानदार छह–छह विकेट के प्रदर्शन ने मैच को रोमांचक बना दिया। आस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पहली पारी में महज 64 रन पर समेटने के बाद दिन का खेल खत्म होने तक आठ विकेट पर 165 रन बना लिए हैं और उसे 101 रनों की बढ़त हासिल है।

टास जीतकर आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मिशेल स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को गली में कैच कराकर अपना खाता खोला। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश के शीर्ष क्रम को तहस–नहस कर दिया। बांग्लादेश ने सात ओवर के भीतर 12 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे।

स्टार्क ने 22 गेंदों के भीतर पांच विकेट झटक लिए थे। मुशफिकुर रहीम ने कुछ देर उनका हैट्रिक लेने का मौका रोक दिया। मेहदी हसन मिराज और हसन महमूद ने पारी को कुछ समय संभाला और लंच तक बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 35 रन था।

लंच के बाद कमिंस ने दो और विकेट लिए, जबकि जोश हेजलवुड को भी एक सफलता मिली। इसके बाद स्टार्क ने निचले क्रम को समेटते हुए 10 ओवर में 12 रन देकर छह विकेट पूरे किए। इस प्रदर्शन के साथ वह टेस्ट क्रिकेट में 440 विकेट के आंकड़े तक पहुंच गए और डेल स्टेन के 439 विकेट के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया।

बांग्लादेश की पूरी टीम 34 ओवर में 64 रन पर सिमट गई। शोरिफुल इस्लाम 14 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। बांग्लादेश की यह टेस्ट क्रिकेट में चौथी सबसे कम पारी है।

स्मिथ-ग्रीन ने संभाली आस्ट्रेलिया की पारी

जवाब में आस्ट्रेलिया ने भी शुरुआती विकेट गंवाए। मैथ्यू रेनशा, ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने पारी को संभाला।

दोनों ने चौथे विकेट के लिए 108 गेंदों पर 77 रन जोड़े। स्मिथ 42 रन बनाकर आउट हुए। उनके आउट होते ही आस्ट्रेलियाई पारी बिखर गई।

शोरिफुल इस्लाम ने स्मिथ को 42 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट कर महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। इसके बाद एलेक्स कैरी 145 के स्कोर पर आउट हुए। आस्ट्रेलिया ने इसके बाद तीन रनों के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। शोरिफुल ने ब्यू वेबस्टर और पैट कमिंस को खाता खोले बिना आउट किया और फिर मिशेल स्टार्क को भी पवेलियन भेजकर छह विकेट पूरे किए।

ग्रीन ने संभाला मोर्चा

एक छोर पर कैमरन ग्रीन मजबूती से डटे रहे। उन्होंने मुश्किल पिच पर शानदार संयम दिखाते हुए नाबाद 51 रन बनाए। उनकी पारी की बदौलत आस्ट्रेलिया दिन का खेल समाप्त होने तक आठ विकेट पर 165 रन तक पहुंच सका।

संक्षिप्त स्कोर: बांग्लादेश 64 रन (शोरिफुल इस्लाम 14; मिशेल स्टार्क 6/12, पैट कमिंस 3/25) बनाम आस्ट्रेलिया 165/8 (कैमरन ग्रीन 51*, स्टीव स्मिथ 42; शोरिफुल इस्लाम 6/35)। आस्ट्रेलिया 101 रन आगे।

फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट को टीएचएससी कनेक्ट-2026 में तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार

प्रशिक्षण केंद्र संबद्धता, अल्पावधि प्रशिक्षण और प्रशिक्षक प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मिला सम्मान

नई दिल्ली, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विमानन, आतिथ्य एवं एयर होस्टेस प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रणी फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर होस्टेस ट्रेनिंग ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी स्किल काउंसिल (टीएचएससी) द्वारा आयोजित टीएचएससी कनेक्ट-2026 में संस्थान को तीन प्रतिष्ठित प्रशिक्षण साझेदार पुरस्कार प्रदान किए गए। 'द पावर ऑफ पार्टनरशिप्स' विषय पर आयोजित सम्मेलन 20 अगस्त को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में संपन्न हुआ।

फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट को सर्वाधिक प्रशिक्षण केंद्र संबद्धता, निजी वित्त पोषित अल्पावधि प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षक प्रशिक्षण में सर्वाधिक नामांकन श्रेणियों में सम्मानित किया गया। टीएचएससी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजन बहादुर ने उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में फ्रैंकफिन समूह के मुख्य परिचालन अधिकारी सुधीर मल्होत्रा को ये पुरस्कार प्रदान किए।

फ्रैंकफिन इससे पहले भी वर्ष 2017-18, 2018-19, 2021-22, 2022-23 और 2023-24 में पांच बार टीएचएससी का 'सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण साझेदार' पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। वर्ष 2022-23 में भी संस्थान को एक ही वर्ष में तीन पुरस्कार मिले थे।

वर्ष 1993 में स्थापित फ्रैंकफिन ने 2026 में अपने 33 वर्ष पूरे किए हैं। संस्थान के अनुसार, देशभर में उसके प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को विमानन, आतिथ्य, यात्रा एवं ग्राहक सेवा क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्थान ने एयर इंडिया के साथ भी साझेदारी की है, जिसके तहत विद्यार्थियों को केबिन सेवा से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है तथा पाठ्यक्रम पूरा करने पर सह-ब्रांडेड प्रमाणपत्र दिया जाता है। फ्रैंकफिन के प्रशिक्षण केंद्रों में कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, प्रोजेक्टर, श्रव्य-दृश्य शिक्षण सुविधाएं और आधुनिक कक्षाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों को विमानन, होटल एवं यात्रा उद्योग में इस्तेमाल होने वाली प्रमुख कम्प्यूटरीकृत आरक्षण प्रणालियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। संस्थान के अनुसार उसके सभी पाठ्यक्रम राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और पर्यटन एवं आतिथ्य कौशल परिषद (टीएचएससी) से संबद्ध हैं।

संस्थान के अनुसार, पिछले एक वर्ष में उसके 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों को विमानन, आतिथ्य, यात्रा एवं ग्राहक सेवा क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिले हैं। फ्रैंकफिन को लगातार कई वर्षों तक सर्वाधिक केबिन क्रू नियुक्तियों के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी स्थान मिला है। संस्थान के अनुसार, उसके किसी विद्यार्थी को मिला सर्वाधिक वेतन पैकेज 2.45 लाख रुपये प्रतिमाह है। फ्रैंकफिन लगातार 14 वर्षों तक एमिरेट्स समूह का एकमात्र भर्ती साझेदार भी रहा है।

फ्रैंकफिन को एसोचैम, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सहित विभिन्न उद्योग संगठनों से भी अनेक सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

इस उपलब्धि पर फ्रैंकफिन समूह के मुख्य परिचालन अधिकारी सुधीर मल्होत्रा ने कहा कि टीएचएससी से मिले तीनों पुरस्कार पूरे फ्रैंकफिन परिवार के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने कहा कि ये सम्मान छोटे शहरों और कस्बों के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण विमानन एवं आतिथ्य प्रशिक्षण पहुंचाने की संस्थान की प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हैं।

नामपल्ली पब्लिक गार्डन में राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान कार्यक्रम

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जरूरतमंद एवं राहगीरों को भोजन वितरित किया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना है। नियमित अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाना केवल सेवा कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

कार्यक्रम में मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया तथा संजय गोयल सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में भाग लेते हुए अन्न वितरण को सफल बनाया।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा हैदराबाद के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से अन्नदान एवं मानव सेवा के कार्य किए जा रहे हैं।

अपोलो अस्पताल में विश्व हैंड सर्जरी दिवस पर हैंड सर्जरी सर्वाइवर्स का सम्मान

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपोलो हॉस्पिटल्स, हैदराबाद ने विश्व हैंड सर्जरी दिवस के अवसर पर उन सर्वाइवर्स का सम्मान किया, जिनके जीवन को उन्नत हैंड और माइक्रोसर्जिकल प्रक्रियाओं के माध्यम से बदला गया। कार्यक्रम में समय पर हस्तक्षेप के महत्व पर जोर दिया गया, जिससे अंगों को बचाया जा सके और कार्यक्षमता बहाल की जा सके।

शनिवार को अपोलो हॉस्पिटल्स, जुबली हिल्स में आयोजित इस कार्यक्रम में हैंड सर्जरी सर्वाइवर्स, डॉक्टर और स्वास्थ्य पेशेवर शामिल हुए। मुख्य अतिथि शिवाम उपाध्याय, डीसीपी ट्रैफिक, फ्यूचर सिटी ने सर्वाइवर्स को सम्मानित किया और गंभीर चोटों पर विजय पाने तथा गतिशीलता वापस पाने के उनके साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना की। डॉ. गोपीनाथ बंडारी, कंसल्टेंट हैंड, रिस्ट और माइक्रोसर्जन ने कहा कि रीप्लांटेशन समय के खिलाफ दौड़ है, जिसमें विशेष विशेषज्ञता, उन्नत तकनीक और बहु-विषयक टीमों के बीच समन्वय जरूरी है। डॉ. बंदी साहित्या ने बताया कि माइक्रोसर्जिकल रीप्लांटेशन में सटीकता, विशेषज्ञता और तेज़ी महत्वपूर्ण है।

तेजस्वी राव वीरेपल्ली, सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स, तेलुगु स्टेट्स ने कहा कि हर सर्वाइवर साहस, लचीलेपन और आशा की कहानी है। एक सर्वाइवर ने कोहनी स्तर के विच्छेदन के बाद जटिल रीप्लांटेशन सर्जरी का अनुभव साझा किया, जिसके बाद उन्होंने प्रभावित अंग में गति और कार्यक्षमता वापस पाई।यह आयोजन अपोलो हॉस्पिटल्स हैदराबाद की विशेष हैंड केयर, माइक्रोसर्जिकल विशेषज्ञता और रोगी-केंद्रित उपचार के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में दो सफल सर्जरी

पेद्दापल्ली, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने दो सफल मूत्र रोग संबंधी सर्जरी कर चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इनमें लंबे समय से गुर्दे की पथरी के कारण पूरी तरह निष्क्रिय हो चुके एक गुर्दे को सफलतापूर्वक निकालने तथा दूसरी महिला मरीज का डी.जे. स्टेंट हटाने का ऑपरेशन शामिल है।पेद्दापल्ली जिले के चंदापल्ली गांव की 59 वर्षीय महिला पेशाब करते समय जलन की शिकायत के साथ पेद्दापल्ली जिला अस्पताल पहुंची थीं। चिकित्सकों द्वारा जांच किए जाने पर पता चला कि लंबे समय से गुर्दे में पथरी की समस्या के कारण उनका बायां गुर्दा पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका था।चिकित्सकों के अनुसार, निष्क्रिय गुर्दा शरीर में मौजूद रहने के कारण भविष्य में अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका थी। इसके मद्देनजर चिकित्सकों ने आज उनका बायां गुर्दा सफलतापूर्वक निकाल दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्वास्थ्य स्थिति फिलहाल स्थिर बताई गई है।

इसी दौरान पेद्दापल्ली जिले के निम्मनपल्ली गांव की 46 वर्षीय महिला का भी सफल ऑपरेशन किया गया। गुर्दे में पथरी की समस्या के कारण करीब एक माह पहले उनके शरीर में डी.जे. स्टेंट लगाया गया था। चिकित्सकों ने आज सफलतापूर्वक डी.जे. स्टेंट निकाल दिया।दोनों सफल ऑपरेशनों में मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संतोष रेड्डी, सामान्य शल्य चिकित्सक डॉ. साई प्रसाद, डॉ. रामू, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. भवानी, डॉ. स्वाति और डॉ. कृष्णावेनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।अस्पताल अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर ने दोनों सफल ऑपरेशनों में शामिल चिकित्सकीय टीम और ऑपरेशन थिएटर के कर्मचारियों को विशेष रूप से बधाई दी।जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ. श्रीधर ने अपने बयान में कहा कि पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में इस तरह की महत्वपूर्ण और अपेक्षाकृत दुर्लभ चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता से पेद्दापल्ली जिले के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के लोगों को भी लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सकीय टीम निरंतर प्रयासरत है।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि की चौथी देवदर्शन यात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न

बेंगलूरु, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, कर्नाटक-बैंगलोर की चौथी देवदर्शन यात्रा अध्यक्ष माया अग्रवाल के नेतृत्व में श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित की गई। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर कोटिलिंगेश्वर में सभी श्रद्धालुओं ने मिलकर 513 शिवलिंगों की स्थापना श्रद्धापूर्वक की। इस दौरान पूरा वातावरण भगवान शिव की भक्ति से सराबोर रहा।

दिव्य देवदर्शन यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने कोटिलिंगेश्वर मंदिर, सोमेश्वर मंदिर, कोलारम्मा मंदिर, नरसिंह तीर्थ श्रीपादराज मठ एवं भोगनंदीश्वर मंदिर के दर्शन किए। सभी सदस्यों ने विभिन्न मंदिरों में विधिवत पूजा-अर्चना कर आध्यात्मिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया।

गायिका स्वाति के मधुर भजनों ने यात्रा के दौरान वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भजन, ध्यान एवं वनभोज के साथ हाउजी, अंताक्षरी तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों ने यात्रा में आनंद और उमंग भर दी। धार्मिक आस्था के साथ मनोरंजन और आपसी मेल-मिलाप ने इस यात्रा को यादगार बना दिया।

इस धार्मिक आयोजन में सचिव शालिनी, सलाहकार मंजू अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया का विशेष सहयोग रहा। वहीं सह-उपाध्यक्ष निर्मला, लता, संयुक्त सचिव विनीता, सहायक सचिव पल्लवी, संयोजक नेहा उमेश, पूजा मदन एवं पारुल सहित समिति सदस्य आशा, ऋतु, पूजा, पिंकी, जया, हेमलता, सविता, अंजू, मधु सहित अन्य सदस्यों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

अध्यक्ष माया अग्रवाल ने कहा कि ऐसी यात्राओं का उद्देश्य केवल धार्मिक स्थलों के दर्शन करना ही नहीं, बल्कि सदस्यों के बीच प्रेम, सौहार्द और सामाजिक जुड़ाव को भी मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सामूहिक रूप से आयोजित ऐसे कार्यक्रम समाज में आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अचानक...

बारिश और कम धूप का सीधा असर गन्ने की फसल पर पड़ा और गन्ने में चीनी की मात्रा कम रह गई। इसका असर आगे चलकर चीनी के उत्पादन पर भी पड़ा।आंकड़े भी इस स्थिति की पुष्टि करते हैं। इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के कई अनुमान वास्तविक उत्पादन के मुकाबले गलत साबित हुए।

महाराष्ट्र से पहले करीब 130 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान लगाया गया था, लेकिन वास्तविक उत्पादन केवल 99.2 लाख टन रहा। इसी तरह कर्नाटक से कम से कम 63.5 लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद थी, लेकिन वास्तविक आंकड़ा केवल 47.2 लाख टन रहा। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से करीब 103.2 लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद थी, लेकिन वहां उत्पादन 89.7 लाख टन ही रहा।उत्तर प्रदेश में गन्ने की फसल को रेड रॉट बीमारी और टॉप शूट बोरर कीट से भी नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है। इसका सीधा असर गन्ने की पैदावार और चीनी उत्पादन पर पड़ा।

डर ने बढ़ाई खरीदारी, बाजार में बनी तेजी

जानकारों के अनुसार, केवल उत्पादन में कमी ही कीमत बढ़ने की वजह नहीं रही। अप्रैल-जून के बाद जुलाई में जब चीनी के दाम अचानक बढ़ने लगे तो बाजार में लोगों के खरीदारी व्यवहार में भी बदलाव आया।लोगों को आशंका होने लगी कि अगले वर्ष भी चीनी का उत्पादन कम हो सकता है। यही चिंता कारोबारियों के बीच भी बनी और उन्हें लगा कि वर्ष 2026-27 में गन्ने की पैदावार प्रभावित हो सकती है।इसके बाद एक तरह की श्रृंखला शुरू हो गई। ग्राहक भविष्य की कमी के डर से अधिक खरीदारी करने लगे, व्यापारियों ने भी ज्यादा स्टॉक रखना शुरू कर दिया और बड़ी कंपनियों ने भी अधिक मात्रा में चीनी खरीदनी शुरू कर दी। अगस्त में कुछ चीनी मिलों ने भी चीनी की बिक्री रोक दी, क्योंकि उन्हें आगे कीमतें और बढ़ने की आशंका थी।यानी स्थिति को सरल भाषा में समझें तो चीनी पहले से कम थी, आगे और कम होने का डर पैदा हुआ, इस डर से लोगों और कारोबारियों ने पहले से अधिक खरीदारी शुरू कर दी और इससे बाजार में चीनी की कीमतों में अचानक तेजी आ गई।

मक्का और चावल से भी बड़ी मात्रा में बना एथेनॉल

आंकड़ों के अनुसार, मक्के से करीब 288 करोड़ लीटर एथेनॉल बनाया गया। भारतीय खाद्य निगम के चावल से करीब 207.1 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन हुआ, जबकि टूटे या खराब अनाज से करीब 56.33 करोड़ लीटर एथेनॉल बनाया गया।

ऐसे में केवल यह कहना कि एथेनॉल नीति के कारण ही चीनी महंगी हुई है, पूरी तस्वीर को नहीं दर्शाता। एथेनॉल का उत्पादन गन्ने के अलावा कई अन्य अनाजों से भी किया जा रहा है।

जानकार हालांकि यह जरूर मानते हैं कि आने वाले दिनों में सरकार मिलों को गन्ने के रस और बी-हेवी शीरे से एथेनॉल बनाने से रोक सकती है। सरकार की प्राथमिकता भी यही है कि देश में चीनी की कमी न हो और घरेलू बाजार में इसकी उपलब्धता पर्याप्त बनी रहे।

कुल मिलाकर, चीनी की मौजूदा कीमतों में तेजी को केवल एथेनॉल नीति से जोड़ना सही नहीं होगा। कम चीनी उत्पादन, मौसम का असर, कम बचा हुआ पुराना स्टॉक, भविष्य में कमी की आशंका और बाजार में बढ़ी खरीदारीइन सभी कारणों ने मिलकर चीनी की कीमतों को प्रभावित किया है।

'वंदे मातरम्' से ...

उस प्रस्ताव में कहा गया था कि हम 'वंदे मातरम्' के सभी छह पद स्वीकार नहीं करेंगे, हम इसे बांटकर छोटा कर देंगे और सिर्फ़ दो पद ही गायेंगे।

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस कब तक देशभक्ति की आड़ में खुद को छिपाती रहेगी? आज कांग्रेस पार्टी से देशभक्ति का नक़ाब पूरी तरह उतर चुका है और पूरा देश उसमें तुष्टिकरण की राजनीति देख रहा है, लेकिन भाजपा ऐसा नहीं होने देगी। 'वंदे मातरम्' के मामले में कोई समझौता नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी ने खुद एक बंद कमरे की बैठक में कहा था कि कांग्रेस मुसलमानों की पार्टी है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप देश को इस तरह बांट दें।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् गाने की बात कही थी। इसका मकसद कभी भी हिंदुओं और मुसलमानों को बांटना नहीं था। भाजपा 'वंदे मातरम्' को भारत का राष्ट्रीय गीत, भारत माता के प्रति भक्ति का प्रतीक, स्वतंत्रता संग्राम का मंत्र और भारत की राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक मानती है।

कॉकरोच दिपके पर...

आरोप है कि दिपके और उनके सहयोगी बिना अनुमति स्कूल परिसर में प्रवेश कर गए, छात्रों के बीच बैठ गए और उनसे कई सवाल पूछे। शिकायत में कहा गया है कि इससे छात्रों की पढ़ाई और सरकारी कामकाज में बाधा पहुंची।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कॉकरोच जनता पार्टी के नेता ने इस दौरान वीडियो रिकॉर्डिंग भी की और उसे सोशल मीडिया पर साझा किया। शिकायत के मुताबिक, दिपके ने यह दावा कर स्कूल को बदनाम किया कि उनके दौरे के दौरान दूसरे स्कूल के छात्रों को लाकर कक्षाओं में बैठाया गया था।शिकायत में दिपके और उनके सहयोगियों पर शिक्षकों को निलंबित करवाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। हालांकि, मामले में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज

इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, 329(3), 351(2) और 356(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दिपके और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज इस मामले ने स्कूल ठीक करो अभियान को लेकर भी नई चर्चा छेड़ दी है। फिलहाल पुलिस सभी आरोपों और घटनाक्रम की जांच कर रही है।

राहुल ...

यही वजह है कि उनका मानना है कि भारत की महिलाएं देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि जब भी वह पुरुषों से बात करते हैं तो महिलाओं को अक्सर तीन भूमिकाओं में बांटकर देखा जाता हैबेटी, पत्नी या मां। उन्होंने कहा कि बेटी, पत्नी या मां के रूप में पहचान होने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन यही किसी महिला की एकमात्र पहचान नहीं हो सकती।राहुल गांधी ने कहा कि देश में कई प्रतिभाशाली महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों में शानदार काम कर रही हैं। वे पेशेवर हैं, खिलाड़ी हैं और कई तरह के काम करती हैं। ऐसे में उनकी पहचान केवल बेटी, पत्नी या मां तक सीमित नहीं की जा सकती।छात्रों की गूंज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जब उनसे पूछा जाता है कि भारत की सबसे बड़ी ताकत क्या है, तो कोई देश की अर्थव्यवस्था, सेना, स्वास्थ्य व्यवस्था या देश के लोगों को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताता है।लेकिन राहुल गांधी के अनुसार, भारत की सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ी संपत्ति देश की महिलाओं की 70 करोड़ अलग-अलग यात्राएं, कल्पनाएं और सपने हैं।उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वतंत्र होकर अपने फैसले लेने, अपने लिए खड़े होने और खुद पर विश्वास करने का अवसर मिलना चाहिए। उनके अनुसार, महिलाओं की स्वतंत्रता और उनकी क्षमताओं को पहचानना देश की प्रगति और मजबूती के लिए बेहद जरूरी है।

मालवाहक...

इससे पहले एक वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया था कि अधिकारियों को शुरुआत में यह स्पष्ट जानकारी नहीं थी कि कितने क्रू सदस्यों को बचाया गया है। बाद में भारतीय तटरक्षक बल ने पुष्टि की कि दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है।जहाज से संपर्क टूटने और उसके डूबने की सूचना मिलने के बाद भारतीय तटरक्षक बल और भारतीय नौसेना ने संयुक्त खोज एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया। आसपास मौजूद अन्य जहाजों को भी सतर्क किया गया है और लापता क्रू सदस्यों की तलाश में सहायता करने के लिए कहा गया है।बचाव अभियान का मुख्य उद्देश्य शेष क्रू सदस्यों का जल्द से जल्द पता लगाना और उनकी स्थिति की जानकारी हासिल करना है। समुद्र में बड़े पैमाने पर खोज अभियान चलाया जा रहा है।

डूबने की वजह अब तक स्पष्ट नहीं

तटरक्षक बल के अनुसार, एमवी ओशन विनर में कुल 24 क्रू सदस्य सवार थे। पारादीप से करीब 240 समुद्री मील दूर जहाज के डूबने के बाद तटरक्षक बल, नौसेना और आसपास मौजूद जहाज बचाव अभियान में जुटे हुए हैं।अब तक दो लोगों को सुरक्षित बचाया जा चुका है, जबकि बाकी 22 क्रू सदस्यों की तलाश जारी है। जहाज किन परिस्थितियों में डूबा और हादसे की वास्तविक वजह क्या रही, इसका अभी तक पता नहीं चल सका है। लापता लोगों की स्थिति और बचाव अभियान को लेकर आगे की जानकारी का इंतजार है।

मज़बूत...

यह संकरा गलियारा पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला प्रमुख जमीनी संपर्क मार्ग है।

रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण सिलीगुड़ी कॉरिडोर को देश की सुरक्षा व्यवस्था में बेहद संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में इस क्षेत्र में सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है।

अमित शाह ने चिकन नेक को बताया बेहद संवेदनशील क्षेत्र

अमित शाह ने शुक्रवार को सिलीगुड़ी में सशस्त्र सीमा बल के एक कार्यक्रम में कहा था कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर आठ राज्यों को जोड़ने वाले सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा था कि चिकन नेक क्षेत्र के आसपास तीन नए सैन्य ठिकानों वाला एक त्रिकोणीय सुरक्षा ग्रिड तैयार किया गया है। ये सैन्य ठिकाने असम के धुबरी, बिहार के किशनगंज और पश्चिम बंगाल के चोपड़ा में होंगे। सरकार की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे इन कदमों का उद्देश्य सिलीगुड़ी कॉरिडोर और पूर्वी सीमाओं की सुरक्षा को और प्रभावी बनाना तथा किसी भी संभावित चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना है।

भारत का...

दूसरी ओर, पाकिस्तान इसे एकतरफा और गैरकानूनी कदम बताता रहा है। अहसान इकबाल के बयान से यह स्पष्ट है कि इस्लामाबाद पानी की आपूर्ति को लेकर चिंतित है, क्योंकि पाकिस्तान की कृषि और अर्थव्यवस्था काफी हद तक सिंधु नदी प्रणाली पर निर्भर है।

दक्षिण एशिया में भारत की केंद्रीय भूमिका स्वीकार की

दूसरे महत्वपूर्ण बयान में अहसान इकबाल ने दक्षिण एशिया में भारत की भौगोलिक स्थिति और उसकी केंद्रीय भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के बिल्कुल केंद्र में स्थित है, जबकि अन्य देश इसके आसपास हैं। दक्षिण एशिया के प्रभावी ढंग से काम करने के लिए भारत की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। यह बयान इसलिए भी दिलचस्प माना जा रहा है क्योंकि पाकिस्तान अक्सर भारत को क्षेत्रीय सहयोग में बाधा बताता रहा है। हालांकि, इकबाल ने माना कि क्षेत्रीय स्थिरता और शांति के लिए भारत की भागीदारी आवश्यक है।दक्षिण एशिया में भारत का विशाल आकार, मजबूत अर्थव्यवस्था और महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थिति उसे स्वाभाविक रूप से क्षेत्र का केंद्र बनाती है। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान सहित दक्षिण एशिया के कई देश किसी न किसी रूप में भारत से भौगोलिक, आर्थिक अथवा रणनीतिक रूप से जुड़े हुए हैं।

एक तरफ आरोप, दूसरी तरफ भारत की अहमियत स्वीकार

अहसान इकबाल के दोनों बयानों को एक साथ देखें तो पाकिस्तान की एक विरोधाभासी स्थिति सामने आती है। एक ओर वह भारत पर पानी को हथियार बनाने का आरोप लगा रहा है, तो दूसरी ओर दक्षिण एशिया के सुचारु कामकाज और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भारत की भूमिका को अनिवार्य भी बता रहा है।सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता से अस्तित्व में आई थी। भारत का वर्तमान रुख है कि आतंकवाद के माहौल में सामान्य सहयोग संभव नहीं है। वहीं, पाकिस्तान भारत के इस कदम को बेहद गंभीर और युद्ध जैसी स्थिति पैदा करने वाला कदम बताता रहा है।

आतंकवाद और पानी के मुद्दे से बढ़ी अविश्वास की खाई

पानी का मुद्दा भारत और पाकिस्तान के बीच हमेशा से बेहद संवेदनशील रहा है, क्योंकि पाकिस्तान की अधिकांश कृषि सिंधु नदी प्रणाली से मिलने वाले पानी पर निर्भर है।दक्षिण एशिया की स्थिरता और विकास के लिए क्षेत्रीय सहयोग आवश्यक माना जाता है, लेकिन आतंकवाद और पानी जैसे संवेदनशील मुद्दे दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी को लगातार बढ़ाते रहे हैं। अहसान इकबाल के बयान से यह संकेत मिलता है कि पाकिस्तान भी दक्षिण एशिया में भारत की केंद्रीय भूमिका को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर सकता।भविष्य में भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत और तनाव, दोनों की स्थिति बनी रह सकती है। एक ओर पानी को हथियार बनाने के आरोप और दूसरी ओर क्षेत्रीय स्तर पर भारत के महत्व की स्वीकारोक्ति ने दक्षिण एशिया की राजनीति को और अधिक जटिल बना दिया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 23 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री संकट हरण महादेव की भव्य सवारी निकाली गई

ढोल-मंजीरों की गूंज से भक्तिमय हुआ माहौल, मातृशक्ति और बच्चों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बेगम बाजार क्षेत्र स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह मंदिर के प्रांगण से श्री संकट हरण महादेव की भव्य सवारी बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ निकाली गई। धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पिछले कई वर्षों से श्री संकट हरण महादेव के समस्त कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति, महिलाओं एवं छोटे-छोटे बालकों द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान सबसे मनमोहक दृश्य छोटे-छोटे बालकों द्वारा बड़े उत्साह और सुंदर तरीके से ढोल एवं मंजीरे बजाना रहा। बच्चों की इस उत्साहपूर्ण भागीदारी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। मातृशक्ति और बच्चों की इतनी उत्साहपूर्ण भागीदारी देखकर सनातन संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के प्रति नई पीढ़ी का जुड़ाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। आयोजन में बच्चों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने का यह प्रयास विशेष रूप से सराहनीय रहा।

आयोजकों ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का माध्यम भी हैं। श्रद्धालुओं ने प्रार्थना की कि श्री संकट हरण महादेव की कृपा सभी पर बनी रहे और यह धार्मिक परंपरा इसी प्रकार निरंतर आगे बढ़ती रहे तथा आने वाली पीढ़ियां भी श्रद्धा और उत्साह के साथ इसका निर्वहन करती रहें।

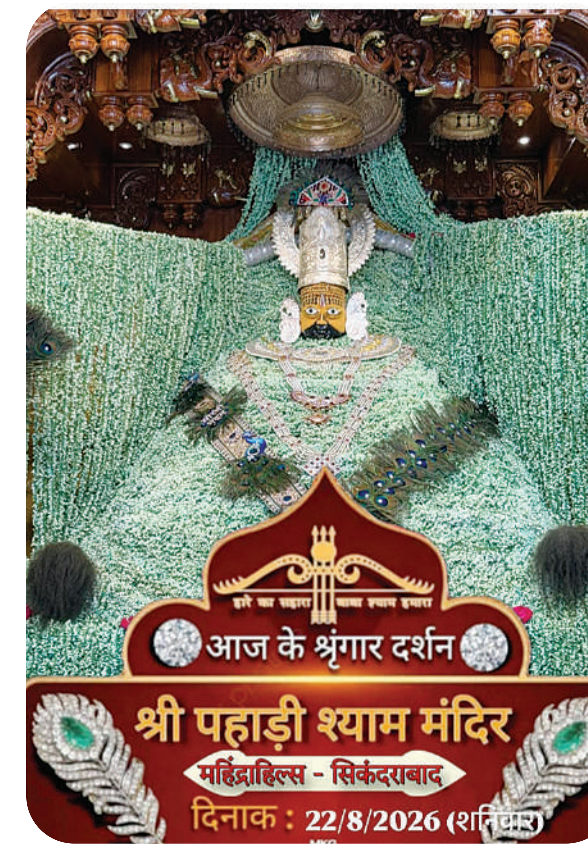

अग्रवाल समाज तेलंगाना का ऐतिहासिक आयोजन

नौ रात तक गूंजेगा डांडिया धमाल

11 से 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन रात 8 बजे से शमशाबाद के क्लासिक कन्वेंशन-3 में होगा भव्य आयोजन

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा इस वर्ष नवरात्रि पर्व के अवसर पर ऐतिहासिक रूप से लगातार नौ रात तक डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समाज की ओर से यह आयोजन 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन-3 में किया जाएगा।

केवल अग्रवाल समाज तेलंगाना के सदस्य ले सकेंगे भाग

समाज के मीडिया, प्रचार एवं प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस विशेष आयोजन में केवल अग्रवाल समाज तेलंगाना के सदस्य ही भाग ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि जो अग्रबंधु अभी तक समाज की सदस्यता ग्रहण नहीं कर पाए हैं, वे अग्रवाल समाज के कार्यालय राघवरत्ना टावर, चिराग अली में आधार कार्ड एवं फोटो के साथ पहुंचकर सदस्यता फॉर्म भर सकते हैं और समाज की सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं।

पहली बार नौ रात तक होगा डांडिया कार्यक्रम

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना की स्थापना से लेकर अब तक डांडिया कार्यक्रम सामान्यतः महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के अवसर पर एक दिन ही आयोजित किया जाता रहा है। लेकिन इस वर्ष समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार गोयल एवं उनकी टीम द्वारा नित नए एवं विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में इस वर्ष नवरात्रि के दौरान नौ रात तक लगातार डांडिया कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अग्रवाल समाज तेलंगाना के लिए एक ऐतिहासिक और विशेष अवसर होगा।

आयोजन से संबंधित आगे के विस्तृत विवरण की जानकारी उचित समय पर दी जाएगी।

समाज की ओर से सभी अग्रबंधु सदस्यों से आग्रह किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित उपस्थित होकर नवरात्रि के इस भव्य डांडिया उत्सव का आनंद उठाएं।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से यह नौ दिवसीय डांडिया कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क आयोजित किया जा रहा है। आयोजन को लेकर समाज के सदस्यों में उत्साह का माहौल है और इसे नवरात्रि के दौरान सामाजिक एकता, सांस्कृतिक परंपरा एवं मनोरंजन का विशेष संगम माना जा रहा है।

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के द्वितीय दिवस पर वैदिक ज्ञान और आध्यात्मिक प्रवचनों की रही धूम

यजुर्वेद पारायण महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने लिया भाग, भजनोपदेशक पंडित भूपेंद्र आर्य ने भजनों से बांधा समां

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य समाज सुल्तान बाजार, महर्षि दयानंद मार्ग में आयोजित श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के द्वितीय दिवस का कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। प्रातः एवं सायंकालीन सत्रों में यज्ञ, वैदिक मंत्रोच्चार, भजन एवं आध्यात्मिक प्रवचनों का आयोजन किया गया।

प्रातः एवं सायंकालीन सत्र का शुभारंभ यज्ञमाता निर्मला योग भारती के ब्रह्मत्व में हुआ। ऋत्विजों डॉ. मैत्रेयी शास्त्री एवं श्रीमती स्फूर्ति के निर्देशन में यजुर्वेद पारायण महायज्ञ संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

इसके पश्चात मेरठ से पधारे सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक पंडित भूपेंद्र आर्य ने अपने मधुर भजनों एवं प्रभावशाली उपदेशों के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को वैदिक धर्म और ईश्वर-भक्ति का संदेश दिया। तबला वादक कृष्ण पाल आर्य, मेरठ ने सुंदर संगत प्रदान की। उनके भजनों और संगीत ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रातः एवं सायंकालीन सत्रों में दिल्ली-एन-सीआर से पधारे आचार्य डॉ. जैनेंद्र कुमार ने भगवान श्रीकृष्ण एवं भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन तथा परमपिता परमेश्वर और ओ3म् की महिमा पर प्रेरणादायक प्रवचन दिए।

उन्होंने कहा कि महापुरुषों का जीवन हमें सत्य, धर्म, मर्यादा और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। परमेश्वर की उपासना मनुष्य के जीवन को श्रेष्ठ, संस्कारित और सदाचारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में आर्य समाज के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर यज्ञ, भजन एवं आध्यात्मिक प्रवचनों का लाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा और आध्यात्मिकता का वातावरण बना रहा।

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के माध्यम से वैदिक संस्कृति, ज्ञान और आध्यात्मिक विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया जा रहा है। आयोजन में श्रद्धालुओं की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष रूप से सफल बनाया।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना से अभिभूत, सरोज मेहता ने जताया आभार

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में शनिवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने श्रीमती सरोज मेहता के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विशेष अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जन्मदिन के इस विशेष अवसर को सेवा और मानवता से जोड़ते हुए जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों के साथ मेहता परिवार के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।इस अवसर पर श्रीमती श्रवण मेहता ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस प्रकार निरंतर निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा कर रहा है, वह वास्तव में पुण्य का ही फल है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने व्यक्तिगत उत्सवों तक सीमित रहते हैं, वहीं जन्मदिन जैसे अवसर को जरूरतमंदों की सेवा के लिए समर्पित करना एक सराहनीय पहल है।उन्होंने राधे-राधे ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल एवं समस्त सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें आमंत्रित कर इस सेवा कार्य में सहभागी बनने तथा जन्मदिन को सार्थक रूप से मनाने का अवसर प्रदान किया गया, इसके लिए वह राधे-राधे ग्रुप की हृदय से आभारी हैं। उन्होंने कहा कि ग्रुप द्वारा जिस आत्मीयता और सेवा भावना के साथ अन्नदान का कार्य किया जा रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है।श्रीमती मेहता ने कहा कि जन्मदिन पर किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन कराना, उसके चेहरे पर मुस्कान लाना और उसके साथ कुछ पल आत्मीयता से बिताना किसी भी महंगे उपहार से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें राधे-राधे ग्रुप जैसे सेवा संगठन के साथ मिलकर अपना जन्मदिन मनाने का अवसर मिला।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, प्रवीण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल एवं मीना अग्रवाल सहित मधुकर मेहता, चेतन, हिमाली, मिताशी मिश्रा तथा मेहता परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने अन्नदान कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई और श्रीमती सरोज मेहता को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

मेहता परिवार ने राधे-राधे ग्रुप के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जन्मदिन के अवसर पर आयोजित यह सेवा कार्यक्रम उनके लिए हमेशा यादगार रहेगा। सेवा के माध्यम से मनाया गया यह जन्मदिन मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का सुंदर संदेश देते हुए सभी के लिए प्रेरणादायी बना।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का ऐतिहासिक रक्षा बंधन कार्यक्रम 31 अगस्त को

पहली बार आयोजित होगा विशेष समारोह, बहनें पदाधिकारियों एवं अग्रबंधुओं को बांधेंगी राखी

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा समाज के इतिहास में पहली बार रक्षा बंधन का विशेष एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सोमवार, 31 अगस्त को दोपहर 12:30 बजे से शाम 4 बजे तक सिकंदराबाद स्थित समाज के बैंक्वेट हॉल में आयोजित होगा।

समाज के मीडिया, प्रचार एवं प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में समाज की बहनें आकर अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों सहित कई अग्रबंधुओं को राखी बांध सकेंगी। इस आयोजन का उद्देश्य भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को सामाजिक स्तर पर और मजबूत करना है।

कार्यक्रम में शामिल होने वाली बहनें राखी एवं पूजा का सामान अपने साथ भी ला सकती हैं। यदि कोई बहन सामग्री साथ नहीं ला पाती है तो कार्यक्रम स्थल पर राखी एवं पूजा सामग्री उपलब्ध रहेगी।

आयोजन को आकर्षक बनाने के लिए लोक संगीत की प्रसिद्ध गायिका स्वाती दाहिमा की विशेष प्रस्तुति भी रखी गई है। उनके संगीत कार्यक्रम से समारोह में मनोरंजन और उत्साह का रंग और गहरा होगा।

कार्यक्रम के दौरान पूजा की थाली सजाने तथा राखी बनाने की प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

इसके अलावा कार्यक्रम में सभी उपस्थितजनों के लिए भोजन की व्यवस्था भी रहेगी।

आयोजन में भाग लेने वाली सभी बहनों के लिए गूगल फॉर्म के माध्यम से अपना नाम पंजीकृत कराना अनिवार्य किया गया है। कार्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल समाज के राघव रत्ना स्थित कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से सभी अग्र बहनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस विशेष आयोजन को सफल बनाने तथा रक्षा बंधन के पर्व को यादगार बनाने का आग्रह किया गया है। समाज के इतिहास में पहली बार आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर सदस्यों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

बाबा रामदेव जी के वंशज प्रेम सिंह तंवर का स्वागत एवं सम्मान

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल प्रगति समाज की ओर से राजस्थान के रामदेवरा से पधारे बाबा रामदेव जी के वंशज प्रेम सिंह तंवर का हैदराबाद नगर आगमन पर ऋषि श्रृंग भवन में स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर सिखवाल प्रगति समाज के पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं ने प्रेम सिंह तंवर का शाल एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उनका स्वागत करते हुए बाबा रामदेव जी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

स्वागत समारोह में रामदेव नागला, शेषमल उपाध्याय, कायत, संदीप जायलवाल सहित दायमा समाज के प्रमुख श्रवण कुमार दाधीच, बाबूलाल खटोड़, आनंद ओझा, गोपाल कृष्ण तिवारी, जुगल किशोर उपाध्याय, विजय शर्मा एवं पांडिया सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समाजबंधुओं ने आपसी सौहार्द एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। बाबा रामदेव जी के वंशज के आगमन को समाज के लिए गौरवपूर्ण अवसर बताते हुए सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्री संकटहरण महादेव जी की भव्य सवारी में भाजपा के वरिष्ठ नेता दिनेश यादव, योगेश पहलवान एवं शिवाजी दादा ने शामिल होकर बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और लिवरपूल एफसी की हैदराबाद पर नजर

तेलंगाना वैश्विक साझेदारियों की तलाश में

लंदन/हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद अपनी वैश्विक छवि को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और लिवरपूल एफसी शिक्षा, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी, खेल और नवाचार के क्षेत्रों में तेलंगाना के साथ रणनीतिक साझेदारियों की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। ये घटनाक्रम मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के लंदन में दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ हुए बैठकों के दौरान सामने आए।

हैदराबाद को वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में पेश किया

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की एक शैक्षणिक टीम के साथ शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख वैश्विक संस्थानों के लिए हैदराबाद में उपलब्ध अवसरों को रेखांकित किया और शहर को वैश्विक ज्ञान एवं नवाचार केंद्र बनाने के तेलंगाना के विजन में कैम्ब्रिज को साझेदार बनने का आमंत्रण दिया।

आईटी एवं उद्योग मंत्री डुड्डिल्ला श्रीधर बाबू, मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं पदेन विशेष मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव तथा विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

कैम्ब्रिज के प्रोफेसरों ने रुचि व्यक्त की

कैम्ब्रिज जज बिजनेस स्कूल के प्रोफेसर जयदीप प्रभु और वेंकटा सिरीष गंडिकोटा ने तेलंगाना के साथ काम करने में रुचि व्यक्त की और राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

चर्चाओं में शैक्षणिक कार्यक्रमों, संयुक्त अनुसंधान, स्टार्टअप विकास और युवा उद्यमियों के इनक्यूबेशन में संभावित सहयोग शामिल था।

दोनों पक्षों ने प्रस्तावित पहलों को हैदराबाद में आगे बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट कार्य योजना पर काम करने पर सहमति जताई।

लिवरपूल एफसी ने तेलंगाना साझेदारी पर नजर डाली

लंदन में एक अलग बैठक में लिवरपूल के सिटी डेवलपमेंट के कॉर्पोरेट निदेशक सुसान फिनेगन और नुआला गैलाघर के साथ लिवरपूल फुटबॉल क्लब के सहयोगियों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की।

लिवरपूल ने जीवन विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को कवर करने वाली तेलंगाना के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने में रुचि व्यक्त की।

अक्टूबर में लिवरपूल प्रतिनिधिमंडल का हैदराबाद दौरा

एक लिवरपूल प्रतिनिधिमंडल अक्टूबर में हैदराबाद का दौरा करने वाला है ताकि चर्चाओं को आगे बढ़ाया जा सके और प्रस्तावित साझेदारी को औपचारिक रूप दिया जा सके।

यह दौरा खेल, प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान और रचनात्मक अर्थव्यवस्था में लिवरपूल की विशेषज्ञता और वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तेलंगाना को जोड़ने वाले सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

तेलंगाना ने वैश्विक पहुंच बढ़ाई

कैम्ब्रिज और लिवरपूल के साथ प्रस्तावित साझेदारियां तेलंगाना के व्यापक तेलंगाना राइजिंग अभियान का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य वैश्विक संस्थानों को आकर्षित करना और हैदराबाद की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को मजबूत करना है।

रेवंत रेड्डी ने लंदन में अंबेडकर हाउस का दौरा किया

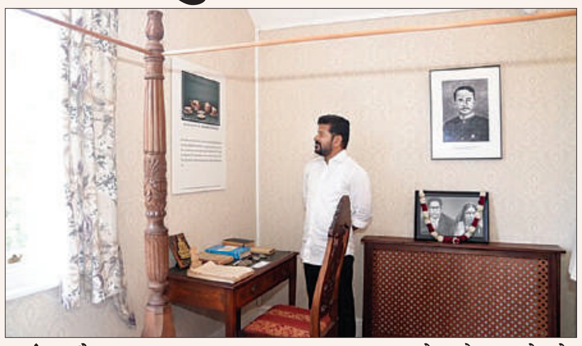

लंदन/हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को लंदन के प्रिमरोज स्थित 10 किंग हे-नरीज रोड पर स्थित ऐतिहासिक अंबेडकर हाउस का दौरा किया, जहां डॉ. बी.आर. अंबेडकर 1921-22 के दौरान रहे थे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि रेवंत रेड्डी ने मंत्री डी. शीधर बाबू के साथ डॉ. अंबेडकर और उनके संवैधानिक मूल्यों, समानता, सामाजिक न्याय एवं जातिविहीन समाज के आदर्शों को समर्पित संग्रहालय का भ्रमण किया।

सामाजिक न्याय के प्रति संकल्प

इस दौरे को एक गहरा प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए मुख्यमंत्री ने आगंतुक पुस्तिका में लिखा कि डॉ. अंबेडकर हाउस का दौरा करना ''एक तीर्थयात्रा की तरह'' था और इसने सामाजिक न्याय के प्रति उनके समर्पण को फिर से नवीनीकृत किया है। एक घंटे की इस यात्रा के दौरान एंटी कास्ट डिस्क्रिमिनेशन एलायंस (अडृअ) की अध्यक्ष संतोष दास एमबीई (चइए), जिन्होंने संग्रहालय की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, ने मुख्यमंत्री को डॉ. अंबेडकर के जीवन और यूके में उनके समय के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी।

महान भारतीय के जीवन का अनुभव

दौरे के बाद, रेवंत रेड्डी ने इसे ''जीवन के सबसे महान क्षणों में से एक'' बताया और कहा कि सबसे महान भारतीयों में से एक के व्यक्तिगत पहलू का अनुभव करना एक विशेषाधिकार था। अंबेडकर हाउस, जो अब एक संग्रहालय है, डॉ. अंबेडकर की विरासत को संरक्षित करता है और संवैधानिक लोकतंत्र, समानता एवं सामाजिक न्याय में उनके योगदान को प्रदर्शित करता है।

अवैध पान मसाला इकाई में 160 करोड़ का कर चोरी का खुलासा, 40 पैकिंग मशीनें जब्त

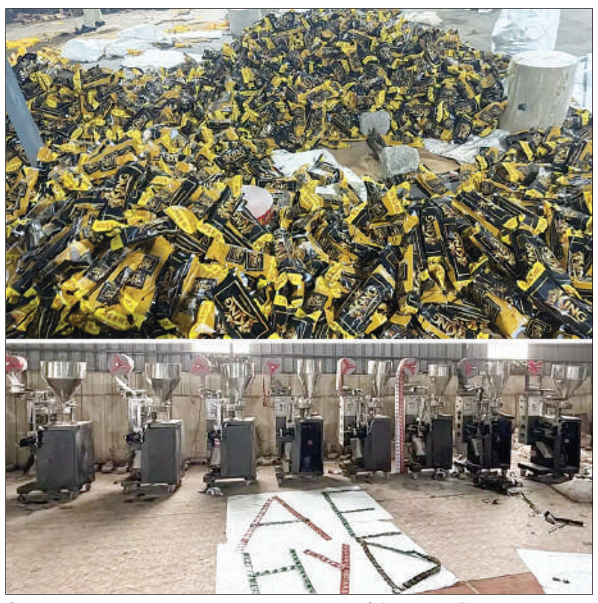

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेडचल-मलकाजगिरी में एक टिन शेड से संचालित हो रही गुप्त पान मसाला और सुगंधित जर्दा फैक्ट्री सीजीएसटी के रडार पर आ गई है। अधिकारियों ने कर और सेस की चोरी का अनुमान 160 करोड़ लगाया है।

छापे में 40 अघोषित पैकिंग मशीनें, 56 मजदूर और लगभग 5,500 किलोग्राम तैयार तंबाकू उत्पाद बरामद हुए। साथ ही कच्चा माल और अवैध सामान के परिवहन में कथित रूप से इस्तेमाल होने वाले दो वाहन भी जब्त किए गए।

टिन शेड में छिपा पूरा विनिर्माण इकाई

विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए हैदराबाद सीज-ीएसटी जोन के अधिकारियों ने परिसर की तलाशी ली और एक अपंजीकृत विनिर्माण सुविधा पाई, जो कथित रूप से पान मसाला और सुगंधित जर्दा के उत्पादन तथा पैकिंग में शामिल थी।

यह इकाई कथित रूप से ब्रांडेड और अनब्रांडेड दोनों किस्मों के उत्पाद बना रही थी और लागू करों तथा शुल्कों का भुगतान किए बिना उन्हें बाजार में उतार रही थी।

40 पैकिंग मशीनें, 56 मजदूर मिले

तलाशी के दौरान ऑपरेशन का पैमाना सामने आया, जब अधिकारियों ने 40 अघोषित फॉर्म-फिल-सील (एफएफएस) पैकिंग मशीनें पाईं, जिनका कथित उपयोग तंबाकू उत्पादों की पैकेजिंग में हो रहा था। परिसर में विनिर्माण गतिविधियों में लगे लगभग 56 मजदूर भी पाए गए।

कई पैकिंग मशीनों और बड़ी संख्या में कार्यबल की उपस्थिति से संकेत मिलता है कि यह सुविधा कथित रूप से संगठित, बड़े पैमाने पर गुप्त विनिर्माण में संलग्न थी।

5,500 किलोग्राम तैयार स्टॉक जब्त

अधिकारियों ने लगभग 5,500 किलोग्राम तैयार स्टॉक जब्त किया, जिसमें लगभग 76 लाख मूल्य के तैयार-से-डिस्पैच कंसाइनमेंट शामिल थे।

ऑपरेशन में निम्नलिखित भी जब्त किए गए:

2,015 किलोग्राम पान मसाला मिश्रण

810 किलोग्राम तंबाकू

पैकिंग सामग्री

40 एफएफएस पैकिंग मशीनें

उत्पादों के परिवहन में कथित रूप से इस्तेमाल होने वाले दो वाहन

अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज

160 करोड़ कर और सेस चोरी का पता चला

अधिकारियों के अनुसार, यह इकाई बिना पंजीकरण के संचालित हो रही थी और कथित रूप से लागू जीएसटी, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा (एचएसएनएस) सेस तथा केंद्रीय उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना तैयार उत्पादों को बाजार में उतार रही थी।भौतिक स्टॉक सत्यापन, स्थापित मशीनरी, कार्यबल की संख्या और जांच के दौरान दर्ज बयानों के आधार पर अधिकारियों ने कुल शुल्क और सेस चोरी का अनुमान लगभग 160 करोड़ लगाया।

मुख्य आरोपी गिरफ्तार

गुप्त विनिर्माण और निकासी संचालन के आयोजन तथा प्रबंधन के लिए कथित रूप से जिम्मेदार व्यक्ति को 21 अगस्त को गिरफ्तार किया गया। उसे हैदराबाद में आर्थिक अपराधों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।उत्पादों के कथित विनिर्माण और निकासी में शामिल पूरे नेटवर्क को स्थापित करने के लिए जांच जारी है।

अवैध तंबाकू इकाइयों पर इसी तरह की कार्रवाई

हैदराबाद का यह ऑपरेशन गुप्त तंबाकू और पान मसाला विनिर्माण के खिलाफ तेज कार्रवाई के बीच आया है।इस महीने की शुरुआत में डीजीजीआई के लखनऊ जोनल यूनिट ने उत्तर प्रदेश के चित्रकूट और बांदा जिलों में छह परिसरों में इसी तरह का ऑपरेशन उजागर किया था।वहां अधिकारियों ने 27 अघोषित पाउच-पैकिंग मशीनें पाईं, जिनमें सुगंधित जर्दा, पान मसाला और दोहरा/देसी गुटखा के लिए कथित रूप से इस्तेमाल होने वाली मशीनें शामिल थीं। साथ ही मिक्सिंग, सुपारी क्रशिंग और ड्राइंग मशीनें भी मिलीं।

गच्चीबावली में नवनिर्मित 7 मंजिला इमारत ढही, 2 की मौत

हैदराबाद, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गच्चीबाउली के अंजइया नगर में नाले के किनारे 50 वर्ग गज के प्लॉट पर बनी सात मंजिला इमारत शनिवार दोपहर अचानक ढह गई। इससे दो मजदूरों की मौत हो गई और मलबा पड़ोसी अपार्टमेंट पर गिरने से दो बुजुर्ग निवासी घायल हो गए।

इमारत करीब दोपहर 1 बजे गिरी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई क्योंकि मलबे के विशाल टुकड़े आस-पास के अपार्टमेंट पर गिरे। क्षतिग्रस्त इमारत से निवासी बाहर भागे, जबकि पास के हॉस्टल के छात्र भी अपनी सुरक्षा को लेकर परिसर छोड़कर भाग निकले।

मलबे के नीचे दबे दो मजदूर

मृतकों की पहचान उन्मेश कारे (34) और मोपट (42) के रूप में हुई, जो दोनों मध्य प्रदेश के टाइल मजदूर थे। बचाव कर्मियों ने मलबे के नीचे से उनके शव बरामद किए।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इमारत का निर्माण पूरा हो चुका था और उसे किराए पर देने की तैयारी चल रही थी, जब वह अचानक ढह गई।

पड़ोसी अपार्टमेंट को नुकसान

ढहने के प्रभाव से मलबा पास के अपार्टमेंट पर गिरा, जिससे उसे आंशिक नुकसान पहुंचा। इस घटना में दो बुजुर्ग निवासी घायल हुए।

अपार्टमेंट की दीवारों के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त होने पर निवासियों को परिसर से निकाल दिया गया। पड़ोसी हॉस्टल में रह रहे छात्र भी इमारत गिरने के बाद भाग निकले।

बचाव दल ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया

पुलिस, अग्निशमन सेवा, एसआरएफ और जीएचएमसी के कर्मी मौके पर पहुंचे और मलबे के नीचे कोई और तो नहीं फंसा है, इसकी जांच के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

अधिकारियों ने विशाल मलबे के नीचे अतिरिक्त पीड़ित दबे होने की आशंका के बीच बचाव अभियान जारी रखा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना लंचटाइम के आसपास हुई और उन्होंने आशंका जताई कि अगर इमारत शाम को गिरती जब आस-पास और अंदर ज्यादा लोग होते, तो हताहतों की संख्या कहीं अधिक हो सकती थी।

हाइड्राआ आयुक्त ए.वी. रंगनाथ, विधायक अरेकापुडी गांधी और जीएचएमसी आयुक्त सृजना मौके पर पहुंचे और बचाव तथा राहत कार्यों की समीक्षा की। इस घटना ने घनी आबादी वाले इलाके में निर्माण की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

भवन अनुमति और गुणवत्ता पर सवाल

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यह संरचना उचित अनुमति के बिना और जीएचएमसी नियमों का उल्लंघन करके बनाई गई थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आवश्यक गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का पालन किए बिना तेजी से निर्माण किया गया।

ये आरोप अभी आधिकारिक रूप से स्थापित नहीं हुए हैं। अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे इमारत की अनुमति, स्वीकृत योजना, निर्माण प्रथाओं और संरचनात्मक स्थिरता की जांच करेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि ढहने का कारण क्या था।

पुलिस बिल्डर की तलाश में

पुलिस कथित रूप से बिल्डर साजिद की तलाश कर रही है, जो जांच का हिस्सा है।

अधिकारियों द्वारा यह जांच की संभावना है कि क्या इमारत के पास आवश्यक मंजूरी थी और क्या कोई निर्माण या संरचनात्मक उल्लंघन ढहने में योगदान दे रहा था।

हाइड्रा का अंजइया नगर में और 'खतरनाक' इमारतों पर निशाना

गाचीबाउली के अंजइया नगर में सात मंजिला इमारत के ढहने से घनी बसी इस बस्ती की कई अन्य इमारतें भी स्कैनर पर आ गई हैं। हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने अनधिकृत और संभावित खतरनाक संरचनाओं की पहचान कर कार्रवाई के लिए विशेष अभियान की घोषणा की।

रंगनाथ ने शनिवार को ढहने के स्थल का निरीक्षण किया और कहा कि कई इमारतें कथित रूप से नाले के करीब अनिवार्य सेटबैक या उचित अनुमति के बिना बनाई गई हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा और भवन नियमों का उल्लंघन करने वाली संरचनाओं के खिलाफ कार्रवाई होगी।

50 गज के प्लॉट पर 7 मंजिलें

हाइड्रा आयुक्त ने कहा कि अंजइया नगर में कुछ इमारतें मात्र 50 वर्ग गज के छोटे प्लॉट पर बहुमंजिला संरचनाओं के रूप में बनाई गई हैं, जिससे उनकी सुरक्षा पर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं।

उन्होंने कहा कि हाइड्राआ अगले कुछ दिनों में ऐसी इमारतों का निरीक्षण करेगा और नियमों का उल्लंघन करने वाली संरचनाओं के खिलाफ उचित कार्रवाई करेगा।

हाइड्रा, सीएमसी विशेष अभियान शुरू करेंगे

रंगनाथ ने सीएमसी आयुक्त सृजना और हाइड्राआ अतिरिक्त निदेशक वरला पापैया के साथ इलाके की कई इमारतों का निरीक्षण किया और बचाव कार्यों की समीक्षा की।

हाइड्राआ और सीएमसी संयुक्त रूप से अंजइया नगर में विशेष अभियान चलाएंगे ताकि आवश्यक सेटबैक के बिना बनी इमारतों, अनधिकृत निर्माणों और निवासियों के लिए खतरा पैदा करने वाली संरचनाओं की पहचान की जा सके।

क्षतिग्रस्त अपार्टमेंट के निवासियों को दूर रहने को कहा

रंगनाथ ने क्षतिग्रस्त जयदर्शन अपार्टमेंट का भी निरीक्षण किया, जो पास की सात मंजिला इमारत गिरने से प्रभावित हुआ था।

सभी मंजिलों की जांच और निवासियों से बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि मलबा तुरंत हटाया जाएगा। इसके बाद अपार्टमेंट की संरचनात्मक मजबूती का आकलन और प्रमाणन किया जाएगा।

निवासियों को सलाह दी गई कि सुरक्षा आकलन पूरा होने तक क्षतिग्रस्त हिस्से में न रहें।

सीएमसी का कहना, पहले निर्माण रोका गया था

सीएमसी आयुक्त सृजना ने कहा कि पहले ढही इमारत के बारे में शिकायत मिली थी, जिसके बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया था। हालांकि, बाद में काम फिर शुरू हुआ और शनिवार को इमारत ढह गई। उन्होंने कहा कि सीएमसी हाइड्राआ के साथ मिलकर अंजइया नगर की इमारतों का निरीक्षण करेगा और भवन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

बचाव कार्यों की समीक्षा

हाइड्राआ आयुक्त ने ढहने के स्थल पर हाइड्राआ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सीएमसी और पुलिस द्वारा चलाए जा रहे बचाव तथा राहत कार्यों की भी समीक्षा की।

यादाद्री-भोंगीर की फार्मा इकाई में रिएक्टर धमाके में दो की मौत, नौ घायल

नलगोंडा, 22 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो): यादाद्री-भोंगीर जिले के भूदान पोचमपल्ली मंडल स्थित दोथीगुडेम गांव के बाहरी इलाके में एक औद्योगिक इकाई में रिएक्टर विस्फोट होने से दो श्रमिकों की मौत हो गई और दो अन्य की हालत गंभीर है। इस हादसे में दस लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जो कथित तौर पर नाइट शिफ्ट के दौरान काम कर रहे थे। विस्फोट के बाद भीषण लपटें उठीं और पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया। खबरों के मुताबिक, रिएक्टर के पास काम कर रहे बिहार के श्रमिकों समेत दस लोग झुलस गए। कंपनी प्रबंधन ने तुरंत घायलों को इलाज के लिए हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इस तेज धमाके से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया और आसपास के गांवों के निवासियों में डर का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही चौटुप्पल रूरल सीआई सतीश रेड्डी, एसआई जगन और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। दमकल की गाड़ियों ने भी पहुंचकर आग पर काबू पाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.